डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

Join Telegram Chennal Search @rojgaraurnirman

पृष्ठ सम्पर्क : 1 से 8 | 16-31 अक्टूबर 2021 | वर्ष 31 अंक 12 | मासिक | मूल्य रु. 7/-

मध्यप्रदेश में योजनाओं पर बेहतर तरीके से किया गया अमल - प्रधानमंत्री

लैंड डिजिटाइजेशन में सराहनीय कार्य कर अग्रणी बनकर उभरा मध्यप्रदेश

भोपाल, मध्यप्रदेश गजब है और देश का गौरव भी, साथ ही मध्यप्रदेश में गति भी है और विकास की ललक भी। यहां मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश की जनता के हित में योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए दिन-रात एक कर बेहतर तरीके से लागू किया जा रहा है। यह जब-जब मैं देखता हूं मुझे बहुत आनंद आता है। मध्यप्रदेश ने खास अंदाज में स्वामित्व योजना में भी बेहतर काम किया है। श्री चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश लैंड डिजिटाइजेशन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर अग्रणी बनकर उभरा है। ये बातें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वामित्व योजना में मध्यप्रदेश के 19 जिलों के 3 हजार गांव के एक लाख 71 हजार ग्रामीणों को वर्चुअली अधिकार अभिलेखों का वितरण कर संबोधित करते हुये कहीं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी मध्यप्रदेश में स्वामित्व योजना के तहत अधिकार अभिलेख वितरण कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुये।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे संतोष है कि मध्यप्रदेश में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को अपनी जमीन का मालिकाना कागज आसानी से मिल रहा है। नागरिकों को आबादी की भूमि पर मालिकाना हक देकर उन्हें सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। मेरा विश्वास है कि मध्यप्रदेश में जल्द ही सभी गांवों में अधिकार अभिलेख मिल जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा गांव में बसती है। भारत के गांवों की जो ताकत है वह गांव के लोगों की जमीन है। उसका उपयोग लोग अपने विकास में नहीं कर पाते हैं। विवाद, लड़ाई-झगड़े और न जाने कितनी मुश्किलें उन्हें झेलना पड़ती हैं। गांधी जी ने भी इसे लेकर चिंता जाहिर की थी। इस क्षेत्र में सुधार हमारी जिम्मेदारी बनती है। श्री मोदी ने कहा कि जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था तभी इस पर काम शुरू कर दिया था। किसी भी कार्य के लिए यदि सही प्रयास किया जाए तो सब कुछ सार्थक होता है।

ग्रामों की आर्थिक मजबूती की ठोस योजना

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि श्री शिवराज सिंह चौहान जब मुख्यमंत्री बने थे, तो उन्होंने सबसे पहले गरीब कल्याण योजना के माध्यम से जनसेवा की नई शुरुआत की थी। शिवराज जी के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों में टेक्नोलॉजी के उपयोग के साथ कार्य हो रहे हैं। स्वामित्व योजना के लाभ, जो आज दिखाई दे रहे हैं, वे एक बड़े राष्ट्रीय अभियान का ही हिस्सा है। ग्रामों की आर्थिक मजबूती के लिये यह ठोस योजना है। गृह निर्माण के लिये ऋण की प्राप्ति भी इससे आसान हो जाएगी।

गांवों में शीघ्र मिलेंगे अधिकार अभिलेख

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामित्व योजना के जो लाभ दिख रहे हैं, वह देश के बहुत बड़े अभियान का हिस्सा है। यह गांवों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश के सभी गांवों में शीघ्र ही अधिकार अभिलेख मिल जायेंगे। अनेक तरह के भूमि विवादों से मुक्ति मिलेगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि वे गुजरात में मुख्यमंत्री के रूप में इस महत्वपूर्ण कार्य को प्रारंभ कर चुके हैं। इसलिए इस योजना के वास्तविक लाभ से परिचित हैं।

किसानों को मिले क्रेडिट कार्ड
80 करोड़ को मिला मुफ्त अनाज

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसान क्रेडिट योजना ने किसानों को राहत पहुंचाई है। दो करोड़ से अधिक किसानों को बैंक से बिना गारंटी के ऋण की राह आसान हुई है। करीब 15 लाख करोड़ रुपये की राशि मुद्रा योजना के माध्यम से पहुंची है। इसी तरह करीब 8 करोड़ बहनें स्व-सहायता समूहों से जुड़ी हैं, इन्हें जन-धन खाते से भी लाभ मिला है। अब महिला स्व-सहायता समूहों को ऋण में दोगुनी राशि प्राप्त हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में काफी मुश्किलें भी आईं।

आज का दिन ऐतिहासिक है - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है क्योंकि आज के दिन ही श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में 20 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हो गया है। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख प्रदान किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश का सम्मान विश्व में बढ़ा है।

अप्रेन्टिसशिप मेले

चार हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों का हुआ चयन

भोपाल, कौशल विकास विभाग द्वारा 4 अक्टूबर को सभी जिला स्तरीय शासकीय आईटीआई में अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन किया गया था। इसमें 4 हजार 586 अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न कम्पनियों में अप्रेन्टिसशिप के लिये हुआ है।

अप्रेन्टिसशिप मेले में आईटीआई (इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग ट्रेड), डिप्लोमा, कौशल प्रमाण-पत्र (PMKY/DDUGKY/MMKSY/MMKY/YSY) धारक एवं अन्य स्नातक उत्तीर्ण 10 हजार 957 पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी शामिल हुए थे। मेले में रीवा संभाग से 993, भोपाल से 895, इंदौर से 658, जबलपुर से 597, ग्वालियर से 533, उज्जैन से 437, बालाघाट से 239 और सागर संभाग से 234 अभ्यर्थियों का चयन किया गया।

अप्रेन्टिसशिप मेले में देश एवं प्रदेश के विभिन्न प्रतिष्ठानों, वाल्वो-आयशर कॉमर्शियल व्हीकल्स, जेबीएम ऑटो, फोर्स मोटर्स, एमटेक ऑटो, अल्ट्राटेक, IPCA, जे.के. व्हाइट, ओरिएंट पेपर मिल, सुप्रीम इण्डस्ट्री, ट्रायडेंट लिमिटेड, वर्धमान यार्न्स, ओसवाल वूलन मिल्स, नाहर स्पिनिंग मिल, अनंत स्पिनिंग मिल, ग्रासिम, जहांनुमा होटल, नूर-उस-सबाह होटल, रेल कोच फैक्ट्री भोपाल, नेशनल सीड कॉर्पोरेशन भोपाल, RDSDE भोपाल, ऑर्डिनेंस फैक्ट्री इटारसी, ग्रे आयरन फाउण्ड्री जबलपुर, नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, गैस अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड द्वारा 4 हजार 586 अभ्यर्थियों को अप्रेन्टिसशिप के लिये चयनित किया। दो राष्ट्रीय स्तर के टीपीए (थर्ड पार्टी एग्रीगेटर्स), एडुवांटेज के प्रतिनिधि 35 जिलों एवं यशस्वी टीपीए 22 जिलों के अप्रेन्टिसशिप मेले में भौतिक रूप से एवं 20 जिलों में ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित हुए।

खास खबर

पर्यावरण प्रबंधन पीजी डिप्लोमा कोर्स के लिये आवेदन आमंत्रित

भोपाल, एप्को इंस्टीट्यूट ऑफ एनवायरमेंटल स्टडीज द्वारा एक वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एनवायरमेंट मैनेजमेंट पाठ्यक्रम 2021-22 के लिये 25 अक्टूबर, 2021 तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। सामान्य श्रेणी के आवेदक का स्नातक स्तर पर 50 प्रतिशत और आरक्षित वर्ग का 45 प्रतिशत के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। आवेदक की आयु 31 दिसम्बर, 2021 तक 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिये। सामान्य वर्ग के आवेदक के लिये पाठ्यक्रम शुल्क 25 हजार और आरक्षित वर्ग के लिये 15 हजार निर्धारित की गई है।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

जन कल्याण और सुराज अभियान

घर बैठे सिटीजन पोर्टल पर दर्ज करायें ई-एफआईआर - मुख्यमंत्री

भोपाल, मध्यप्रदेश में आमजन अब घर बैठे सिटीजन पोर्टल पर ई-एफआईआर दर्ज करा सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जन-कल्याण और सुराज के 20 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित समारोह में सिटीजन पोर्टल का लोकार्पण करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा नागरिकों को सुविधा उपलब्ध कराये जाने के लिये नित-नये प्रयास किये जा रहे हैं। नवाचारों को अमलीजामा पहनाया जा रहा है।

सिटीजन पोर्टल द्वारा आम नागरिकों को ई-एफआईआर के रूप में एफआईआर दर्ज करने की वैकल्पिक सुविधा प्रदान की गई है। इससे नागरिक ऑनलाइन संबंधित थाने को घटना के संबंध में ई-एफआईआर दर्ज करा सकते हैं। नागरिकों द्वारा मध्यप्रदेश पुलिस की वेबसाइट अथवा सिटीजन पोर्टल https://citizen.mppolice.gov.in पर स्वयं का पंजीयन कर पंजीकृत आईडी से लॉगिन करके ही ई-एफआईआर दर्ज की जा सकती है। उक्त ई-एफआईआर आवेदन पर एफआईआर दर्ज होने के उपरांत आवेदक को अपनी एफआईआर के विभिन्न चरणों की अद्यतन स्थिति एसएमएस एवं ई-मेल के माध्यम से प्राप्त होती रहेगी। सिटीजन पोर्टल प्रारंभ हो जाने से पीड़ित व्यक्ति 15 लाख तक की वाहन चोरी या एक लाख तक की सामान्य चोरी के मामलों में ई-एफआईआर से ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकेगा। आम व्यक्ति को इससे आधार ई-साइन की सुविधा मिलेगी। आधार ई-साइन युक्त पावती की ऑनलाइन ई-मेल एवं एसएमएस के माध्यम से प्राप्ति की सुविधा मिलेगी।

- **प्रदेश में चार हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती की प्रक्रिया चल रही है।**
- **पुलिस विभाग में अधोसंरचनात्मक आवास एवं कल्याण के लिये 380 करोड़ रुपये स्वीकृत।**
- **इस राशि से 34 शहरी थाने, 220 अर्धशहरी थाने और 199 पुलिस चौकियों का निर्माण किया जायेगा।**

प्रदेश में मध्यप्रदेश पुलिस मोबाइल एप की सुविधा भी प्रदान की गई है। इस एप द्वारा गुम दस्तावेज और मोबाइल गुम होने की सूचना की इलेक्ट्रॉनिक पावती, संकट के समय परिजनों एवं डॉयल-100 को एसएमएस भेजने की सुविधा, गुमशुदा व्यक्ति अथवा अज्ञात शव की जानकारी सर्च करने की सुविधा प्रदान की गई है।

मध्यप्रदेश में बड़ी ग्राम पंचायतों में खुलेंगे उप लोक सेवा केंद्र

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जनकल्याण और सुराज अभियान के समापन समारोह को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में नागरिकों को मिल रही विभिन्न सेवाओं की व्यवस्था को और अधिक पुख्ता किया जाएगा। इसके अंतर्गत लोक सेवा केंद्रों का विस्तार तहसील से आगे ग्राम पंचायत स्तर तक होगा। आने वाले एक साल में पांच हजार से अधिक आबादी वाली ग्राम पंचायतों में उप लोक सेवा केंद्र स्थापित होंगे। नागरिकों को उनके द्वार पर सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। नागरिकों को खसरा की प्रति सिर्फ 10 रुपये प्रति पृष्ठ उपलब्ध करवाई जाएगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मिंटो हाल सभा कक्ष में 17 सितम्बर से प्रारंभ हुए जनकल्याण और सुराज अभियान के समापन दिवस पर संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 'ई-रुपी' की व्यवस्था को ई-वाउचर के रूप में लागू किया जाएगा। आयुष्मान भारत के अंतर्गत मरीजों की उपचार राशि एवं छात्रवृत्ति के भुगतान के लिए 'ई-रुपी' के माध्यम से सीधे हितग्राहियों को विशिष्ट प्रयोजन के उद्देश्य से कैश बेनिफिट ट्रांसफर किया जा सकेगा। श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में 15 नवम्बर से 15 जनवरी, 2022 तक योजनाओं का लाभ सभी हितग्राहियों को मिल रहा है या नहीं, इसे अभियान चलाकर सुनिश्चित किया जायेगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

2 अक्टूबर

ब्रिटेन से भारत आने वाले यात्रियों के लिये 10 दिन क्वारेंटाइन अनिवार्य

● ब्रिटेन द्वारा भारतीय कोविड वैक्सीन सर्टिफिकेट को मान्यता नहीं दिये जाने के बाद भारत ने ब्रिटेन को करारा जवाब दिया है। केंद्र सरकार ने ब्रिटेन से भारत आने वाले यात्रियों के लिये 10 दिन क्वारेंटाइन रहना अनिवार्य किया है। साथ ही ब्रिटिश यात्रियों को एयरपोर्ट पर कोरोना जांच के लिये आरटी-पीसीआर टेस्ट भी कराना होगा। नये नियमों के अनुसार ब्रिटिश यात्रियों को भारत आने से 72 घंटे पहले भी आरटी-पीसीआर टेस्ट कराना होगा, भले ही उन्होंने कोरोना की दोनों डोज लगवा लिये हों। भारत आगमन पर एयरपोर्ट पर तथा आगमन के आठवें दिन फिर आरटी-पीसीआर टेस्ट कराना होगा। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन ने भी भारत सहित कुछ देशों के नागरिकों के लिये यही नियम लागू किये हैं। ब्रिटेन ने भारत के वैक्सीन सर्टिफिकेट को मान्यता भी नहीं दी है।

● आयकर विभाग ने मौजूदा वित्त वर्ष में 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक का टैक्स

रिफंड जारी किया है। यह जानकारी केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने दी है। सीबीडीटी ने बताया कि एक अप्रैल 2021 से 27 सितम्बर 2021 के बीच 49.16 लाख से अधिक करदाताओं को टैक्स रिफंड किया गया है। इनमें व्यक्तिगत आयकर मद में 47 लाख 53 हजार 254 करदाताओं को 19 हजार 699 करोड़ रुपये तथा कंपनी कर मामले में 1 लाख 63 हजार 21 करदाताओं को 60 हजार 387 करोड़ रुपये वापस किये गये हैं।

3 अक्टूबर

भारत ने लद्दाख में तैनात कीं के-9 वज्र तोपें

● पूर्वी लद्दाख में चीन की तरफ से सेना की तैनाती बढ़ाये जाने के बाद भारत ने भी

इस क्षेत्र में सैनिक की संख्या बढ़ा दी है और के-9 वज्र तोपों की तैनाती की है। थल सेना के प्रमुख जनरल एम.एम. नरवड़े ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन की ओर से बड़े पैमाने पर सेना की तैनाती चिंता का विषय है। जनरल नरवड़े ने बताया कि वज्र तोपें ऊंचाई वाले इलाकों में भी काम कर सकती हैं। इसका मैदानी परीक्षण बेहद सफल रहा है। उन्होंने कहा कि हमने लद्दाख में के-9 वज्र तोप की एक रेजिमेंट तैनात की है। उल्लेखनीय है कि के-9 स्वचलित होवित्जर तोप है, जो 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित दुश्मन के ठिकानों पर हमला करने में सक्षम है।

● केंद्र सरकार ने सेवाकाल के दौरान केंद्रीय कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसके परिवार को एकमुश्त मुआवजे के भुगतान से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। नये नियम के तहत अब केंद्रीय कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में कर्मचारी के नामित सदस्य या सदस्यों को मुआवजा राशि का भुगतान किया जायेगा। अब तक इस मामले में नामित सदस्य को भुगतान की बाध्यता नहीं थी। अभी तक परिवार के जो सदस्य पेंशन के लिये पात्र हैं, उन्हें ही मुआवजे का भुगतान किया जाता था।

● नीति आयोग ने वूमेन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया अवॉर्ड्स-2021 के लिये आवेदन आमंत्रित किये हैं। अवॉर्ड्स के लिये आवेदन 31 दिसम्बर तक किये जायेंगे। नीति आयोग ने इस संबंध में कहा कि आयोग का महिला उद्यमिता मंच स्वतंत्रता के 75 वर्ष के अवसर पर 75 महिलाओं को सम्मानित करेगा। आयोग ने बताया कि अवॉर्ड्स की थीम सशक्त और समर्थ भारत की दिशा में महिला उद्यमियों के योगदान पर है।

4 अक्टूबर

देश के 122 शहरों में खोले जायेंगे 166 आधार सेवा केंद्र

● देशभर में आधार कार्ड से संबंधित कार्यों को आसान बनाने के लिये भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने देश के 122 शहरों में 166 आधार सेवा केंद्र खोलने की घोषणा की है। यूआईडीएआई ने कहा कि अभी 55 आधार सेवा केंद्र काम कर रहे हैं। ये केंद्र सप्ताह में सभी दिन खुले रहते हैं। अब तक इन केंद्रों के माध्यम से दिव्यांगजन सहित 70 लाख से अधिक लोगों को लाभान्वित किया गया है। आधार सेवा केंद्रों में ए, बी और सी मॉडल हैं। ए मॉडल दिनभर में एक हजार, बी मॉडल दिनभर में 500 तथा सी मॉडल दिनभर में 250 आधार पंजीयन और अपडेशन करते हैं। यूआईडीएआई ने बताया कि बैंकों, डाकघरों और राज्य सरकारों की ओर से 52 हजार आधार नामांकन केंद्रों का संचालन किया जा रहा है।

● केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा है कि सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा

के लिये इस शैक्षणिक सत्र में पीएच.डी. की योग्यता अनिवार्य नहीं होगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022-23 से इस परीक्षा के लिये पीएच.डी. की डिग्री होना अनिवार्य होगी। श्री प्रधान ने कहा कि सिर्फ इस साल पीजी के वे छात्र जिन्होंने नेट पात्रता परीक्षा पास की है, वे सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा के लिये योग्य होंगे। उल्लेखनीय है कि शिक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2018 में शैक्षणिक सत्र 2021-22 से सहायक प्राध्यापक बनने के लिये नेट परीक्षा पास करने के साथ पीएच.डी. की योग्यता अनिवार्य की थी।

● इटली की राजधानी रोम में एक विमान दुर्घटना हुई। रोम के उपनगर मिलान में एक छोटा विमान दो मंजिला इमारत से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार छह लोगों और चालक दल के दो सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है।

5 अक्टूबर

आईसीएमआर ने ड्रोन आधारित वैक्सीन डिलीवरी मॉडल 'आई-ड्रोन' का किया शुभारंभ

● देश के सुदूर इलाकों में अब वैक्सीन की पहुंच आसान बनाने के लिये भारतीय

आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने ड्रोन रिस्पॉन्स एंड आउटरीच इन नॉर्थ ईस्ट (आई-ड्रोन) की शुरुआत की। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने इस वैक्सीन डिलीवरी मॉडल आई-ड्रोन का शुभारंभ किया। इस डिलीवरी मॉडल का उद्देश्य जीवन रक्षक टीके की पहुंच सभी तक सुनिश्चित करना है। श्री मांडविया ने कहा कि ड्रोन का इस्तेमाल सिर्फ वैक्सीन सप्लाई के लिये नहीं किया जायेगा, बल्कि भविष्य में दवाएं और ब्लड सैंपल को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिये भी किया जायेगा। आई-ड्रोन मॉडल के तहत मणिपुर के विष्णुपुर जिला अस्पताल से करंग द्वीप पर स्थित एक स्वास्थ्य केंद्र तक ड्रोन के जरिये वैक्सीन पहुंचाई गई। ड्रोन ने 15 किलोमीटर की दूरी 12 से 15 मिनट में तय की। सड़क मार्ग से यह दूरी 26 किलोमीटर है।

● अमेरिका के कैलिफोर्निया में ऑरेंज काउंटी तट पर एक ऑयल पाइप लाइन फटने की वजह से 1 लाख 26 हजार गैलन (लगभग 4.77 लाख लीटर) कच्चा तेल प्रशांत महासागर में बह गया। यह तेल 34 वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैल गया और लगातार यह दायरा बढ़ता जा रहा है। महासागर में कच्चे तेल के फैलने से भारी संख्या में मछलियां मर गईं और अन्य समुद्री जीव भी प्रभावित हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि समुद्र में कच्चा तेल फैलने की सबसे बड़ी घटना 20 अप्रैल 2010 में मैक्सिको की खाड़ी में घटी थी, तब 50.7 करोड़ लीटर कच्चा तेल 2100 वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैल गया था।

6 अक्टूबर

सरकार ने आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज का दायरा बढ़ाया

● केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत योजना में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने इस योजना के तहत लगभग 400 उपचारों की दरों को संशोधित किया है। आयुष्मान भारत योजना में ब्लैक फंगस से संबंधित मेडिकल पैकेज को भी शामिल किया गया है। योजना के तहत इलाज की दरें 20 से 400 प्रतिशत तक बढ़ जायेंगी, लेकिन इसका असर मरीजों पर नहीं पड़ेगा। नेशनल हेल्थ अथॉरिटी ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत पैकेज की कीमतों में परिवर्तन करने का प्रस्ताव केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को भेजा गया था, अब इसे मंजूरी मिल गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री मनसुख एल. मांडविया ने कहा कि हेल्थ बेनिफिट पैकेज का रिवाइज वर्जन जारी किया गया है और इससे आयुष्मान भारत योजना से संबद्ध अस्पतालों में लाभार्थियों को बेहतर इलाज मिलेगा।

● देश में अप्रैल 2022 से 15 साल पुराने वाहनों के पंजीयन नवीनीकरण पर आठ गुना शुल्क देना पड़ेगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने पुराने वाहनों के दोबारा पंजीयन के संबंध में एक अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना के अनुसार यह प्रावधान ऑटोमोबाइल स्क्रैप पॉलिसी का हिस्सा है। इस नीति में 15 साल या इससे अधिक पुरानी बस और ट्रक के फिटनेस सर्टिफिकेट के नवीनीकरण की फीस 1500 रुपये की जगह 12,500 रुपये और मध्यम श्रेणी के मोटर वाहन के लिये यह फीस 10 हजार रुपये होगी। अभी कार का नवीनीकरण शुल्क 600 रुपये दे, जो अब बढ़कर पांच हजार रुपये हो जायेगा।

7 अक्टूबर

अगले साल से होगा नीट एसएस परीक्षा के पैटर्न में बदलाव

● मेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की सुपर स्पेशियलिटी परीक्षा के पैटर्न में इस साल कोई बदलाव नहीं होगा। इस कोर्स का संशोधित पैटर्न अगले साल से ही लागू किया जायेगा। यह जानकारी केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दी है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नीट-एसएस 2021 की परीक्षा इस वर्ष मौजूदा पैटर्न के अनुसार आयोजित की जायेगी। संशोधित पैटर्न शैक्षणिक सत्र 2022-23 से प्रभावी होगा। उल्लेखनीय है कि नीट-एसएस परीक्षा पैटर्न में अंतिम समय में किये गये बदलाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

● केंद्र सरकार देश के विभिन्न हिस्सों में विशेष रूप से अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिये 75 विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई) हब स्थापित करेगी। इससे न केवल वैज्ञानिक प्रतिभा को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यह इन समुदायों के आर्थिक और सामाजिक विकास में भी योगदान देगा। यह जानकारी केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 20 एसटीआई हब स्थापित किये गये हैं। इनमें 13 हब अनुसूचित जाति के लिये और 7 हब अनुसूचित जनजाति के लिये हैं।

8 अक्टूबर

डब्ल्यूएचओ ने मलेरिया की पहली वैक्सीन को दी मंजूरी

● विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मलेरिया के पहले टीके आरटीएस, एस/एएस 01 को मंजूरी प्रदान की है। घाना, केन्या और मलावी में शुरुआती जांच में सफलता के बाद डब्ल्यूएचओ ने कहा कि अफ्रीका और अन्य मलेरिया ग्रस्त इलाकों से टीकाकरण की शुरुआत होगी। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि एक सदी से ज्यादा समय से मलेरिया की वैक्सीन को विकसित करने का काम चल रहा था। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस एडहोनम गेब्रियेसस ने कहा कि घाना, केन्या और मलावी में पायलट प्रोजेक्ट के तहत 20 लाख बच्चों को यह वैक्सीन दी गई। इसके नतीजे बताते हैं कि वैक्सीन सुरक्षित है। डब्ल्यूएचओ ने अफ्रीकी देशों में दो साल तक के बच्चों को वैक्सीन की चार डोज देने की सिफारिश की है।

● केंद्र सरकार ने नई वाहन स्क्रैपिंग नीति के तहत कुछ रियायतों की घोषणा की है। यह नीति अप्रैल 2022 से लागू होगी। नई वाहन स्क्रैपिंग नीति के तहत जो वाहन मालिक अपने वाहन का स्क्रैप सर्टिफिकेट जमा करेंगे, उन्हें नये वाहनों पर मोटर वाहन टैक्स में 15 और 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। नई नीति के तहत परिवहन वाहनों को 15 प्रतिशत और गैर-परिवहन वाहनों को 25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। परिवहन वाहनों के लिये टैक्स में छूट आठ साल तक प्रभावी रहेगी, जबकि गैर परिवहन वाहनों के लिये छूट 15 साल तक प्रभावी रहेगी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

M.B. KHALSA INSTITUTION OF EDUCATION, INDORE
(Accredited by "NAAC", Recognized by NCTE & Affiliated to DAVV)
VACANCIES
Applications are invited for the following posts under college code-28 :
(Professor/Associate Professor/Assistant Professor)
For the following courses :
B.Ed. : (Perspectives in Education, Pedagogy subjects & Performing Arts)
M.Ed. : (Perspectives, Tool & Teacher Education)
Qualification & Experience as per NCTE/UGC Norms.
Apply within Fifteen days with complete bio-data, testimonials and photo to the Principal, M.B. Khalsa Institution of Education, Rajmohalla Square, Indore (M.P.) E-mail : mbkhalsaedu@gmail.com
Ph.0731-4090641 Dr. Meenakshi Parashar (Principal)
R-46052/2021

M.P.ADPO / CJ
उमाकांत सर के मार्गदर्शन में
क्रैश कोर्स प्रारंभ
11 अक्टू. 14 अक्टू. 2021
सिंप्लिफाइड नोट्स एवं 40 मॉडल पेपर
राजधानी एवं छत्तीसगढ़
C.J./ADPO टेस्ट सीरीज उपलब्ध
आकार LAW
220, 2nd फ्लोर वेदा बिजनेस पार्क, भंवरकुआ, इंदौर
9752661106, 8349137485
R-46056/2021

JOIN TARGET BATCH - 2021/22
नर्सिंग (PNST) (CRASH + REGULAR)
NEET/11th/12th
संविदा वर्ग-3 (TET)
CTET < I-V VI-VIII
बालाजी ट्यूटोरियल्स
221 वेदा बिल्डिंग, भंवरकुआ इन्दौर 98930-53653
R-46048/2021

वर्ष 38, अंक 41 11.10.2021 से 17.10.2021
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
● सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
● कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
● प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार बनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

झाबुआ में जनजातीय सम्मेलन

राज्य शासन जनजातीय समाज के विकास उत्थान और उनके मान-सम्मान की रक्षा के लिये कटिबद्ध है। वनवासी अंचलों का तेजी से विस्तार किया जा रहा है और आगे भी किया जाता रहेगा। उपरोक्त बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। श्री चौहान झाबुआ में जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज मैंने तीर-कमान पर चढ़ाया है, जिससे मध्यप्रदेश में विकास परवान चढ़े। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में देश विकास के लिये नई करवट ले रहा है। उन्होंने कहा कि आज मैं दोनों बाहें फैलाकर जनजातीय समाज का आह्वान करता हूं कि वे अपनी जिंदगी बदलें। मध्यप्रदेश की सरकार उनके लिये योजनाओं की बिसात बिछाकर बैठी है। मुख्यमंत्री ने जनजातीय सम्मेलन में 140 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के अनेक विकास के कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस धूमधाम से मनाया जायेगा। इस अवसर पर भोपाल में एक विशाल समागम होगा। इस समागम के लिये उन्होंने समस्त वनवासी समाज को निमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनेक छोटे-छोटे मामलों में जनजातीय समाज को कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़ते हैं, ऐसे मामले जो गंभीर प्रकृति के नहीं हैं, उन्हें वापस लिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने जनजातीय समाज के विकास के लिये हर मुमकिन प्रयास किये हैं और आगे भी किये जाते रहेंगे। झाबुआ अंचल में सिंचाई सुविधा, स्कूल, कॉलेज, आश्रम, छात्रावास और सड़कें इत्यादि मूलभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने ही दूसरे गांव में पढ़ने जाने वाली बेटियों के लिये निःशुल्क साइकिल योजना लागू की, छात्रवृत्ति बढ़ायी और अब इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज की फीस भी सरकार जमा कर रही है। यही नहीं हम वनवासी समाज के बच्चों को विदेश में पढ़ने के अवसर भी उपलब्ध करवा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2011 की सर्वे सूची में जिन गरीबों के नाम नहीं हैं, सर्वे कराकर ऐसे गरीबों के नाम जोड़ने का काम शुरू किया जा रहा है। इस संबंध में जिला प्रशासन को निर्देश दिये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर परिवार को मकान बनाने के लिये सरकार प्लाट आवंटित करेगी, जो व्यक्ति संयुक्त परिवार में निवासरत हैं, उन्हें अलग-अलग परिवार की श्रेणी में लेकर प्लाट के साथ आवास निर्माण के लिये राशि उपलब्ध करायी जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल झाबुआ के ग्रामीण अंचल में 24 हजार आवास बन रहे हैं। आवास बनाने का यह सिलसिला निरंतर जारी रहेगा। श्री चौहान ने कहा कि वनवासी अंचल की संस्कृति आनंद की संस्कृति है। उन्होंने कहा कि हर साल झाबुआ उत्सव मनाया जायेगा। इसमें स्थानीय कलाकारों को अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने गरीबों की राशन पर्ची को बनाने के संबंध में भी झाबुआ कलेक्टर को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिन गरीबों के नाम पात्रता पर्ची में छूट गये हैं, उनके नाम जोड़े जायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब दूर-दराज के गांव में राशन आपके द्वारा योजना लागू की जायेगी। गांवों में गाड़ियों में राशन भरकर घर-घर भेजा जायेगा। राशन-परिवहन के लिये क्षेत्र के युवाओं की गाड़ी लगायी जायेगी। इन युवाओं को गाड़ी के लिये बैंक से ऋण उपलब्ध कराया जायेगा। राशन वितरण के लिये प्रत्येक युवक को 26 हजार रुपये प्रति माह दिये जायेंगे।

वजन काबू में रखने के लिये नया फार्मूला

आजकल लोग अपनी सेहत को लेकर बहुत फिक्रमंद रहते हैं। अच्छी सेहत के लिये जरूरी है वजन का नियंत्रित होना। वजन नियंत्रण में रहे इसके लिये एक नया फार्मूला मददगार हो सकता है। मनुष्य को प्रति दिन कितनी शारीरिक कसरत की जरूरत होती है और उसके मुताबिक उसकी शारीरिक क्षमता है भी नहीं, यह बात भी मायने रखती है। इससे जुड़ा एक नया फार्मूला वजन कम करने में सहायक हो सकता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक घंटों पसीना बहाने की बजाय पी.ए.आई. पर फोकस करके वजन पर काबू पाना एक प्रभावी तरीका हो सकता है। एक सप्ताह में 100 पी.ए.आई. (व्यक्तिगत गतिविधि इंटेलिजेंस) के बराबर शारीरिक गतिविधि बढ़ते वजन पर काबू पाने में मदद कर सकती है। सप्ताह में 100 पी.ए.आई. को आदर्श लक्ष्य माना जाता है। पी.ए.आई. दरअसल पर्सनल एक्टीविटी इंटीलिजेंस है। यह ट्रैक करता है कि आप पूरे एक हफ्ते शारीरिक रूप से कितने सक्रिय हैं। ऐसे लगभग किसी भी उपकरण से पी.ए.आई. को मापा जा सकता है, जो हृदयगति को मापता है। पी.ए.आई. उन सभी शारीरिक गतिविधियों को मापता है, जिनके कारण हृदयगति एक निश्चित स्तर से ऊपर बढ़ जाती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, हृदयगति जितनी अधिक होगी, उतना ही अधिक पी.ए.आई. अंक अर्जित होंगे। पी.ए.आई. एल्गोरिद्म किसी भी व्यक्तिगत प्रोफाइल और अवधि के दौरान हृदयगति में भिन्नता के आधार पर साप्ताहिक स्कोर की गणना करता है। हेल्प एप के जरिये पी.ए.आई. स्कोर को आसानी से मापा जा सकता है। जो आईओएस और एंड्रॉयड दोनों पर मुफ्त उपलब्ध है। अध्ययन में नॉर्वे में एक जनसंख्या स्वास्थ्य अध्ययन से डाटा लिया गया है। यह अध्ययन दुनिया के सबसे बड़े और लम्बे स्वास्थ्य सर्वे में से एक है। 1984 से शुरू हुये अध्ययन में 85,000 प्रतिभागियों का वजन मापा गया और 2008 तक तीन बार उनकी शारीरिक गतिविधि के स्तर की जांच हुई।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व डाक दिवस 9 अक्टूबर

नये संचार माध्यमों के रूप में आज भी मौजूद हैं डाक सेवाएं

डाक यानी चिट्ठी अथवा संदेश के आदान-प्रदान की एक लम्बी परम्परा और इतिहास रहा है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस युग में भी फेसबुक, वाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, मैसेंजर और ई-मेल की शक्ल में डाक सेवाओं की मौजूदगी आज भी संचार के शाश्वत माध्यम के रूप में बरकरार है। जलप्रवाह में तैरते फूलों में रखकर खत भेजने और फिर कबूतरों या बाज के पैरों में बांधकर खत भेजने और अंततः ऊंट या घोड़े पर सवार डाकिये और साइकिल पर डाक बांटते पोस्टमैन तक डाक सेवा ने सदियों तक फैला लम्बा सफर तय किया है। इसी सदियों में फैले डाक सेवा के गौरवशाली इतिहास के पुनर्स्मरण के लिये विश्व के लगभग सभी देशों में 'विश्व डाक दिवस' मनाया जाता है। स्विट्जरलैंड में वर्ष 1874 में 9 अक्टूबर को वैश्विक डाक संघ (यूनीवर्सल पोस्टल यूनियन) की स्थापना दिवस अर्थात 9 अक्टूबर को, 'विश्व डाक सेवा दिवस' मनाया जाता है।

वैश्विक डाक संघ की स्थापना से संचार क्रांति की शुरुआत हुई थी

स्विट्जरलैंड में वर्ष 1874 में 9 अक्टूबर को वैश्विक डाक संघ (यूनीवर्सल पोस्टल यूनियन) की स्थापना को संचार क्रांति की शुरुआत माना जाता है। यूपीयू का गठन स्विट्जरलैंड के बर्न शहर में बाईस देशों द्वारा एक संधिपत्र पर हस्ताक्षर के साथ हुआ था। वैश्विक डाक संघ के स्थापना दिवस वाले दिन अर्थात 9 अक्टूबर को समूचे विश्व में 'विश्व डाक दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस के आयोजन का निर्णय संघ ने वर्ष 1969 में जापान की राजधानी टोक्यो में लिया था। इसे एक सुयोग ही कहा जायेगा कि इस दिवस के आयोजन का प्रस्ताव भारतीय प्रतिनिधि मण्डल के सदस्य आनंद मोहन नरूला ने रखा था। वैश्विक डाक संघ का एक और महत्वपूर्ण उपक्रम है 'डाक संचालन परिषद' जिसको अंग्रेजी में पोस्टल ऑपरेशन्स काउंसिल कहते हैं यह वैश्विक डाक संघ का तकनीकी और संचालन सम्बन्धी निकाय है। इस परिषद के सदस्य राष्ट्रों की संख्या लगभग चालीस है, जिसमें भारत भी शामिल है। परिषद के सभी सदस्य राष्ट्र परस्पर डाक व्यापार के संचालन और आर्थिक एवं व्यावसायिक मामलों में विमर्श करते हैं।

भारत में 150 साल से ज्यादा समय से सेवारत हैं डाक सेवाएं

भारत में डाक सेवाओं का आरम्भ वर्ष 1766 में हुआ था और आठ साल बाद तत्कालीन वायसराय वारेन हेस्टिंग ने वर्ष 1774 में कलकत्ता में पहले डाकघर का शुभारम्भ किया था। भारत में पहली बार चिट्ठी पर डाक टिकट लगाने की शुरुआत ईस्वी सन् 1852 में हुई थी और महारानी विक्टोरिया के चित्र वाला विशेष डाक टिकट 1 अक्टूबर, 1854 को जारी किया गया था। आरम्भ में इसे पृथक से विभाग का दर्जा प्राप्त नहीं था। भारत में एक विभाग के रूप में 'भारतीय डाक विभाग' की स्थापना 1 अक्टूबर, 1854 को हुई थी। आजादी के समय देशभर में 23,344 डाक घर थे। इनमें से 19,184 ग्रामीण क्षेत्रों में और 4,160 शहरी क्षेत्रों में थे। मार्च, 2008 तक भारत में 1,55,035 डाक घर थे। इनमें से 1,39,173 डाक घर ग्रामीण क्षेत्रों और 15,862 शहरी क्षेत्रों में थे। इस तरह भारत विश्व का सबसे बड़ा पोस्टल नेटवर्क बन गया है। पोस्टल नेटवर्क के विस्तार में खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में डाक घरों को शुरू करने का योगदान रहा है। एक आंकड़े के मुताबिक, देश में एक डाक घर लगभग 21.83 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में अपनी सेवा प्रदान करता है। पोस्टल नेटवर्क में चार श्रेणी के डाक घर हैं- प्रधान डाक घर, उप डाक घर, अतिरिक्त विभागीय उप डाक घर और अतिरिक्त विभागीय शाखा डाक घर। सभी डाक घर एक जैसी पोस्टल सेवाएं प्रदान करते हैं, बस डिलिवरी का काम विशिष्ट डाक घरों के जिम्मे रहता है।

कोरोना वॉरियर्स की भूमिका में सतत् सक्रिय रहे डाककर्मी

डाक विभाग नवीनतम टेक्नोलॉजी के साथ जहां कस्टमर फ्रेण्डली सेवाएं लागू कर रहा है, वहीं कोरोना वैश्विक महामारी के दौर में डाककर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालते हुए कोरोना वॉरियर्स के रूप में अहम भूमिका निभाई। दवाओं, मास्क, पीपीई किट्स, वेंटिलेटर से लेकर कोरोना टेस्टिंग किट्स तक जरूरतमंदों और अस्पतालों तक पहुंचाया, वहीं शहर से लेकर गांव तक लोगों को उनके दरवाजे पर ही बैंक खातों से नकदी निकालकर देने का अभूतपूर्व कार्य किया। अब डाकिए के हाथ में स्मार्ट फोन है और बैग में एक डिजिटल डिवाइस भी है।

डाक विभाग ने उन लोगों की अस्थियां भी हिन्दू रीति-रिवाज के तहत उनके धार्मिक स्थलों पर प्रवाहित करने का काम किया, जो कि कोरोना काल में मृत्यु को प्राप्त हो गए थे। जिनके परिजन कोरोना काल के नियमों के कारण धार्मिक स्थलों पर जा कर अपनों की अस्थियों को प्रवाहित नहीं कर सके। डाक विभाग के माध्यम से मृतक की आत्मा की शांति के लिए उनकी अस्थियों को उनके परिजन द्वारा सुझाए गए तीर्थ तक विसर्जन के लिए भिजवाया। डाक विभाग ने इसके लिए केवल रजिस्ट्री का खर्च लिया, अन्य किसी प्रकार का कोई खर्च नहीं। पूरे रीति-रिवाज विधि विधान से इन अस्थियों का विसर्जन विभाग ने करवाया।

भारत में डाक सेवाएं, डाकघर से ई-पोस्ट और स्पीड पोस्ट तक

ब्रिटिश इंडिया के तत्कालीन वायसराय जनरल वारेन हेस्टिंग ने कलकत्ता में पहला डाकघर वर्ष 1774 में स्थापित किया था। कलकत्ता के बाद दो महानगरों मद्रास में वर्ष 1786 और बम्बई में वर्ष 1794 में डाक घर की स्थापना की गई थी। डायरेक्टर जनरल पोस्ट के संयुक्त नियंत्रण में 1 अक्टूबर 1854 को डाक विभाग का विधिवत गठन किया गया। वर्ष 1863 में रेल डाक सेवा (रेलवेमेल सर्विस-आर.एम.एस.) आरम्भ की गई और वर्ष 1873 में पहली बार नक्काशीदार लिफाफों की बिक्री की गई। वर्ष 1876 में डाक विभाग यूनीवर्सल पार्सल पोस्टल यूनियन में शामिल हुआ। धनादेश यानी मनी ऑर्डर (एम.ओ.) सेवा वर्ष 1880 में आरम्भ हुई थी। हवाई मार्ग से डाक भेजने की 'एअर मेल' सेवा वर्ष 1911 में आरम्भ हुई और पहला एअर-मेल इलाहाबाद से नैनी भेजा गया था। पोस्टल ऑर्डर सेवा का आरम्भ वर्ष 1935 में हुआ था। डाक त्वरित, सुगम और सही पते पर पहुंचे इसके लिये डाकघर को पोस्टल इंडेक्स नम्बर व्यवस्था से वर्ष 1972 में 15 अगस्त से जोड़ा गया। इस इंडेक्स नम्बर को पिन कोड कहा गया। छह अंकों के इस कोड में पहला अंक पोस्टल जोन का, दूसरा अंक पोस्टल डिवीजन और तीसरा अंक पोस्टल डिस्ट्रिक्ट और शेष तीन अंक पोस्ट ऑफिस को दर्शाते हैं। शुरुआत में डाक विभाग को डाक-तार विभाग कहा जाता था। वर्ष 1985 में विभाग दो हिस्सों डाक विभाग और तार विभाग में बंट गया और टेलीग्राफ (यानी तार) सेवा के बंद हो जाने के बाद टेलीग्राफ विभाग का टेलीकॉम और अंततः भारत संचार निगम लिमिटेड (बी.एस.एन.एल.) में विलय हो गया। वर्ष 1986 में निजी कूरियर सेवाओं के मुकाबले डाक विभाग ने अपेक्षाकृत ज्यादा विश्वसनीय 'स्पीड पोस्ट' सेवा आरम्भ की।

बदलती प्रौद्योगिकी से डाक सेवाएं पोस्टल पेमेंट बैंक तक पहुंचीं

बदलती प्रौद्योगिकी से हमकदम होते हुए भारतीय डाक विभाग ने वर्ष 1990 में मुम्बई और चेन्नई में स्वचालित डाक प्रसंस्करण केंद्र भी आरम्भ किये। वर्ष 1995 में ग्रामीण डाक जीवन बीमा सेवा आरम्भ की गई और अगले साल वर्ष 1996 में मीडिया डाक सेवा और वर्ष 1997 में बिजनेस डाक सेवा आरम्भ की गई थी। उपग्रह के माध्यम से संचार सुविधा के विस्तार के साथ ही वर्ष 1998 में उपग्रह डाक सेवा आरम्भ की गई और वर्ष 1999 में डाटा डाक व एक्सप्रेस डाक सेवा शुरू हुई। वर्ष 2000 में ग्रीटिंग पोस्ट सेवा की शुरुआत की गई और धन के भुगतान की आधुनिकतम प्रणाली 'इलेक्ट्रॉनिक फण्ड ट्रांसफर' वर्ष 2001 में आरम्भ की गई। इंटरनेट पर आधारित ट्रैक एवं टैक्स सेवा का आरम्भ 3 जनवरी 2002 को हुआ और 15 सितम्बर 2003 को बिल मेल पोस्ट की सेवा आरम्भ की गई। हाथ की लिखी गई चिट्ठी के प्रेषण के पारम्परिक दायित्व के स्थान पर 30 जनवरी 2004 को कम्प्यूटर आधारित ई-पोस्ट सेवा का आरम्भ डाक इतिहास का एक बड़ा और क्रांतिकारी कदम था। अब भारतीय डाक विभाग ने बैंकिंग के क्षेत्र में कदम रखते हुए इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक आरम्भ किया है, जिसके जरिए उन ग्रामीण क्षेत्रों को बैंकिंग से जोड़ने की कोशिश की गई है, जहां बैंक नहीं हैं। इंडिया पोस्ट बैंक में शहरी पोस्ट ऑफिसों में भी खाता खुलवाया जा सकता है। एक चीज जो इसे दूसरों से अलग बनाती है वह है कि पोस्ट ऑफिस के पास तीन लाख से ज्यादा डाकिये और डाक सेवक हैं वे मोबाइल और बायोमीट्रिक उपकरण लेकर लोगों को घर पर बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाते हैं। अगर किसी को कैश चाहिए तो पोस्ट ऑफिस या एटीएम जाने की बजाय कैश खुद उनके घर तक आएगा। इंडियन पोस्ट पेमेंट्स बैंक में मोबाइल बैंकिंग, एसएमएस बैंकिंग, मिस्ड कॉल बैंकिंग, फोन बैंकिंग और क्यूआर कार्ड से बैंकिंग की सुविधाएं मिलती हैं।

भारतीय डाक विभाग प्रतिवर्ष मनाता है डाक सप्ताह

भारतीय डाक विभाग प्रतिवर्ष 9 से 14 अक्टूबर तक डाक सप्ताह का आयोजन भी करता है। विभाग 9 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस पर विभाग के अवदान की मीमांसा करता है। डाकघर की बचत बैंक की उपलब्धियों पर 10 अक्टूबर को चर्चा होती है। ग्यारह अक्टूबर को पत्र दिवस (मेल दिवस), बारह अक्टूबर को डाक टिकट संग्रह दिवस, तेरह अक्टूबर को व्यापार और ग्राहक दिवस और चौदह अक्टूबर को डाक बीमा दिवस मनाया जाता है। बचत योजनाओं, डाक व पार्सल सेवाओं और विभाग की अन्य सेवाओं के प्रति जनसामान्य के जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए यह एक अत्यंत सार्थक आयोजन होता है।

राजा दुबे

(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड मुरैना (म.प्र.)

दूरभाष क्रमांक : 07532-233393

क्रमांक 5094/तक/का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड/मुरैना/2021 दिनांक : 29.09.2021

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग के नवीन केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग के एपेन्डिक्स 2.10 में प्रतिशत दर पर ई-ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं विस्तृत विवरण **www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

कार्य का नाम :- मुरैना जिले के विभिन्न विकासखण्डों विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत रेट्रोफिटिंग एवं नवीन की नलजल योजनाओं में टंकी निर्माण, पाइप लाइन, बिछाने, जोड़ने एवं घरेलू नल कनेक्शन इत्यादि सामग्री सहित सम्पूर्ण कार्य।

क्र.	निविदा क्रमांक	ई-निविदा सिस्टम क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1.	86/ 2021-22	2021_ PHED_ 162025_1	मुरैना जिले के विकासखण्ड पोरसा के ग्राम रैयपुरा, परदू का पुरा, गिदौली एवं करसंडा की जल जीवन मिशन के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग नलजल योजना में सामग्री सहित पाइप लाइन बिछाने जोड़ने, नल कनेक्शन आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी, सम्पवेल एवं सबमर्सिवल मोटरपम्प डालने का कार्य।	324.36	324360/-	15000/- + पोर्टल चार्ज
2.	87/ 2021-22	2021_ PHED_ 162026_1	मुरैना जिले के विकासखण्ड पोरसा के ग्राम खडिया पोरसा रामपुर एवं बसेरपुर जल जीवन मिशन के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग एवं नवीन नलजल योजना में सामग्री सहित पाइप लाइन बिछाने जोड़ने, नल कनेक्शन आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी, सम्पवेल एवं सबमर्सिवल मोटरपम्प डालने का कार्य।	457.24	457240/-	15000/- + पोर्टल चार्ज
3.	88/ 2021-22	2021_ PHED_ 162027_1	मुरैना जिले के विकासखण्ड पोरसा के ग्राम सैथरा अहिर एवं पृथ्वी पुरा की जल जीवन मिशन के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग एवं नवीन नलजल योजना में सामग्री सहित पाइप लाइन बिछाने जोड़ने, नल कनेक्शन आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी, सम्पवेल एवं सबमर्सिवल मोटरपम्प डालने का कार्य।	201.55	201550/-	15000/- + पोर्टल चार्ज
4.	89/ 2021-22	2021_ PHED_ 162029_1	मुरैना जिले के विकासखण्ड जौरा के ग्राम विजयगढ़, लुधावली, अंधनपुर एवं हिंगोटिया की जल जीवन मिशन के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग एवं नवीन नलजल योजना में सामग्री सहित पाइप लाइन बिछाने जोड़ने, नल कनेक्शन आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी, सम्पवेल एवं सबमर्सिवल मोटरपम्प डालने का कार्य।	439.20	439200/-	15000/- + पार्टल चार्ज

ई-निविदाएं ऑनलाइन डाउनलोड/सेल स्टार्ट तिथि - 29.09.2021
ई-निविदाएं ऑनलाइन डाउनलोड/सेल ऐंड तिथि - **12.10.2021**
ई-निविदाएं ऑनलाइन बिड सम्मिसन स्टार्ट तिथि - 29.09.2021
ई-निविदाएं ऑनलाइन बिड सम्मिसन ऐंड तिथि - 12.10.2021

कार्यपालन यंत्री
जी-17709/46022/2021 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड मुरैना (म.प्र.)

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
रेस्ट हाउस कैम्पस पन्ना (म.प्र.)

ई-मेल - dpepiupanna@gmail.com, मो.नं. - 9669525381

एनआईटी नं. 29/2021/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/एपीडी/पीआईयू/1847 रीवा, दिनांक : 27.09.2021

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. संभागीय परियोजना यंत्री लो.नि.वि. (पीआईयू) पन्ना के छूटे हुये निर्माण कार्य एवं परफारमेन्स गारंटी अंतर्गत भवनों के मरम्मत कार्य हेतु जोनल निविदा (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर आई.डी.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एम.ओ.यू. निष्पादित
2021_ PWPIU_ 162046_1	पन्ना	50.00	50000/-	10000/-	12 माह (वर्षाकाल सहित)	—

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. जिला पन्ना में डीपीआर बनाने, सर्वे, अनुसंधान तथा कार्यकारी संरचनात्मक डिजाइन कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2021_ PWPIU_ 162075_1	पन्ना	25.00	50000/-	5000/-	12 माह (वर्षाकाल सहित)	—

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. मोहन्द्रा जिला पन्ना आईटीआई में 03 ट्रेड भवन का निर्माण (द्वितीय आमंत्रण)

2021_ PWPIU_ 162163_1	पन्ना	243.97	243970/-	15000/-	18 माह (वर्षाकाल सहित)	भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 30.09.2021 समय 9.00 AM से **दिनांक 15.10.2021** समय 6.00 PM तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
जी-17707/46023/2021 लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू., पन्ना

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मण्डला (म.प्र.)

दूरभाष - 07642-252443, ईमेल - eephedmal@mp.nic.in, फैक्स - 07642-253622

निविदा क्र. 118 से 135/2021-22/नि.शाखा/लो.स्वा.यां./2021 मण्डला, दिनांक 29.09.2021

निविदा आमंत्रण

निम्नानुसार कार्य हेतु ऑनलाइन वेबसाइट **http://mptenders.gov.in/nicgep/app** पर निविदा आमंत्रित किये जाते हैं। ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत किये जाने की अंतिम तिथि 18.10.2021 सायं 17.30 बजे तथा निविदा खुलने का दिनांक 21.10.2021 दोपहर 12.00 बजे के पश्चात् है। निविदा से संबंधित कोई भी संशोधन ई-टेण्डरिंग पोर्टल पर प्रदर्शित है। विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट **http://mptenders.gov.in/nicgep/app** पर देखा जा सकता है।

Name of Work :- Drilling of 200/150/125 mm Dia 120 mtr & 150/125/115 mm Dia 120 mtr Deep Telescopic Tubewell for Creation of Source in Drinking Water Supply in School and Anganwadi Under jal Jeevan Mission in Different Villages of Diffirent Block of Mandla Division. (Nos. of Tube wells 50)

S. N.	NIT No.	Tender ID No.	Name of Block	No.of Tube well	Probable Amount	EMD	Tender Doc. Fee	Time
1.	118/21-22	2021_PHED_161432_1	Mandla	50	58.60	58600	10000	
2.	119/21-22	2021_PHED_161436_1	Mohgaon	50	58.60	58600	10000	
3.	120/21-22	2021_PHED_161440_1	Mawai	50	58.60	58600	10000	04
4.	121/21-22	2021_PHED_161443_1	Ghughri	50	58.60	58600	10000	Month
5.	122/21-22	2021_PHED_161449_1	Nainpur	50	58.60	58600	10000	E/R
6.	123/21-22	2021_PHED_161455_1	Bichhiya	50	58.60	58600	10000	
7.	124/21-22	2021_PHED_161461_1	Narayanganj	50	58.60	58600	10000	
8.	125/21-22	2021_PHED_161463_1	Bijadandi	50	58.60	58600	10000	
9.	126/21-22	2021_PHED_161468_1	Niwas	50	58.60	58600	10000	

Name of Work :- Drilling of 150/125/115 mm Dia 120 mtr Deep Telescopic Tubewell for Creation of Source in Drinking Water Supply in School and Anganwadi Under Jal Jeevan Mission in Different Villages of Diffirent Block of Mandla Division.

S. N.	NIT No.	Tender ID No.	Name of Block	No. of Tube well	PAC	EMD	Tender Doc. Fee	Time
1.	127/21-22	2021_PHED_161538_1	Mandla	50	35.35	50000	5000	
2.	128/21-22	2021_PHED_161546_1	Mohgaon	50	35.35	50000	5000	
3.	129/21-22	2021_PHED_161548_1	Mawai	100	70.69	70690	10000	04
4.	130/21-22	2021_PHED_161549_1	Ghughri	70	49.49	50000	5000	Month
5.	131/21-22	2021_PHED_161550_1	Nainpur	25	17.67	35400	2000	E/R
6.	132/21-22	2021_PHED_161551_1	Bichhiya	25	17.67	35400	2000	
7.	133/21-22	2021_PHED_161554_1	Narayanganj	25	17.67	35400	2000	
8.	134/21-22	2021_PHED_161555_1	Bijadandi	50	35.35	50000	5000	
9.	135/21-22	2021_PHED_161557_1	Niwas	25	17.67	35400	2000	

नोट :- निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाइट पर कैश कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान पर क्रय किया जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री
जी-17736/46028/2021 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, मण्डला (म.प्र.)

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
ग्वालियर परिक्षेत्र, ग्वालियर

ई-मेल : sepheprocgwl@gmail.com
दूरभाष क्रमांक : 0751-2365438, 4031502
(पानी की टंकी के नीचे, मुरार, ग्वालियर)

क्रमांक 4649/नि.प्र./मु.अ./लो.स्वा.यां./20-21 ग्वालियर, दिनांक : 29.09.2021

निम्न कार्यों हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 29.09.2021 से **दिनांक 16.10.2021 सायं 5.30 बजे** तक क्रय तथा दिनांक 29.09.2021 से दिनांक 16.10.2021 सायं 5.30 बजे तक ऑनलाइन प्रस्तुत किये जा सकते हैं। बिड खोलने का दिनांक 18.10.2021 है। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र. एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण :- 1. विकासखण्ड कराहल जिला श्योपुर के ग्राम कराहल की रेट्रोफिटिंग नल जल प्रदाय योजना अंतर्गत 125, 125 एवं 500 कि.ली. 12, 12 एवं 15 मी. स्टेजिंग आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी एवं 30 तथा 125 कि.ली. आर.सी.सी. सम्पवेल कम पंप हाउस, पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन सहित अन्य विभिन्न सहायक कार्य।

नि.आ.सू. क्र./वि.	टेण्डर आई.डी.	जिला	अनु. लागत (PAC) (रु. लाख में)	धरोहर राशि (EMD) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	आमंत्रण की संख्या	कार्य पूर्ण करने की अवधि
22/ 28.09.21	2021_PHED_ 161747_1	श्योपुर	689.35 लाख	रु. 6,89,350/-	रु. 20,000/-	प्रथम	09 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण :- 2. विकासखण्ड खुरई जिला सागर के ग्राम खिमलासा की रेट्रोफिटिंग नल जल प्रदाय योजना अंतर्गत 625 कि.ली. 12 मी. स्टेजिंग आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी, 150 कि.ली. आर.सी.सी. सम्पवेल कम पंप हाउस एवं 1.20 एमएलडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, आर.सी.सी. एनीकट, इंटेक वैल कम पंप हाउस, पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन सहित अन्य विभिन्न सहायक कार्य।

23/ 28.09.21	2021_PHED_ 161748_1	खुरई जिला सागर	704.28 लाख	रु. 7,04,280/-	रु. 20,000/-	प्रथम	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण :- 3. बुन्देलखण्ड पैकेज भाग-2 अंतर्गत विकासखण्ड बीना जिला सागर के ग्राम मंडी बामोरा की रेट्रोफिटिंग नल जल प्रदाय योजना अंतर्गत 500 कि.ली. 15 मी. स्टेजिंग आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी एवं 120 कि.ली., आर.सी.सी. सम्पवेल कम पंप हाउस एवं 1.20 एमएलडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, इंटेक वैल कम पंप हाउस, पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन सहित अन्य विभिन्न सहायक कार्य।

24/ 28.09.21	2021_PHED_ 161749_1	खुरई जिला सागर	562.42 लाख	रु. 5,62,420/-	रु. 20,000/-	प्रथम	12 माह वर्षाकाल सहित

अधीक्षण यंत्री (प्रोक्योरमेंट)
कार्यालय मुख्य अभियंता
जी-17734/46026/2021 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ग्वालियर परिक्षेत्र, ग्वालियर

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

PHONE No. 07162-243214, E-Mail : pwdpiu12cwa@gmail.com

एनआईटी नं. - 25/2021/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/पी.आई.यू./व.ले.लि. छिन्दवाड़ा, दिनांक : 29.09.2021

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. ग्राम कुद्दम, तहसील सौंसर, जिला छिन्दवाड़ा के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर सिट्रस शास. संजय निकुंज कुड्डम का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमा. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड भौतिक रूप से प्राप्त की जावेगी।	90 प्रतिशत अविवादित एम.ओ.यू. निष्पादित एवं भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
2021_PWPIU_162100_1	छिन्दवाड़ा	324.72	324720/-	15000/-	14 माह वर्षाऋतु सहित	अतिरिक्त परियोजना संचालक, लो.नि.वि. पी.आई.यू. जबलपुर	एम.ओ.यू. निष्पादित एवं भूमि प्राप्त

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. तहसील चौरई, जिला छिन्दवाड़ा में शास. महाविद्यालय 50 सीटेड (आर्ट+कामर्स) भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2021_PWPIU_162182_1	छिन्दवाड़ा	520.82	520820/-	20000/-	15 माह वर्षाऋतु सहित	अतिरिक्त परियोजना संचालक, लो.नि.वि. पी.आई.यू. जबलपुर	एम.ओ.यू. निष्पादित एवं भूमि प्राप्त

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. अमरवाड़ा, जिला छिन्दवाड़ा में 6 ट्रेड भवन, 60 सीटर बालक एवं बालिका छात्रावास, 01 एफ, 02 एच, 04 आई टाईप आवासगृह का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2021_PWPIU_162183_1	छिन्दवाड़ा	840.42	840420/-	20000/-	18 माह वर्षाऋतु सहित	अतिरिक्त परियोजना संचालक लो.नि.वि. पी.आई.यू. जबलपुर	एम.ओ.यू. निष्पादित एवं भूमि प्राप्त
योग		**1685.96**					

1. निविदा से संबंधित बिड डाक्यूमेंट वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 01.10.2021 समय 09.00 से **दिनांक 15.10.2021 समय 18.00 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
जी-17731/46025/2021 **लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू., छिन्दवाड़ा**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
कार्यालय कार्यपालन यंत्री, संभाग-जबलपुर

माधवराव सप्रे मार्ग (मुख्य मार्ग क्रमांक-03)
भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आ.सू.क्र.-02/2021-22/65 **भोपाल, दिनांक : 04.10.2021**

निविदा आमंत्रण अल्प सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संभाग-जबलपुर की ओर से निम्नलिखित जिलों के विभिन्न विकासखण्डों में उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों का सी.एच.ओ. आवास सहित निर्माण कार्यों हेतु निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से 02 लिफाफा एवं 03 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र "अ" फार्म में परसेंटेज बेसिस दरों पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	निविदा क्रमांक	जिला का नाम	विकासखण्ड का नाम	उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों की संख्या	अनु. लागत राशि रु. लाख में
1.	2021_DHS_162622	नरसिंहपुर	बाबई चिचली चावरपाठा करेली	14	95.94
2.	2021_DHS_162623	सिवनी	केवलारी	11	90.10
3.	2021_DHS_162624	जबलपुर	कुण्डम एवं शहपुरा	13	99.94
4.	2021_DHS_162625	डिण्डोरी	समनापुर, शहपुरा, मेहदवानी, अमरपुरकरंजिया	07	55.96
5.	2021_DHS_162626	कटनी	मुडवारा, विजयराघौगढ़ रीठी	12	93.28
6.	2021_DHS_162627	बालाघाट	परसवाड़ा	14	96.63
7.	2021_DHS_162628	बालाघाट	किरनापुर लांजी	12	72.53
8.	2021_DHS_162629	मण्डला	बीजाडांडी नारायणगंज एवं निवास	07	49.19
9.	2021_DHS_162630	छिन्दवाड़ा	बिछुआ हरई पाढुर्णा जुन्नारदेव एवं तामिया	16	116.22
10.	2021_DHS_162634	नरसिंहपुर	गोटेगांव नरसिंहपुर एवं करेली	16	113.94
11.	2021_DHS_162635	सिवनी	बरघाट एवं कुरई	14	111.78
12.	2021_DHS_162636	सिवनी	घंसौर एवं लखनादौन	20	163.58
13.	2021_DHS_162637	सिवनी	सिवनी एवं छापरा	15	115.06
14.	2021_DHS_162638	जबलपुर	पनागर मंझौली सीहोरा एवं पाटन	21	176.61
15.	2021_DHS_162639	कटनी	ढीमरखेड़ा मुडवारा बड़वारा एवं बहोरीबंद	20	175.19
16.	2021_DHS_162640	बालाघाट	बालाघाट एवं वारासिवनी	20	140.72
17.	2021_DHS_162641	बालाघाट	बैहर एवं बिरसा	14	100.03
18.	2021_DHS_162642	बालाघाट	खैरलांजी कटंगी एवं लालबर्रा	21	169.21
19.	2021_DHS_162644	मण्डला	बम्हनी	23	174.73
20.	2021_DHS_162645	मण्डला	बिछिया	17	133.57
21.	2021_DHS_162646	मण्डला	घुघरी एवं मवई	14	111.82
22.	2021_DHS_162647	मण्डला	नैनपुर	14	114.20

उक्त निविदा प्रपत्र **दिनांक 08.10.2021 प्रातः 10.30 से 22.10.2021 समय 17.30 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री
जी-17951/46050/2021 **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, संभाग-जबलपुर**

शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, सीहोर (म.प्र.)

(डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर योजनांतर्गत संचालित)

अनुसूचित जाति वर्ग की छात्राओं हेतु निःशुल्क प्रवेश का अंतिम अवसर
संस्था स्तर की काउंसलिंग द्वारा (CLC)

संचालित त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं पात्रता

मार्डन ऑफिस मैनेजमेंट (M.O.M.) किसी भी विषय में कक्षा 12वीं उत्तीर्ण

कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग (C.S.E.) कक्षा 10वीं गणित एवं विज्ञान के साथ उत्तीर्ण

उपलब्ध विशेष सुविधाएं :-

1. छात्राओं को निःशुल्क छात्रावास एवं भोजन।
2. प्रति छात्रा प्रति सेमेस्टर रु. 2000/- की स्टेशनरी एवं पुस्तकें निःशुल्क।
3. राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल की परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति।
4. प्रत्येक छात्रा को जिसकी उपस्थिति कक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक होगी उन्हें रु. 1000/- प्रतिमाह छात्रवृत्ति/प्रोत्साहन राशि प्राप्त होगी।

प्रवेश प्रक्रिया :-

dte.mponline.gov.in पर डॉ. बाबा साहाब अम्बेडकर योजनांतर्गत डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतर्गत निम्न तालिका अनुसार रजिस्ट्रेशन कराना है एवं तत्पश्चात् संस्था में प्रवेश हेतु उपस्थित होना है।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की तिथि	संस्था में प्रवेश हेतु सभी आवश्यक मूल प्रमाण पत्र एवं अभिभावक के साथ उपस्थित होने की तिथि
दिनांक 04.10.2021 से 07.10.2021 तक	दिनांक 09 अक्टूबर 2021
दिनांक 11.10.2021 से 14.10.2021 तक	दिनांक 16 अक्टूबर 2021

विशेष नोट :- योजनांतर्गत पूर्व निर्धारित आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए संस्था में आरक्षित श्रेणी की छात्राओं के प्रवेश न होने पर क्रमशः अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/सामान्य श्रेणी की छात्राओं को प्राथमिकता क्रम में प्रवेश दिया जावेगा। ऐसी छात्राओं को ऊपर उल्लेखित विशेष सुविधायें उपलब्ध नहीं होंगी परन्तु उन्हें शासन द्वारा निर्धारित अन्य समस्त छात्रवृत्तियों का लाभ नियमानुसार प्राप्त होगा। उन्हें शिक्षण शुल्क के रूप में रु. 10,000/- प्रति वर्ष (दो सामान्य किश्तों में) एवं रु. 270/- अन्य शुल्क के रूप में देय होगा।

प्रवेश हेतु सम्पर्क मोबाइल नंबर :-

(1) 9827046409 (2) 9826944591 (3) 9425511223 (4) 9993211836

प्राचार्य
जी-17721/46024/2021 **शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, सीहोर**

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. मण्डला (म.प्र.)

NIT NO. 25/2021/Centralized Tender/G/APD JABALPUR, DATED : 29.09.2021

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से द्वितीय आमंत्रण की जाती है :-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. जिला मण्डला में उच्च शिक्षा विभागान्तर्गत शासकीय महाविद्यालय मवई में भवन निर्माण कार्य विद्युतीयकरण सहित (द्वितीय आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	ठेके की अनुमानित लागत पी.ए.सी. लाख में	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय वर्षाकाल सहित	कार्यालय का नाम जहां ई.एम.डी. एवं बिड प्राप्त की जावेगी।	निविदा की श्रेणी/ निविदा काल	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
2021_PWPIU_162338	378.07	378070/-	15000/-	18 माह वर्षाकाल सहित	अतिरिक्त परियोजना संचालक, लो.नि.वि. पी.आई.यू. परिक्षेत्र-जबलपुर	लो.नि.वि. में नवीन श्रेणी का पंजीकरण (द्वितीय आमंत्रण)	–

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किए जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 01.10.2021 समय 9.00 बजे से **दिनांक 15.10.2021** समय 18.00 बजे तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किए जाएंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
जी-17735/46027/2021 **लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. मण्डला (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय, खण्ड शिवपुरी, म.प्र.

दूरभाष क्रमांक : 07492-223269

नि.आ.सू. क्रमांक 12-14/2021-22/लोस्वायांवि/खण्ड शिवपुरी दिनांक : 28.09.2021

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से म.प्र. लोक निर्माण विभाग में नवीन केन्द्रीयकृत प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण के अपेण्डिक्स 2.10 में प्रतिशत दर पर ई-निविदायें On-line आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम - शिवपुरी जिले की निम्नानुसार नलजल प्रदाय योजनाओं के अंतर्गत उच्च स्तरीय टंकी, सम्पवेल निर्माण, पाईप लाइन बिछाना, घरेलू नल कनेक्शन इत्यादि कार्य।

क्र.	निविदा सूचना क्रमांक	सिस्टम टेंडर क्रमांक	विकास खण्ड	ग्राम का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1.	12/2021-22	2021_PHED_161761_1	पिछोर	भयावन, महोबा डामरोन	116.07	116500/-	12500/-
2.	13/2021-22	2021_PHED_161764_1	पिछोर	आसपुर, दरगंवा	151.45	151500/-	12500/-
3.	14/2021-22	2021_PHED_161768_1	पिछोर	नावली, कछौआ	134.04	134500/-	12500/-

निविदा क्रय/डाउनलोड दिनांक - 05.10.2021 समय 10.30 बजे से **21.10.2021 समय 17.30 तक**
बिड सबमिशन प्रारंभ दिनांक - 05.10.2021 समय 10.30 बजे से
बिड सबमिशन अंतिम दिनांक - **21.10.2021 समय 17.30 बजे तक**
तकनीकी बिड खोलने का दिनांक - 25.10.2021 समय 11.30 बजे

नोट - यह निविदा का संक्षिप्त भाग है। विस्तृत जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय अथवा वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। समस्त संशोधन उक्त वेबसाइट पर प्रदर्शित किये जावेंगे। संशोधनों का पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

सदस्य सचिव डी.डब्ल्यू.एस.एम. एवं कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्या यंत्रिकीय विभाग
जी-17737/46029/2021 **खण्ड शिवपुरी, म.प्र.**

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
सिविल लाइन गणेश चौक कटनी, जिला कटनी (म.प्र.) 483501

दूरभाष :- 07622-401753, ई-मेल :- dpepiukatni@gmail.com

एन.आई.टी. नं. - 25/2021/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/एपीई/ कटनी, दिनांक : 29.09.2021

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. जिला कटनी के अंतर्गत शेष कार्यों हेतु जोनल निविदा का आमंत्रण।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड प्राप्त की जावेगी।
2021_PWPIU_162125_1	कटनी	146.06	146000/-	12500/-	लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत	12 माह वर्षाकाल सहित	अतिरिक्त परियोजना संचालक लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. साउथ सिविल लाइन जबलपुर

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. जिला कटनी में वर्ष 2021-22 के लिये प्रोजेक्ट मेनेजमेंट कंसल्टेंसी सर्विस का कार्य।

2021_PWPIU_162234_1	कटनी	2923.87	58470/-	10000/-	म.प्र. के मुख्य वास्तुविद् लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत	12 माह वर्षाकाल सहित	अतिरिक्त परियोजना संचालक लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. साउथ सिविल लाइन जबलपुर

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **https://mptenders.gov.in/nicgep/app** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 01.10.2021 समय शाम 09.00 से दिनांक 15.10.2021 तक समय शाम 06.00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. मूल अमानत राशि एवं तकनीकी बिड केवल ऑनलाइन **दिनांक 15.10.2021 को** सायंकाल 06.00 बजे तक प्राप्त किये जावेंगे। 5. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री

जी-17754/46033/2021 **लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू. कटनी**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड दमोह (म.प्र.)

क्रमांक 3123/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./खंड दमोह, दिनांक : 01.10.2021

निविदा सूचना क्रमांक - 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67/2021-22 दिनांक 01.10.2021 प्रकाशन बाबत।

(प्रथम आमंत्रण)

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से दमोह जिले के विभिन्न विकासखण्डों के अंतर्गत शासकीय स्कूलों/आंगनवाड़ी में पेयजल व्यवस्था कार्य के अंतर्गत 150 मि.मी. नलकूप खनन कार्य हेतु प्रपत्र "2.10" प्रतिशत दर पर, लोक निर्माण विभाग के केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में "सी" अथवा उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग पद्धति से ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित है।

नि. क्र.	ई-नि.क्र.	एन.आई.टी. क्रमांक	ग्राम का नाम	मात्रा नग में	अनुमानित लागत रु. लाख में	अमानत राशि रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में	कार्य पूर्ण करने की समयावधि
1.	2021-22_PHED_162015	61/21-22	दमोह	110	83.19	83200	10000/-	1 माह
2.	2021-22_PHED_162016	62/21-22	पथरिया	70	53.20	53200	10000/-	1 माह
3.	2021-22_PHED_162017	63/21-22	हटा	57	43.46	87000	5000/-	1 माह
4.	2021-22_PHED_162018	34/21-22	पटेरा	74	56.20	56200	10000/-	1 माह
5.	2021-22_PHED_162019	65/21-22	बटियागढ़	218	164.13	164000	12500/-	1 माह
6.	2021-22_PHED_162020	66/21-22	जबेरा	138	104.17	104000	12500/-	1 माह
7.	2021-22_PHED_162021	67/21-22	तेन्दूखेड़ा	150	113.16	113000	12500/-	1 माह
				817	**617.51**			

कोरे निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 15.10.2021 तक क्रय किये जा सकते है। निविदाएं दिनांक 16.10.2021 को 17.30 बजे तक प्राप्त की जावेगी। प्राप्त समस्त ऑनलाइन सीलबंद निविदाएं दिनांक 18.10.2021 को लिफाफा अ पूर्वान्ह 11.00 बजे एवं वित्तीय बिड दिनांक 18.10.2021 अपरान्ह 13.30 बजे खोली जावेगी।

निविदा की विस्तृत शर्तें एवं विस्तृत जानकारी **http://www.mptenders.gov.in** एवं विभागीय वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर भी उपलब्ध है। निविदा की प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के उपरांत ही कार्यादेश किये जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री

जी-17783/46036/2021 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड दमोह**

कार्यालय प्राचार्य, संभागीय औद्योगिक
प्रशिक्षण संस्था गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.)

E-mail ID : mitibhopal@gmail.com, Phone No. : 0755-2582700, 2586747

नीलामी सूचना

शासकीय संभागीय आईटीआई, गोविन्दपुरा, भोपाल में उपलब्ध निष्प्रयोजित मशीन/सामग्री जैसे - लेथ मशीन, शेपर मशीन, प्लेनर मशीन, ग्राईंडर ड्रिल मशीन इत्यादि (जहां है जैसी हैं स्थिति में) निम्नानुसार समयचक्र में नीलामी सूचना हेतु पात्र व्यक्ति/फर्मों से निविदा की दरें आमंत्रित की जाना है :-

क्र.	कार्यवाही	दिनांक व समय
1.	निविदा दस्तावेज संस्था से क्रय करने की अंतिम तिथि	**15.10.2021 सायं 4 बजे तक**
2.	संस्था में ईएमडी डिमांड ड्राफ्ट, फार्म-ए के साथ (लिफाफा-अ) जमा करने की अंतिम तिथि	18.10.2021 सायं 4 बजे तक
3.	संस्था में निविदा दर (मोहरबंद लिफाफा) प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	19.10.2021 सायं 4 बजे तक
4.	ईएमडी डिमांड ड्राफ्ट, फार्म-ए के साथ (लिफाफा-अ) खोलने की नियत तिथि	19.10.2021 सायं 4 बजे तक
5.	निविदा दर (मोहरबंद लिफाफा) खोलने की नियत तिथि	20.10.2021 सायं 4 बजे तक

1. निविदा दस्तावेज रु. 1000/- (रु. एक हजार मात्र) नगद भुगतान कर कार्यालय प्राचार्य शासकीय आईटीआई, गोविन्दपुरा, भोपाल से निर्धारित तिथि तक प्राप्त किया जा सकता है। 2. ईएमडी राशि 33496/- (रु. तैंतीस हजार, चार सौ छियान्नवे मात्र) किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक के डिमांड ड्राफ्ट जो "प्राचार्य शासकीय संभागीय आईटीआई, गोविन्दपुरा, भोपाल" को देय हो के रूप में जमा किया जावे। 3. व्यक्ति/फर्म द्वारा निर्धारित तिथि में ईएमडी डिमांड ड्राफ्ट संस्था में जमा नहीं किये जाने की स्थिति में निविदा स्वयंमेव निरस्त कर दी जावेगी। 4. निष्प्रयोजन समग्री नीलामी "जैसा है वैसी स्थिति में" के आधार पर किया जाना है। इच्छुक व्यक्ति/फर्म मशीन/सामग्री का अवलोकन शासकीय संभागीय आईटीआई, गोविन्दपुरा, भोपाल परिसर में प्रातः 11.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक कार्यदिवसों में किया जा सकता है।

जी-17743/46030/2021 **शासकीय संभागीय आईटीआई भोपाल (म.प्र.)**

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला धार (म.प्र.)

क्र./स्थापना/2021/1816 धार, दिनांक : 02.10.2021

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन म.प्र. के पत्र क्रमांक/एनएचएम/एचआर/सेल-1/2021/385 भोपाल दिनांक 27.09.2021 के माध्यम से कोविड-19 अंतर्गत जिला स्तर पर स्वास्थ्य संस्थाओं हेतु अस्थायी मानव संसाधन की **01.10.2021 से 89 दिवस तक** रखने के संबंध में अनुमति प्रदान की गई है। उक्त निर्देशों के परिपालन में निम्नानुसार अस्थायी पदों के विरुद्ध आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

स.क्र.	पदनाम	पद संख्या	पद हेतु अनिवार्य योग्यता	मानदेय
1.	पी.जी.एम.ओ. (मेडिसिन/पल्मोनोलाजिस्ट/शिशुरोग)	01	एम.डी. मेडिसिन एम.डी. पल्मोनोलाजिस्ट शिशुरोग विशेषज्ञ	125000/- (डिग्रीधारी हेतु) 110000/- (डिप्लोमा धारी हेतु)
2.	चिकित्सा अधिकारी	05	MBBS (मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय) एवं मध्यप्रदेश मेडिकल कौंसिल में जीवित पंजीयन	60000/-
3.	ए.एन.एम.	10	महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त एवं मध्यप्रदेश नर्सिंग कौंसिल में जीवित पंजीयन	12000/-
4.	ऑक्सीजन टेक्निशियन	02	ITI DIploma is the field of Bio Medical Or Mechanical	वर्तमान में प्रचलित कुशल श्रमिक दर

उपरोक्त पूर्णतः अस्थायी पदों के विरुद्ध आवेदन विज्ञप्ति प्रकाशन से आगामी 05 कार्य दिवस तक ही स्वीकार्य किये जावेंगे। इच्छुक अभ्यर्थी अपने हस्तलिखित आवेदन मय पदेन योग्यता से संबंधित समस्त दस्तावेज अनिवार्यतः संलग्न कर आवेदन कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला धार पता - खंडेराव टेकरी, मांडव रोड धार जिला धार 454001 पर स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया मेरिट आधारित होगी।

नोट - ईमेल अथवा डाक/कोरियर के माध्यम से प्रेषित आवेदन नहीं स्वीकार्य किये जावेंगे।

जी-17755/46034/2021 **मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला धार (म.प्र.)**

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू., ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.)

ई-मेल : apdpiuindore@gmail.com, टेलीफोन नं. : 0731-2491433

क्र. एफ-1/2021/सामान्य/ए.पी.डी./एनआईटी-30/1751 इन्दौर, दिनांक : 01.10.2021

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 30/2021

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग, पीआईयू परिक्षेत्र इन्दौर के अंतर्गत निम्नांकित निर्माण कार्यों हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत सिविल श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू. म.प्र. द्वारा दिनांक 01.12.2020 से प्रभावशील एसओआर एवं निविदा सूचना प्रकाशन तिथि तक संशोधित, निर्धारित तिथि (Key-Date) अनुसार के आधार पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल **https://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1.	2021_PWPIU_162236_1	50 बिस्तरीय एम.सी.एच. अस्पताल जावरा जिला रतलाम में 1 नग 26 पेसेंजर लिफ्ट एवं 1 नग 16 पेसेंजर लिफ्ट का स्थापन का कार्य।	रतलाम	41.40	50,000	5,000	4
2.	2021_PWPIU_162235_1	लोक निर्माण विभाग पीआईयू धार के विभिन्न भवनों का आर्किटेक्चरल डिजाइन एवं डीपीआर कंसलटेंसी सर्विसेस का कार्य।	धार	50.00	50,000	5,000	24
3.	2021_PWPIU_162232_1	शासकीय वाणिज्य कॉलेज रतलाम में 6 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य।	रतलाम	299.22	2,99,225	15,000	14
4.	2021_PWPIU_162268_1	लोक निर्माण विभाग पीआईयू इन्दौर के विभिन्न भवनों का आर्किटेक्चरल डिजाइन एवं डीपीआर कंसलटेंसी सर्विसेस का कार्य।	इन्दौर	50.00	50,000	5,000	24
5.	2021_PWPIU_162223_1	नामली जिला रतलाम में शासकीय डिग्री कॉलेज भवन का निर्माण कार्य।	रतलाम	522.36	5,22,360	20,000	18
6.	2021_PWPIU_162143_1	जिला उज्जैन के अंतर्गत शेष कार्य छोटे-छोटे कार्य, मरम्मत कार्य एवं परफार्मेंस ग्यारंटी का कार्य।	उज्जैन	100.00	1,00,000	10,000	12
7.	2021_PWPIU_162152_1	करोहन जिला उज्जैन में आयुष अस्पताल भवन का निर्माण कार्य।	उज्जैन	36.13	50,000	5,000	6
8.	2021_PWPIU_162148_1	लोक निर्माण विभाग पीआईयू उज्जैन के विभिन्न भवनों का आर्किटेक्चरल डिजाइन एवं डीपीआर कंसलटेंसी सर्विसेस का कार्य।	उज्जैन	50.00	50,000	5,000	24
9.	2021_PWPIU_162083_1	लोक निर्माण विभाग पीआईयू खरगौन के विभिन्न भवनों का आर्किटेक्चरल डिजाइन एवं डीपीआर कंसलटेंसी सर्विसेस का कार्य।	खरगौन	50.00	50,000	10,000	24
10.	2021_PWPIU_162187_1	प्रशासनिक संकुल भवन उज्जैन में बाह्य विद्युतीकरण का कार्य।	उज्जैन	98.04	98,040	10,000	1
11.	2021_PWPIU_161762_1	केन्द्रीय जेल बड़वानी में प्रथम तल पर 20 कैदी क्षमता के 1 नग महिला बैरक का निर्माण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)	बड़वानी	42.53	50,000	5,000	6

निविदा संबंधी तिथियाँ (Key Dates) :-

1. प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि - **01.10.2021**
2. बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि - 04.10.2021
3. बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - **18.10.2021**
4. बिड खोलने की तिथि - 21.10.2021

अतिरिक्त परियोजना संचालक

जी-17792/46035/2021 **लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू., इन्दौर**

OFFICE OF THE DIVISIONAL PROJECT ENGINEER
PUBLIC WORKS DEPARTMENT, PIU
REST HOUSE CAMPUS PANNA (M.P.)

E-mail : dpepiupanna@gmail.com, Mob. No. : 9669525381

NIT No. 29/2021/CENTRALISED TENDERING/APD/PIU/1847 Rewa, Date : 27.09.2021

Online bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling criteria :

S. No. and Name of work : 1. Construction of Incomplete Balance Work of Building & Maintenance/ Repair Work of Building Under Performance Guarantee At Defference Places Under PWD PIU Panna (M.P.) (First Call)

Tender Portal ID	District	Probable Amount Contract (Rs. in Lakh)	Earnest Money Deposit (EMD) (in Rs.)	Cost of Bid Document (in Rs.)	Period of completion (in months i/c Rainy Season)	90% Incumbrance Free Land Available and MOU Signed
2021_ PWPIU_ 162046_1	Panna	50.00	50000/-	10000/-	12 Months (Including rainy season)	-

S. No. and Name of work : 2. Preparation of DPR, Survey & Investigation, Working & Structural Design (Work to be got done by Empanelled Consultant in the Specified Category) In Distt. Panna (M.P.) (First Call)

2021_ PWPIU_ 162075_1	Panna	25.00	50000/-	5000/-	12 Months (Including rainy season)	-

S. No. and Name of work : 3. Construction of 3 TRADE ITI Building at Muhandra, District Panna M.P. I/C Water Supply Sanitary Fitting & Electrification Work (Second Call)

2021_ PWPIU_ 162163_1	Panna	243.97	243970/-	15000/-	18 Months (Including rainy season)	Land Available and MOU Signed

1. All details relating to the Bid Document (s) can be viewed and downloaded free of cost from the website **http://mptenders.gov.in** 2. Bid Document (s) can be purchased after making online payment of portal fees through Credit/Debit/Cash Card/Internet Banking. 3. The Bid Document (s) can be purchased only online from 9.00 AM (time) 30.09.2021 (date) to **6.00 PM (time) 15.10.2021 (date)**. Other key dates may be seen in Bid Data Sheet. 4. Amendment (s) to NIT, if any, shall be published on website only, and not in newspaper.

Divisional Project Engineer
PWD PIU Panna (M.P.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संधारण संभाग क्रमांक-1
शेड क्र.-7, जवाहर चौक, भोपाल

निविदा सूचना क्र. - 56 से 62/वलेलि/2021-22 **भोपाल, दिनांक : 30.09.2021**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेवसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

स. क्र.	निविदा सूचना क्र.	टेण्डर नं.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि रु. लाखों में	अमानत राशि
1.	56	2021_ PWDRB_ 162194	लो.नि.वि. नगर उपसंभाग क्र.-2 भोपाल सिविल लाईन सेक्शन क्र.-2 के अन्तर्गत विभिन्न भवनों में प्लास्टरिंग, पेंटिंग वाटर प्रूफिंग सीमेंट पेंट एवं डिस्टेम्परिंग का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	रु. 66,75,000/- (रु. छाछट लाख पछत्तर हजार मात्र)	रु. 66750/-
2.	57	2021_ PWDRB_ 162195	लो.नि.वि. नगर उपसंभाग क्र.-2 भोपाल सिविल लाईन सेक्शन क्र.-1 के अन्तर्गत विभिन्न भवनों में प्लास्टरिंग, पेंटिंग वाटर प्रूफिंग सीमेंट पेंट एवं डिस्टेम्परिंग का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	रु. 61,70,000/- (रु. इकसठ लाख सत्तर हजार मात्र)	रु. 61700/-
3.	58	2021_ PWDRB_ 162196	लो.नि.वि. नगर उपसंभाग क्र.-2 भोपाल गांधी मेडिकल कॉलेज सेक्शन के अन्तर्गत विभिन्न भवनों में प्लास्टरिंग, पेंटिंग वाटर प्रूफिंग सीमेंट पेंट एवं डिस्टेम्परिंग का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	रु. 65,70,000/- (रु. पैसठ लाख सत्तर हजार मात्र)	रु. 65700/-
4.	59	2021_ PWDRB_ 162197	लो.नि.वि. नगर उपसंभाग क्र.-2 भोपाल हमीदिया हॉस्पिटल सेक्शन क्र.-1 ए के अन्तर्गत विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में प्लास्टरिंग, पेंटिंग वाटर प्रूफिंग सीमेंट पेंट एवं डिस्टेम्परिंग का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	रु. 64,80,000/- (रु. चौसठ लाख अस्सी हजार मात्र)	रु. 64800/-
5.	60	2021_ PWDRB_ 162198	लो.नि.वि. नगर उपसंभाग क्र.-2 भोपाल श्यमलाहिल्स सेक्शन के अन्तर्गत विभिन्न भवनों में प्लास्टरिंग, पेंटिंग वाटर प्रूफिंग सीमेंट पेंट एवं डिस्टेम्परिंग का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	रु. 67,20,000/- (रु. सड़सठ लाख बीस हजार मात्र)	रु. 67200/-
6.	61	2021_ PWDRB_ 162200	राजभवन सेक्शन भोपाल के अन्तर्गत शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विभिन्न वार्षिक मरम्मत, विशेष मरम्मत एवं अन्य डिपाजिट कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	रु. 50,00,000/- (रु. पचास लाख मात्र)	रु. 50000/-
7.	62	2021_ PWDRB_ 162217	नगर उपसंभाग क्र.-1 भोपाल के अन्तर्गत लिली टाकीज के भारत माता चौराहा, राजभवन परिसर मार्ग, एन.सी.सी. ऑफिस एवं जनसंपर्क कार्यालय परिसर रोड एवं वेटनरी सेक्शन के अन्तर्गत मार्गों पर बी.टी. रिनुअल का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	रु. 2,33,11,300/- (रु. दो करोड़ तैंतीस लाख ग्यारह हजार तीन सौ मात्र)	रु. 233113/-

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी। निविदा प्रपत्र क्रय एवं सबमिशन करने की **अंतिम तिथि 16.10.2021 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। निविदा में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर उसे उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संधारण संभाग क्र.-1, भोपाल
जी-17745/46031/2021 **दूरभाष : 0755-2777485**

DMIC PITHAMPUR JAL PRABANDHAN LIMITED

(Formerly Known as Pithampur Jal Prabandhan Company Limited)
Regd. Office : 1ST Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, Indore (M.P.) 452001, Email : pjpclindore@gmail.com, Ph. : 0731-2971311, 2970611
CIN : U41000MP2014SGC032618

No. DMICPJPL/INDORE/TECH/2021/12731 **Date : 08.10.2021**

NOTICE INVITING TENDER

DMIC PJPL, Indore invites online percentage rate tenders from eligible contractors registered in MPPWD and having relevant experience individually through e-portal : **https://www.mptenders.gov.in** & **www.mpakvnindore.com** as mention below :-

S. No.	Name of Work	PAC	Cost of Tender Form	EMD	Last Date of Submission
1.	Providing and Laying of 100 & 150 mm dia D.I. Pipe line in various location at I/A Pithampur DMIC PJPL, Distt. Dhar (M.P.)	Rs. 70.18 Lacs+GST	Rs. 11,800/- (i/c GST)	Rs. 70,180/-	29.10.2021
2.	Providing and Laying of 350 mm dia D.I. Pipe line in Pithampur Sector-1, Distt. Dhar (M.P.)	Rs. 57.60 Lacs+GST	Rs. 11,800/- (i/c GST)	Rs. 57,600/-	29.10.2021
3.	Boundary Wall & Area Development at Over Head Tank 1, 2, 3, WTP Tarpura & SEZ-II, Pithampur, Distt. Dhar.	Rs. 120.06 Lacs+GST	Rs. 14,750 /- (i/c GST)	Rs. 1,20,060/-	29.10.2021
4.	Renovation of 3 Nos. W.T.P., Pithampur Distt. Dhar.	Rs. 65.56 Lacs+GST	Rs. 11,800/- (i/c GST)	Rs. 65,560/-	29.10.2021
5.	Renovation of 3 Nos. Over Head Tank, Pithampur, Distt. Dhar.	Rs. 55.04 Lacs+GST	Rs. 11,800 /- (i/c GST)	Rs. 55,040/-	29.10.2021
6.	Replacement of pump and motor Sanjay Jalashay, Pithampur, Distt. Dhar.	Rs. 64.16 Lacs+GST	Rs. 11,800/- (i/c GST)	Rs. 64,160/-	29.10.2021
7.	Replacement of existing panel board at Sanjay Jalashay, Pithampur, Distt. Dhar.	Rs. 39.08 Lacs+GST	Rs. 5,900 /- (i/c GST)	Rs. 39,080/-	29.10.2021
8.	Providing supplying and installation of PAC storage tank at 3 nos. W.T.P., Pithampur, Distt. Dhar.	Rs. 26.34 Lacs+GST	Rs. 5,900/- (i/c GST)	Rs. 26,340/-	29.10.2021

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portals.
Note : The NIT will be uploaded on website of e-procurement system – **http://www.mptenders.gov.in** & **www.mpakvnindore.com** within 3 working days from publication in news paper.
M.P. Madhyam/102248/46053/2021 **EXECUTIVE ENGINEER**

मोतीलाल नेहरू लॉ कॉलेज, खण्डवा (म.प्र.)

(देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर से सम्बद्धता प्राप्त एवं बार कौंसिल ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली से सम्बद्धता अनुमोदित)
संपर्क : 0733-2225577, 2222622, Email : motilal.nehlaw@gmail.com, hr.mnlawcollege@gmail.com

आवश्यकता है

शैक्षणिक योग्यता एवं वेतन UGC के नियमानुसार।

एसोसिएट-प्रोफेसर विधि : 2 पद
विधि विषय में न्यूनतम 55% अंकों सहित स्नातकोत्तर उपाधि **Ph.D. एवं NET/SLET** उत्तीर्ण अनिवार्य है। न्यूनतम 10-15 वर्ष का शैक्षणिक अनुभव।

असिस्टेंट प्रोफेसर विधि : 3 पद
विधि विषय में न्यूनतम 55% अंकों सहित स्नातकोत्तर उपाधि **Ph.D. एवं NET/SLET** उत्तीर्ण। न्यूनतम 0-5 वर्ष का शैक्षणिक अनुभव।

असिस्टेंट प्रोफेसर : अंग्रेजी (1 पद), इतिहास (1 पद), समाजशास्त्र (1 पद), अर्थशास्त्र (1 पद)
विषय में न्यूनतम 55% अंकों सहित स्नातकोत्तर उपाधि (M.A.) **Ph.D. एवं NET/SLET** उत्तीर्ण। न्यूनतम 0-5 वर्ष का शैक्षणिक अनुभव।

लाईब्रेरियन (1 पद) एम.लिब 55% NET/SLET उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

नोट : 1. आवेदक प्रमाण पत्रों की अभिप्रमाणित छायाप्रति एवं फोटो के साथ आवेदन **दिनांक 10 नवम्बर 2021 सचिव, दी लॉ एज्युकेशन सोसायटी, खण्डवा (मोतीलाल नेहरू लॉ कॉलेज, सिविल लाईन्स, खण्डवा)** के पते पर प्रेषित करें। 2. उक्त साक्षात्कार में सभी श्रेणी के उम्मीदवारों को अपने स्वयं के व्यय पर उपस्थित होना होगा। इसके लिये संस्था से कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। पदों की संख्या में परिवर्तन या विज्ञप्ति निरस्त करने का अधिकार दी लॉ एज्युकेशन सोसायटी खण्डवा के पास सुरक्षित है।

आर-46051/2021 **सचिव**

प्रवेश सूचना

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद से अनुमोदित एवं बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय से संबद्ध, मध्यप्रदेश शासन से मान्यता प्राप्त महाविद्यालय के मुख्यालय 282 जोन–2, एम.पी. नगर, भोपाल में एम.बी.ए (दो वर्षीय) पाठयक्रम में रिक्त सीटों पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क एवं सामान्य छात्राओं को विशेष योजनान्तर्गत (केन्द्रीय एवं मध्यप्रदेश शासन के नियमानुसार) प्रवेश हेतु आगामी 15 दिन के अन्दर महाविद्यालय में सम्पर्क कर प्रवेश सुनिश्चित कर आत्मनिर्भर बनें।

0755-2578182, 7828338182, 8103818182

R-46057/2021

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के लिये बन रही है कार्य योजना

भोपाल, कम्प्रेहैन्सिव डिस्ट्रिक्ट एग्रीकल्चर प्लान (सी-डेप) के लिये किसान-कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालकों, नोडल अधिकारियों को मैप-आईटी द्वारा ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप में कृषि और संबद्ध गतिविधियों के योजनाबद्ध विस्तार के लिये समग्र कृषि विकास प्लान में समाहित की जाने वाली जानकारियों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया गया। सी-डेप से कृषि क्षेत्र में उपलब्ध विकास के अवसरों का लाभ किसानों को दिलाया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। इससे किसानों की आय में गुणात्मक वृद्धि होगी। कृषि विकास का यह प्लान ग्राम स्तर से लेकर राज्य स्तर तक विकसित किये जाने की तैयारी की जा रही है।

ग्राम स्तर पर कृषि विकास के लिये की गई समग्र प्लानिंग अनुसार जिला स्तर और राज्य स्तर पर भी प्लानिंग की गई है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के अंतर्गत 5 वर्षों के लिये समग्र जिला कृषि विकास प्लान (सी-डेप) तैयार किया जा रहा है। उक्त प्लान में विभिन्न कृषि विषयक आधारभूत संरचनाएं तथा अन्य योजनाएं तैयार कर राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अनुसार कार्यान्वित की जायेंगी।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal (M.P.) 462 011

NOTICE INVITING TENDER No. 957 (PMGSY-III-BRIDGE)

(PMGSY-III, Batch-I Year 2021-22)

No./14359/22/D-12/MPRRDA/2021 Bhopal, Dated : 04.10.2021

Online Tenders for Construction of Bridges with 5 years defect liability & maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below :

- **Name of Work - Construction of Bridges under PMGSY including maintenance for Five year after construction**
- **SSR Applicable - SOR issued by Engineer-in-Chief MPPWD Bhopal for Road and Bridge work effective from 29.08.2017 and amended upto issue date of NIT.**

S. No	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Chhindwara	1	14470000/-

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in**. The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online from **07.10.2021 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **25.10.2021 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/102165/46038/2021 **(T & e-G)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P. – 462 011

NOTICE INVITING TENDER No. 161/MTN/2021 (BW)

No./14420/22/D-12/NIT-Maint./2021 Bhopal, Dated : 05.10.2021

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

Name of work : Repair/Maintenance of Rural Roads.

1. Table No. 1 :- Name of Work – Within 5 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Seoni	2	3229000.00
2	Ujjain	1	5587000.00

2. Table No. 1 :- Name of Work – Post 5 Years (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Chhatarpur	1	12000000.00
2	Chhindwara	2	4230000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **07.10.2021 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/102178/46042/2021 **(T & E-G)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P. – 462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER N0. 958 UPG

No./14752/22/D-12/MPRRDA/2021 Bhopal, Dated : 07.10.2021

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below.

- **Table No. 1 - Up-gradation**

S. No.	Name of District	No. of Package	Total PAC (In Rs.)
1.	Betul	2	138284000.00
2.	Neemuch	2	19119000.00
3.	Singrauli	4	112923296.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **11.10.2021 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/102216/46044/2021 **(T & e-G)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal (M.P.) 462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 960 (PMGSY-III, Batch-I Year 2021-22)

No./14802/22/D-12/MPRRDA/2021 Bhopal, Dated : 07.10.2021

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below:

- **Name of Work –** Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.
- **SSR Applicable –** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 05.11.2019 and amended upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Barwani	1	271013000.00
2.	Bhind	1	44352000.00
3.	Chhindwara	2	137214000.00
4.	Harda	8	479907000.00
5.	Indore	1	56701000.00
6.	Jhabua	1	92973000.00
7.	Mandsaur	1	116217000.00
8.	Narsinghpur	3	118759000.00
9.	Sagar	1	156455000.00
10.	Shahdol	5	177548000.00
11.	Shajapur	1	75079000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission :** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online from **14.10.2021 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **08.11.2021 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/102224/46046/2021 **(T & e-G)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal (M.P.) 462011

NOTICE INVITING TENDER No. 959 (PMGSY-III, Batch-I Year 2021-22)

No./14759/22/D-12/MPRRDA/2021 Bhopal, Dated : 07.10.2021

Online item rate Tenders for Construction/Up-gradation of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below :

- **Name of work -** Construction / Up-gradation of Rural Roads under PMGSY using "Full Depth Reclamation (FDR) by in-situ Stabilization using cement/cement with additives", including maintenance for Five Year after construction.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Indore	1	232832000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in**. The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online **from 11.10.2021 (17:30 hrs)** and last date for online bid submission is **16.11.2021 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/102217/46045/2021 **(T & e-G)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
Block-IInd, 5th Floor, Paryavas Bhavan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)-462011

SQC CONSULTANCY OF BRIDGES (E-Procurement Notice)

No. 14805 /22/D-12/SQC-Brg./2020-21 Bhopal, Dated : 07.10.2021

Online Bids are invited through e-procurement portal **http://mptenders.gov.in** from the consultants fulfilling the required qualification criteria for Supervision and Quality Control Consultancy of Bridge works being constructed on Rural Roads for the following packages.

- **No. of Packages - 01**
- **No. of Bridges - 47**
- **Total Estimated Construction Cost (in Rs.) - Rs. 314284000.00**
- Cost of Bid Document, Bid Security (EMD) and service charges as appearing on e-procurement portal are to be paid simultaneously through Debit Card/Credit Card/ Internet Banking or system generated challan. For detailed procedure of online payment of EMD and submission of affidavit please refer condition number 2 of detailed NIT.

1. RFP document may be seen, downloaded and purchased from our e-procurement website **https://mptenders.gov.in** from **17:30 hrs on 08.10.2021.**
2. Last date of Submission of bid is **date 25.10.2021 upto 17.30 hrs.**

Other details & conditions may be seen in the detailed NIT, Tender document for SQC of Bridge works November, 2016 on our Website **http://mptenders.gov.in.**

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/102225/46047/2021 **(T & e-G)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
Block-II, 5th Floor, Paryavas Bhawan, Bhopal (M.P.) 462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER EL-53

No./14362/22/D-12/MPRRDA/2021 Bhopal, Dated : 04.10.2021

Online Percentage rate Tenders are invited for "Shifting/Raising of High Voltage (HV)/Medium Voltage (MV)/Low Voltage (LV) lines and poles from alignment of PMGSY/CMGSY Road from contractors having 'A' class valid license issued by Madhya Pradesh Licensing Board (Electrical) and registered with MPPWD in appropriate class of contractors on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in.**

Contractors are to quote rate in percentage below/above or at par of the estimated rates given in BOQ including all Taxes except GST.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Balaghat	1	131800/-
2	Datia	2	417090/-

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **07.10.2021 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed NIT and tender document on the above mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/102166/46049/2021 **(T & e-G)**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-01, जबलपुर
1558, ऋषि कॉटेज, रतन कॉलोनी, जबलपुर (म.प्र.) - 482003
Ph. : 0761-4927201, Email : mpphcjabalpur@gmail.com

म.प्र. पुलिस आ.अधो.वि.नि. संभाग जबलपुर क्र.-01 अंतर्गत खेलो इंडिया योजना अंतर्गत स्वीकृत 400 मीटर सिंथेटिक एथलेटिक ट्रेक (Top Layer Over Sub Grade) रॉझी, जबलपुर कार्य हेतु निविदा क्र. 09/2021-22 (ऑनलाइन निविदा क्र. 2021_MPPHC_162715) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 18.10.2021 समय 17.00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं सबमिट (प्रस्तुत) किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/102171/46040/2021 **परियोजना यंत्री**

गांधी जी के रास्ते पर चलकर प्रधानमंत्री सरकार चला रहे हैं - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि गांधी जी भारत की आत्मा है, उनके विचार भारत के विचार हैं, जो भौतिकता की अग्नि में दग्ध मानवता को शांति का दिग्दर्शन कराते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गांधी जी के रास्ते पर चलकर सरकार चला रहे हैं। स्वच्छता के लिए बापू सदैव आग्रह करते थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ही स्वच्छता को जन-जन का आंदोलन बनाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी के विचारों को लेकर समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा की जा सकती है। उनके विचारों पर ही जो सबसे पीछे है, गरीब और दरिद्र है, उनके कल्याण की योजनाएं बनी हैं। श्री मोदी के नेतृत्व में आज हम संकल्प करें कि केंद्र और राज्य द्वारा अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए बनाई गई योजनाओं को पूरी प्रमाणिकता के साथ उन तक पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री ने गांधी जयंती के अवसर पर मिंटो हॉल स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उपस्थित जन-समुदाय को संबोधित किया। श्री चौहान ने कहा कि गांधी जी हमारे बीच नहीं हैं लेकिन वे हमारे विचारों, कर्म और आचरण में विद्यमान हैं। वे हमारे सेवा और समर्पण के कार्यों में जीवित हैं।

टीका लगवाओ सुखी रहेगा परिवार, कोरोना जायेगा हार

जल जीवन मिशन

मध्यप्रदेश की ग्रामीण आबादी को मिलेगा घर में नल से जल

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि ग्रामीण आबादी को पेयजल की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जल जीवन मिशन की सौगात पूरे राष्ट्र को दी है। मिशन के माध्यम से गांव-गांव नल-जल योजनाओं के माध्यम से हर घर में नल से शुद्ध जल देना सुनिश्चित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में मिशन में तेजी से कार्य हो रहा है। पिछले 16 माह में कोरोना काल के बावजूद भी मिशन के कार्यों की गति को बनाए रखा गया, जिसके परिणामस्वरूप अब तक 3401 ग्राम, 33 हजार 996 आंगनवाड़ी केंद्रों और 56 हजार 369 स्कूल में नल से जल पहुंचाया जा चुका है। ग्रामीण आबादी में 41 लाख 79 हजार 60 घरों में नल से जल की व्यवस्था की जा चुकी है।

श्री चौहान ने कहा कि हमारा प्रयास है कि आगामी 2 वर्ष में प्रदेश के सभी ग्रामों में घर-घर नल से जल पहुंचना शुरू हो जाए। इसके लिए सभी ग्रामों में जल स्रोत भी तलाशे जा रहे हैं। जिन ग्रामों में जल स्रोत नहीं हैं, वहां नवीन जल स्रोत विकसित कर नल-जल योजना शुरू की जाएगी। यह कार्य लगातार जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रामीण आबादी विशेषकर महिलाओं को पेयजल समस्या से निजात दिलाने के लिए 15 अगस्त, 2019 को जल मिशन की घोषणा की। यह मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है। अब महिलाओं को घर पर ही नल के माध्यम से पेयजल मिलने लगा है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्राथमिकता वाले इस मिशन के लिए केंद्र सरकार पर्याप्त मात्रा में आवंटन भी उपलब्ध करवा रही है। प्रदेश में जून 2020 से मिशन के माध्यम से गांवों के हर घर में नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाने का सिलसिला प्रारम्भ हुआ। 41 लाख 56 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को निरन्तर जल प्रदाय हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन में मौजूदा पेयजल स्रोतों का उपयोग कर और जहां पेयजल स्रोत नहीं हैं वहां नये स्रोत निर्मित कर ग्रामीण आबादी को नल से जल देकर उनके जीवन में बदलाव लाया जा रहा है। मिशन के क्रियान्वयन से आये बदलाव को प्रदेश के 3401 गांवों में देखा जा सकता है, जहां नल से जल उपलब्ध करवाया जा रहा है। शीघ्र ही प्रदेश के सभी गांव में मिशन के जरिये नल से घर-घर पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

श्री चौहान ने बताया कि मिशन में ग्रामीण आबादी के घरों सहित स्कूल एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में भी पेयजल के लिए नल कनेक्शन दिए जा रहे हैं। लक्ष्य, प्रत्येक ग्रामीण परिवार, आंगनवाड़ी और स्कूल में गुणवत्तापूर्ण और पर्याप्त जल की आपूर्ति सुनिश्चित किया जाना है। अब तक लगभग 34 हजार आंगनवाड़ी केंद्रों और 56 हजार से अधिक स्कूल में नल से पेयजल की व्यवस्था की जा चुकी है। शेष रहे ग्रामीण परिवारों सहित आंगनवाड़ियों और स्कूलों में भी नल से जलापूर्ति के कार्य लगातार जारी हैं। मिशन अंतर्गत योजना निर्माण में जन-भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है, जिससे ग्रामीणों में नलजल योजना में अपनत्व बना रहे।

मध्यप्रदेश में बाढ़ राहत के रूप में 163.28 करोड़ रुपये की राशि वितरित

भोपाल, मध्यप्रदेश के ग्वालियर, चंबल एवं मुरैना संभाग में अगस्त माह में अतिवृष्टि से आई बाढ़ के कारण पीड़ितों को उनकी क्षतिपूर्ति के रूप में 163.28 करोड़ रुपये की राहत राशि वितरित की गई। इसमें अकेले श्योपुर के प्रभावित 6 गांवों में 4 करोड़ 34 लाख 19 हजार रुपये की राशि राहत प्रभावितों के खाते में अंतरित की गई।

श्योपुर के ग्राम वासोद, लोहाड़, धर्मपुरा, बिदाखेड़ली, विचगावड़ी और धानोद ग्राम में गंभीर प्रकार की क्षतिपूर्ति के लिये 71 लाख 11 हजार 400 रुपये, सामान्य क्षतिपूर्ति के रूप में एक करोड़ 23 लाख 30 हजार रुपये, आंशिक क्षतिपूर्ति के रूप में 74 लाख 90 हजार 800 रुपये एवं पूर्ण क्षति वाले प्रकरणों में 2 करोड़ 20 लाख 76 हजार 500 रुपये पात्र लोगों को वितरित किये गये। राहत राशि के रूप में वासोदा ग्राम में 709, लोहाड़ ग्राम में 763, धर्मपुरा गांव में 247, बिदाखेड़ली में 247, विचगावड़ी में 540 और धानौद ग्राम में 163 प्रभावितों को क्षतिपूर्ति राशि वितरित की गई। श्योपुर जिले के इन 6 गांव के 2669 हितग्राहियों को 4 करोड़ 34 लाख 19 हजार रुपये की राशि वितरित जा चुकी है।

कोरोना त्रासदी से निपटने में दुनिया ने देखा भारतीयों का साहस - प्रधानमंत्री

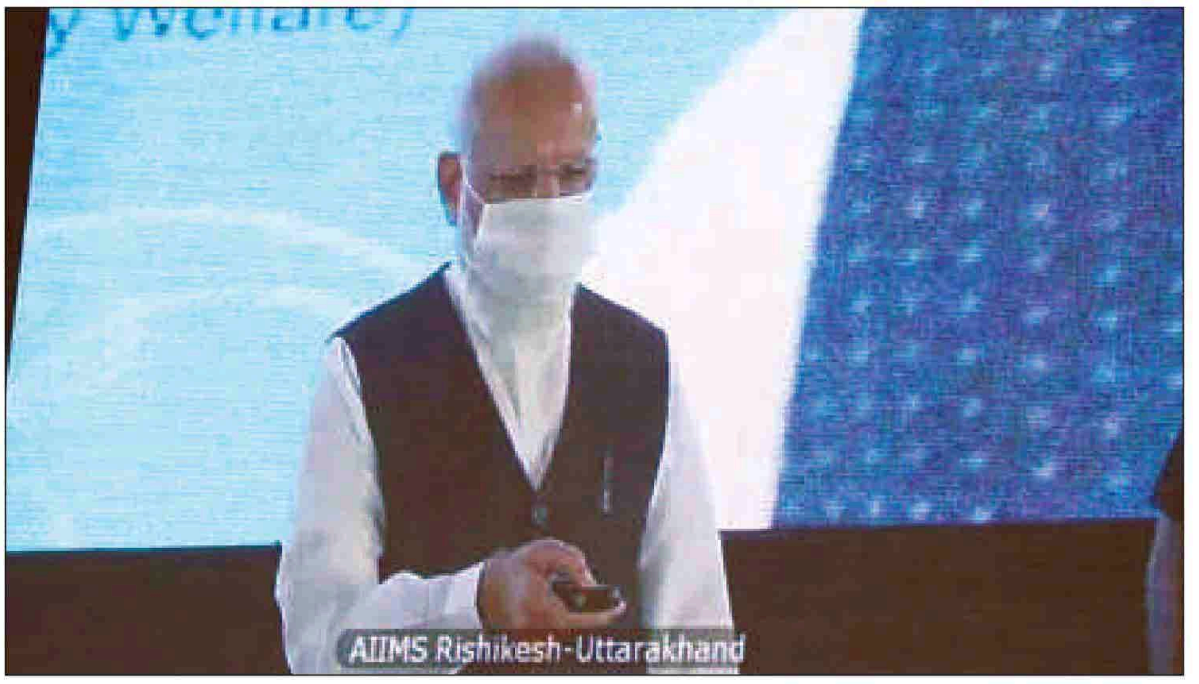

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देशभर में स्थापित पैंतीस पीएसए ऑक्सीजन प्लांट्स का वर्चुअल लोकार्पण करते हुये।

ऋषिकेश, कोविड संक्रमण के रूप में आयी सौ साल की सबसे बड़ी त्रासदी का सामना भारतीयों ने जिस बहादुरी से किया उसे दुनिया ने बहुत बारीकी से देखा है। कोरोना संक्रमण आरंभ होने के समय एक टेस्टिंग लैब थी, जिसे बढ़ाकर 3 हजार लैब का नेटवर्क बनाना, देश और दुनिया को मेड इन इंडिया कोरोना वैक्सीन उपलब्ध कराना, व्यापक स्तर पर टीकाकरण महाअभियान का संचालन और दूर-दराज के क्षेत्रों तक वेंटीलेटर की उपलब्धता सुनिश्चित करना हमारी एकजुटता और सेवा-भाव का प्रतीक है। ये बातें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एम्स ऋषिकेश से 35 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में स्थापित 35 पीएसए ऑक्सीजन प्लांट्स देश को वर्चुअली लोकार्पित करते हुये कहीं। प्रधानमंत्री ने भोपाल स्थित जयप्रकाश अस्पताल परिसर में प्रधानमंत्री केयर फंड से निर्मित दो ऑक्सीजन प्लांट का भी वर्चुअल लोकार्पण किया।

दस गुना बढ़ाया ऑक्सीजन उत्पादन

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण से निपटने में देश की अधिक जनसंख्या और भौगोलिक विविधता बड़ी चुनौती थी। इस चुनौती का भारत की जनता ने मिलकर सामना किया और क्षमताएं विकसित कीं। देश में कोरोना संक्रमण से पहले 900 मीट्रिक टन लिक्विड ऑक्सीजन का उत्पादन होता था, जिसे मांग बढ़ने पर दस गुना बढ़ाने में हम सफल रहे। यह विश्व के लिए अकल्पनीय है।

देश का हर जिला पी.एम. केयर से बने ऑक्सीजन प्लांट्स से लैस

श्री मोदी ने कहा कि ऑक्सीजन का परिवहन भी चुनौतीपूर्ण था। ऑक्सीजन का उत्पादन पूर्वी भारत में होता है, जबकि कोरोना संक्रमण के काल में उत्तर भारत और देश के पश्चिमी भागों में ऑक्सीजन की मांग तुलनात्मक रूप से अधिक थी। इस स्थिति में ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन चलाकर और वायुसेना के विमानों से खाली टैंकर ऑक्सीजन के उत्पादन केंद्रों तक पहुंचाकर जल्द से जल्द ऑक्सीजन की आपूर्ति सभी आवश्यक स्थानों पर सुनिश्चित की गई। हम भविष्य में कोरोना से लड़ाई के लिए ऑक्सीजन नेटवर्क को तैयार करने और उसे सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्यरत हैं। देश में 1150 ऑक्सीजन प्लांट आरंभ हो चुके हैं। देश का हर जिला पी.एम. केयर से बने ऑक्सीजन प्लांट्स से लैस हो चुका है। देश को 4 हजार नए ऑक्सीजन प्लांट मिलने जा रहे हैं।

हर राज्य में स्थापित होंगे एम्स

श्री मोदी ने कहा कि देश के अस्पताल पहले से अधिक सक्षम हों, इस दिशा में निरंतर कार्य जारी है। प्रत्येक राज्य तक एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) को पहुंचाने का प्रयास हो रहा है। इस दिशा में 6-7 वर्ष पहले कुछ ही राज्यों में एम्स थे। अब हर राज्य में एम्स का लक्ष्य प्राप्त करने की ओर हम अग्रसर हैं। पिछले सात वर्षों में 170 मेडिकल कॉलेज आरंभ किए गए हैं। हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाएगा। ई-संजीवनी एप से सुदूरवर्ती गांवों में रह रहे लोगों को स्वास्थ्य सुविधा और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है।

मध्यप्रदेश की वैक्सीनेशन में रिकॉर्ड उपलब्धि – मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में कोरोना की संभावित तीसरी लहर के मुकाबले के लिए तैयारियां जारी हैं। हमारी कोशिश है कि तीसरी लहर आए ही नहीं। मध्यप्रदेश में कोरोना वैक्सीनेशन में रिकॉर्ड उपलब्धि दर्ज की गयी है। उन्होंने इसके लिए सभी स्वास्थ्य कर्मियों, जन-प्रतिनिधियों, समाजसेवियों, सामाजिक संगठनों और सभी व्यक्तियों, जिन्होंने टीकाकरण में कुछ न कुछ भूमिका निभाई, को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश के जन-भागीदारी मॉडल से कोरोना नियंत्रण में सफलता मिली है। इस मॉडल को अन्य राज्यों द्वारा भी अपनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टीकाकरण, कोविड अनुकूल व्यवहार और निरंतर टेस्ट से हम कोरोना पर नियंत्रण पाने में सफल हुए हैं। मुख्यमंत्री ने मुफ्त टीकाकरण के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

गांधी जी के विचारों को आचरण में उतारने से ही है जीवन की सार्थकता

भोपाल, महात्मा गांधी जी के विचारों को आचरण में उतारने से ही जीवन की सार्थकता है। गांधी जी और परम-पूज्य गुरुदेव के बताए मार्ग पर चल कर मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता बन सकता है। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गांधी जयंती के अवसर पर रवींद्र भवन में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान अलंकरण समारोह और 'एकै राम रहीम' भजन संध्या को संबोधित करते हुये कही। मुख्यमंत्री ने गांधी विचार दर्शन के अनुरूप कार्य करने वाली दो संस्थाओं को राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान से सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान में प्रत्येक संस्था को दस लाख रुपये की आयकर मुक्त राशि, सम्मान पट्टिका, शॉल और श्रीफल भेंट कर अखिल विश्व गायत्री परिवार के डॉ. चिन्मय पंड्या एवं भटके विमुक्त विकास प्रतिष्ठान की अध्यक्ष डॉ. सुवर्णा रावल को सम्मानित किया। राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान किसी भी संस्था को सामाजिक कार्य क्षेत्र में प्रदान किया जाने वाला राज्य का महत्वपूर्ण सम्मान है। श्री चौहान ने कहा कि दोनों संस्थाओं को सम्मान देकर मध्यप्रदेश शासन गौरवान्वित महसूस कर रहा है। अखिल विश्व गायत्री परिवार हमारा अपना परिवार है। मुझे यह कहने में गर्व है कि परम-पूज्य गुरुदेव की कृपा से ही मैं नई ऊर्जा लेकर अपना कार्य कर पा रहा हूं। उन्होंने कहा कि गुरुदेव का आशीर्वाद सदैव उनके साथ रहता है। भले ही गुरुदेव आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका आशीर्वाद हमें लगातार मिलता रहेगा। उनके बताए मार्ग पर चलकर करोड़ों भाई-बहन अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ रहे हैं। इसी तहर गुरुदेव हम सभी को सन्मार्ग पर चलने की शक्ति दें।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान अलंकरण समारोह को संबोधित करते हुये।

क्षय रोग के इलाज की राशि का सीधे भुगतान करने में प्रदेश पांचवें स्थान पर

भोपाल, क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत प्रदेश में इस वर्ष कोरोना के बावजूद भी उल्लेखनीय कार्य किया गया। अब तक एक लाख 18 हजार 313 मरीजों को चिन्हित किया जाकर उनके उपचार के लिये राशि सीधे मरीजों के खाते में भेजी जा रही है। प्रदेश में 24 करोड़ 37 लाख रुपये के विरुद्ध 17 करोड़ 85 लाख रुपये सीधे मरीजों के खाते में भेजे जा चुके हैं। यह उपलब्धि 73 प्रतिशत से अधिक है, जो कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में उल्लेखनीय है। देश के राज्यों में डीबीटी में मध्यप्रदेश का पांचवां स्थान है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी की अध्यक्षता में क्षय रोग (टी.बी.) नियंत्रण कार्यक्रम की मंत्रालय में आयोजित समीक्षा बैठक में उक्त जानकारी दी गई।

बैठक में बताया गया कि भारत सरकार द्वारा इस वर्ष प्रदेश में अनुमानित 2 लाख 40 हजार 100 मरीजों को खोजकर उपचार उपलब्ध करवाने का लक्ष्य निर्धारित है। लक्ष्य के विरुद्ध अब तक एक लाख 18 हजार 313 मरीजों को खोजकर इलाज के लिये राशि सीधे उनके खाते में ट्रांसफर की गई है। कोरोना की दूसरी लहर में टी.बी. चिकित्सालयों के चिकित्सकों और कर्मचारियों के ड्यूटी पर रहने के बाद भी उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई है। दिसम्बर तक लक्ष्य प्राप्ति के लिये प्रयास किये जायेंगे।

डेंगू नियंत्रण कार्यक्रम

स्वास्थ्य मंत्री ने डेंगू के पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष बढ़े हुए मरीजों की संख्या पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि डेंगू नियंत्रण के लिये लगातार अभियान के रूप में कार्य किया जाये। स्टेट मलेरिया नोडल ऑफिसर ने बताया कि पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष डेंगू के मरीज अधिक हैं, परंतु यह भी एक तथ्य है कि पिछले वर्षों में टेस्टिंग सुविधा अधिक उपलब्ध नहीं थी। वर्ष 2016 में केवल 7 हजार 300 मरीजों की डेंगू की जांच की गई थी, जबकि इस वर्ष 30 हजार 302 मरीजों की अब तक जांच की जा चुकी है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

भीड़-भाड़ से रहेंगे दूर, कोरोना भागने को हो जायेगा मजबूर

प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को मिलेगी फ्री में रेत

चितरंगी के विकास की हर मांग पूरी की जायेगी - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सिंगरौली जिले के चितरंगी में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

सिंगरौली, मध्यप्रदेश के चहुंमुखी विकास के साथ गरीब वर्ग का उद्धार करने के लिए राज्य सरकार कृत-संकल्पित है। प्रदेश के हर गरीब परिवार का अपना घर हो, इसके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना चलाई जा रही है। योजना के हितग्राहियों को आवास निर्माण में रेत की परेशानी को देखते हुए शीघ्र ही रेत नीति में बदलाव किया जाएगा, जिसमें हितग्राही को अपना घर बनाने के लिए रेत मुफ्त दी जायेगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सिंगरौली जिले के चितरंगी में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने जल जीवन योजना की 325 नल-जल योजनाओं का भूमि पूजन कर निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जल जीवन मिशन से बनाई जा रही इन समूह जल योजनाओं की कुल लागत 1663 करोड़ रुपये है। श्री चौहान ने उज्ज्वला योजना, आजीविका मिशन और ग्रामोद्योग विभाग से लाभांवित हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चितरंगी सहित सिंगरौली जिले को जल जीवन मिशन से नल-जल योजनाओं की सौगात दी जा रही है। अब बहन-बेटियों को हैंडपंप और कुओं से पानी लेने नहीं जाना पड़ेगा। नल से घर में शुद्ध जल पहुंचेगा।

मुख्यमंत्री ने 17 करोड़ 26 लाख 37 हजार रुपये की लागत वाले चार भवनों का लोकार्पण किया। इसमें जगन्नाथ सिंह स्मृति कॉलेज भवन, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भवन वैढ़न, शासकीय महाविद्यालय भवन सरई और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन बर्दी शामिल है। श्री चौहान ने कहा कि महाविद्यालय में अगले सत्र से बीए के साथ बीएससी और बीकॉम की भी पढ़ाई होगी। दुधमनिया में आवश्यकता होने पर उपतहसील कार्यालय बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विकास के प्रतीक हैं। उन्होंने अनेक विकास योजनाओं का लाभ गरीबों को दिया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की मांग के अनुसार मिनी स्टेडियम सहित चाही गई सभी सड़कों का निर्माण करवाया जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना में मुफ्त मिलेगी रेत

श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को अपने घर निर्माण के लिये रेत काफी महंगे दामों पर मिलने से उन्हें काफी कठिनाई आ रही है। उन्होंने घोषणा की कि प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को रेत की मुफ्त आपूर्ति की जायेगी। इसके लिये रेत नीति में भी बदलाव किया जाएगा। श्री चौहान ने कहा कि वर्ष 2011 की सूची के अलावा भी प्रधानमंत्री आवास योजना के लिये सर्वे करवाया जायेगा, जिससे अधिकाधिक गरीब परिवारों को योजना का लाभ दिया जा सके।

तेन्दूपत्ता की नीलामी अब वन समितियां करेंगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जंगल में निवास करने वाले परिवारों के जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन लाना है। अब तेन्दूपत्ता की नीलामी वन समितियां करेंगी और लाभांश का वितरण भी इनके माध्यम से वनवासी आदिवासियों को ही किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सामुदायिक वन प्रबंधन का अधिकार भी वनवासियों को ही दिया जायेगा।

श्री चौहान ने कहा कि आम नागरिक से प्राप्त प्रत्येक मांग अथवा शिकायती आवेदन पर पूरी गंभीरता से कार्यवाही होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्य के लिये पुरस्कार जितना जरूरी है, गलती या लापरवाही के लिये दंड भी उतना ही जरूरी है। मुख्यमंत्री ने वनाधिकार पट्टा, कन्या विवाह योजना, मजदूरी का भुगतान, प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास की स्वीकृति आदि के संबंध में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

अटल प्रगति पथ निर्माण के लिए निजी भूमि की शासकीय भूमि से अदला-बदली को मंजूरी

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भोपाल में सम्पन्न हुई मंत्रिपरिषद की वर्चुअल बैठक में फोर लेन अटल प्रगति पथ का भारतमाला परियोजना में निर्माण के लिये निजी भूमि की शासकीय भूमि से अदला-बदली करने के संबंध में निर्णय लिया गया। अटल प्रगति पथ परियोजना विशेष निर्माण कार्य में अर्जित की जाने वाली प्रभावित निजी भूमि के मूल्य से समतुल्य दोगुनी राशि की शासकीय भूमि अदला-बदली में प्रभावित व्यक्तियों को स्थानान्तरित करने की अनुमति दी गई। साथ ही परियोजना में आने वाली भूमि पर स्थित परिसम्पत्तियों के मूल्य से दोगुनी राशि प्रभावित भूमि स्वामी को देने की अनुमति दी गई।

अटल प्रगति पथ मध्यप्रदेश के श्योपुर, मुरैना और भिण्ड जिले से होकर गुजरेगा। पथ की कुल लंबाई मध्यप्रदेश में 313 किलोमीटर है। इस पथ को भारत सरकार द्वारा भारतमाला परियोजना में शामिल किया गया है।

परियोजना में फोर लेन सड़क निर्माण के लिए राज्य की ओर से निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराई जानी है। परियोजना में तीनों जिलों को मिलाकर कुल 1300 हेक्टेयर निजी भूमि, 1523 हेक्टेयर शासकीय भूमि और 270 हेक्टेयर वन भूमि है। इस प्रकार कुल 3093 हेक्टेयर भूमि प्रभावित हो रही है। तीनों जिलों में 1523 हेक्टेयर शासकीय भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को सितम्बर, 2020 में हस्तांतरित कर दी गई है। कुल 270 हेक्टेयर वन भूमि के व्यपवर्तन की कार्यवाही प्रचलित है।

परियोजना में 1300 हेक्टेयर निजी भूमि प्रभावित हो रही है। वर्तमान प्रावधानों में निजी भूमि के समतुल्य शासकीय भूमि अदला-बदली कर उपलब्ध करायी जाना है। यह कार्य दिसंबर-2021 तक पूरा किया जाना है।

मिल्क पावडर प्लांट

मंत्रिपरिषद ने इंदौर दुग्ध संघ में 80 करोड़ 14 लाख 79 हजार रुपये की लागत से 30 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता के मिल्क पावडर प्लांट की स्थापना के लिये 50 करोड़ रुपये का ऋण एन.सी.डी.सी. से प्राप्त करने के प्रस्ताव को अनुमोदन देने तथा उक्त ऋण पर मध्यप्रदेश सरकार के प्रत्याभूति नियम 2009 के अधीन शासकीय प्रत्याभूति की स्वीकृति देने का निर्णय लिया।

राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग द्वारा बच्चों के लिए समर्पण कार्यक्रम शुरू

भोपाल, राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग द्वारा 'बच्चों के लिए समर्पण' कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इसमें ऐसे बच्चों की वित्तीय सहायता की जायेगी, जिन्होंने कोरोना महामारी के कारण अपने माता-पिता में से किसी एक को या दोनों को खो दिया है।

बच्चों के लिए समर्पण कार्यक्रमों में अपर मुख्य सचिव महिला बाल विकास श्री अशोक शाह के नेतृत्व में 4 अक्टूबर को ऑनलाइन माध्यम से इस कार्यक्रम को लॉन्च किया गया। आयोग के अध्यक्ष श्री प्रियंक कानूनगो ने बताया कि 'बच्चों लिए समर्पण' कार्यक्रम की शुरुआत मध्यप्रदेश के तीन जिलों विदिशा, रायसेन और सीहोर से की गई है। भविष्य में इसका विस्तार किया जायेगा। उन्होंने बताया कि वेदांतु इनोवेशन लिमिटेड द्वारा प्रदेश के तीन जिलों के आयोग द्वारा चिन्हित 83 बच्चों को निजी स्पॉन्सरशिप के अन्तर्गत बच्चों एवं उनके संरक्षकों के खातों में प्रति बच्चा प्रति माह दो हजार रुपये के मान से एक लाख 66 हजार रुपये की प्रथम किश्त आंतरित की गई।

कोविड-19 की महामारी से बच्चे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए हैं। आयोग द्वारा ऐसे सभी बच्चों का डाटा एकत्र किया गया है जो असुरक्षित हो गए हैं, जिन्हें देखभाल और सुरक्षा की जरूरत है तथा जिन्होंने अपने एकल या माता-पिता दोनों को कोविड-19 या मार्च 2020 के बाद किसी अन्य कारणों से खो दिया है।

वेदांतु इनोवेशन लिमिटेड के संस्थापक श्री पुलकित जैन ने तीन जिलों के 53 बच्चों को न सिर्फ आर्थिक सहायता दी, बल्कि उनके निरंतर संपर्क में रहकर उनके समग्र विकास की दिशा में कार्य करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

शुद्धिकरण पखवाड़े में होगा राजस्व अभिलेखों में त्रुटि सुधार- राजस्व मंत्री

भोपाल, राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि राजस्व अभिलेखों में दर्ज त्रुटियों को सुधार के लिए प्रदेश का राजस्व विभाग एक नया प्रयोग करने जा रहा है। राजस्व अभिलेखों में सुधार के लिए प्रदेश के स्थापना दिवस 1 नवंबर से 15 नवंबर तक शुद्धिकरण पखवाड़ा मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भूमि संबंधी प्रपत्रों में त्रुटि के कारण उनके विक्रय, नामांतरण आदि कार्यों में हमेशा विवाद की स्थिति बनी रहती है। इसलिए त्रुटि सुधार के कार्य को एक अभियान के रूप में पूरा किया जाएगा।

शासन की योजनाओं का मिल सकेगा लाभ

श्री राजपूत ने कहा कि प्रथम चरण 2 अक्टूबर से प्रदेश भर में विशेष ग्रामसभाएं आयोजित की जा रही हैं। इन विशेष ग्रामसभाओं में चल रही कार्यशालाओं में इसकी तैयारी भी शुरू हो गई है। ग्रामसभाओं में रिकॉर्ड संबंधी जो त्रुटियां सामने आएंगी, उनका निराकरण इसी पखवाड़े में किया जाएगा। रिकॉर्ड शुद्धिकरण पखवाड़े में कुछ त्रुटियों को राज्य स्तर पर, कुछ को जिला स्तर पर सुधारा जायेगा। इस पखवाड़े में मुख्य रूप से नामांतरण और भूमि स्वामी का नाम आधार कार्ड अनुसार सुधारा जाएगा, क्योंकि इस त्रुटि के कारण कई बार किसानों को पीएम किसान और सीएम किसान योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। राजस्व मंत्री ने किसानों एवं नागरिकों से अनुरोध किया है कि ग्रामसभाओं में उपस्थित होकर उनके रिकॉर्ड में जो भी त्रुटि हो उसे सामने लाएं।

नियमों के सरलीकरण से राह हुई आसान

श्री राजपूत ने बताया कि आम जनता को राहत देने के लिए प्रदेश में भू-राजस्व संहिता एवं उसके नियम तथा निर्देशों में सरलीकरण से नागरिकों को घर बैठे 24 घंटा एवं सप्ताह में सातों दिन आसानी से खसरा-खतौनी की प्रतिलिपि प्राप्त हो जाती है। कम्प्यूटर एवं इंटरनेट के माध्यम से घर से ही नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और डायवर्सन के आवेदन कर पा रहे हैं। इसके अलावा भू-राजस्व ऑनलाइन जमा करने की सुविधा भी नागरिकों को प्रदान की जा रही है।

नियमों की जानकारी देने हो रही कार्यशाला

बताया गया कि भू-राजस्व संहिता एवं उसके नियमों में बहुत सारे परिवर्तन एवं सरलीकरण का कार्य राजस्व विभाग द्वारा किया गया। इन परिवर्तनों की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने के लिए जिला, तहसील एवं ग्राम स्तर पर कार्यशाला आयोजित की जा रही है।

साथी परियोजना लागू करने वाला देश का पहला राज्य होगा मध्यप्रदेश

भोपाल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया ने कहा है कि मध्यप्रदेश 'साथी (सस्टेनेबल एग्रीकल्चर थ्रू होलिस्टिक इन्टीग्रेशन) परियोजना' लागू करने वाला देश का पहला राज्य होगा। यह परियोजना के किसानों की आय को दोगुना करने के सरकार के लक्ष्य की पूर्ति में कारगर सिद्ध होगी साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत एवं आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के स्वप्न को पूरा करने में भी सहायक होगी।

श्री सिसौदिया ने निर्देश दिए कि योजना को व्यवहारिक स्वरूप दिया जाए, जिससे इसका अधिक से अधिक लाभ किसानों को मिले। उन्होंने योजना की नोडल एजेंसी नाफेड को निर्देश दिए कि इसकी विस्तृत कार्य-योजना बनाकर केंद्र सरकार को भिजवाई जाए तथा वहां से इसके लिए फंडिंग भी प्राप्त की जाए। योजना प्रारंभ में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में प्रदेश के 5 जिलों के 10 विकासखंडों में लागू होगी।

योजना संबंधी प्रस्तुतिकरण में नाफेड के श्री मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि प्रथम चरण में यह योजना प्रदेश के 26 जिलों गुना, सतना, अशोकनगर, ग्वालियर, रीवा, मुरैना, अलीराजपुर, बालाघाट, बड़वानी,

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया साथी परियोजना के कार्य की समीक्षा करते हुये।

छतरपुर, धार, पन्ना, राजगढ़, श्योपुर, शहडोल, शिवपुरी, टीकमगढ़, झाबुआ, सीहोर, कटनी, रायसेन, अनूपपुर, सिवनी, देवास, उमरिया सहित दमोह के 100 विकासखण्डों के लिए बनाई गई है। योजना के अंतर्गत 100 साथी बाजार, 7319 वेअर हाउस, 2133 कोल्ड स्टोरेज, 405 ग्रेडिंग यूनिट तथा 2126 कृषि उत्पाद प्रसंस्करण इकाईयां स्थापित की जाएंगी।

'साथी' योजना के 5 घटक साथी कृषक समूह, साथी प्रसंस्करण केंद्र, साथी उद्योग, साथी बाजार तथा कॉमन फेसिलिटी सेंटर होंगे। गांवों में एक समान उत्पादन करने वाले किसानों के समूह बनाए जाएंगे। उत्पादों के भंडारण एवं प्राथमिक मूल्य संवर्धन का कार्य पंचायत स्तर पर साथी प्रसंस्करण केंद्र करेंगे। विकासखंड स्तर पर स्थानीय उत्पादों पर आधारित छोटे उद्योग लगाए जाएंगे। विपणन के लिए विकासखंड स्तर पर साथी बाजार बनाए जाएंगे। उत्पादों के प्रसंस्करण, पैकेजिंग, अनुसंधान, प्रशिक्षण आदि के लिए संभाग स्तर पर कॉमन फेसिलिटी सेंटर बनाए जाएंगे।

विकासखंड स्तर पर स्थापित किए जाने वाले साथी बाजार आधुनिक रिटेल आउटलेट होंगे, जिन्हें चार हजार वर्ग फीट पर बनाया जाएगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

कोरोना में सावधानी हटी, समझो दुर्घटना घटी

जनजातियों का जीवन बेहतर बनाना हमारी प्राथमिकता - राज्यपाल

अनूपपुर, मध्यप्रदेश में बड़ी संख्या में जनजाति समाज के लोग रहते हैं। प्रदेश की लगभग 21 प्रतिशत आबादी जनजातियों की है। जनजाति समाज विकास की रफ्तार में पीछे है। जनजातियों के सर्वांगीण विकास में हम सबकी भागीदारी होनी चाहिए। सरकार ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का नारा दिया है। हम सब मिलकर इस अवधारणा को साकार करें। जनजातीय समाज के लोगों के बीच जाकर शासन की कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने, उनके जीवन में खुशहाली लाने के कार्य को चुनौती के रूप में लें। सबको मिलकर जनजाति समाज के जीवन में उन्नति, प्रगति और समृद्धि लाने के लिए सकारात्मक प्रयास करने होंगे। जनजाति समुदाय के लोगों के जीवन में बेहतरी लाने के लिए निरन्तर प्रयास करने होंगे। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने इन्दिरा गांधी जनजातीय राष्ट्रीय विश्वविद्यालय अमरकंटक में सिकल सेल की बीमारी से बचाव के लिए आयोजित परिचर्चा को संबोधित करते हुये कहीं।

राज्यपाल ने कहा कि सभी का लक्ष्य मानव कल्याण है। मुझे आप सभी से बड़ी अपेक्षा है कि आप जनजाति समाज के लोगों के बीच जाकर उनकी उन्नति, प्रगति के विषय में उनका सहयोग करेंगे। उनका मार्गदर्शन कर उन्हें विश्वास के साथ विकास और प्रगति पर लाने का प्रयास करेंगे। श्री पटेल ने कहा कि विकास के साथ-साथ अच्छा स्वास्थ्य भी आवश्यक है। सिकल सेल की बीमारी जनजातीय क्षेत्रों में ज्यादा फैली है। सिकल सेल की बीमारी में स्वास्थ्य संबंधी कई विकार उत्पन्न होते हैं। सिकल सेल के बीमारी के निवारण के लिए जागरूकता आवश्यक है। सिकल सेल की बीमारी किन कारणों से होती है तथा इसके बचाव के उपाय क्या है, इसकी जानकारी दूरदराज के क्षेत्रों मे रहने वाले जनजातीय समाज के लोगों तक पहुंचना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि सिकल सेल से पीड़ित मरीजों को विशेषज्ञ, चिकित्सकों से सेवाएं भी मिलना चाहिए। श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल बीमारी को नष्ट करने के भी प्रयास होने चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन की ओर से सिकल सेल से पीड़ित मरीजों के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

मध्यप्रदेश में जल्द लागू होगी उद्यम क्रांति योजना - मुख्यमंत्री

नीमच जिले में मेडिकल कॉलेज हर हाल में खुलेगा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान नीमच जिले में एक कार्यक्रम में उद्यमियों को भूमि आवंटन पत्र वितरित करते हुये।

नीमच, मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश की तरफ हर वर्ग आकर्षित हो रहा है। निवेशकों को बेहतर माहौल उपलब्ध कराने के लिये हरसंभव प्रयास के साथ सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। कोरोना काल में भी 384 बड़ी और 1892 छोटी फैक्ट्रियां प्रदेश में निवेश के लिए आईं। प्रदेश में निवेश का अच्छा वातावरण है। इसलिए यहां बड़े उद्योगपति आ रहे हैं। शासन जल्द उद्यम क्रांति योजना ला रहा है। इस योजना में युवा वर्ग को उद्योग लगाने के लिए बैंक से लोन उपलब्ध कराया जाएगा। लोन की गारंटी राज्य सरकार लेगी और बैंक ऋण पर अनुदान भी उपलब्ध कराया जाएगा। नीमच में हर हाल में मेडिकल कॉलेज खुलेगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नीमच जिले के जावद में प्रदेश के विभिन्न जिलों के औद्योगिक विकास कार्यों एवं आईटी पार्क के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने 7 औद्योगिक क्षेत्र में 52 करोड़ 61 लाख रुपये के अधोसंरचना विकास कार्यों का वर्चुअल सिंगल क्लिक के माध्यम से भूमि-पूजन किया। श्री चौहान अतुल्य आईटी पार्क इंदौर इन्क्यूबेशन सेंटर का लोकार्पण तथा औद्योगिक पार्क रतलाम एवं जावरा का वर्चुअल भूमि-पूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने उद्यमियों को भूमि आवंटन के लिए आशय-पत्र भी वितरित किये। मुख्यमंत्री ने नीमच क्षेत्र में अधोसंरचना विकास हेतु 11 करोड 8 लाख रुपये के स्वीकृति-पत्र भी वितरित किए।

प्रत्येक जिले में 25 से 30 किलोमीटर के अंदर खुलेंगे सीएम राइज़ स्कूल

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हर जिले में 25 से 30 किलोमीटर के अंदर सीएम राइज़ स्कूल खोले जाएंगे। यह स्कूल प्रायवेट स्कूलों से बेहतर होंगे। इस वर्ष 350 स्कूल और अगले वर्ष पुनः 350 स्कूल खोले जाएंगे। इसके लिए शासन ने 1500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इन स्कूलों में छात्रों को सभी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। श्री चौहान ने कहा कि हम गांव के बच्चों को भी सुविधाएं देंगे तो वे आगे बढ़ेंगे। उन्होंने नीमच जिले के 15 लोगों की सराहना की जिन्होंने जापानी भाषा सीखी है। मुख्यमंत्री ने जावद एवं सिंगोली के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का उन्नयन सीएम राइज़ स्कूल में करने और मनासा के 30 बिस्तरों के अस्पताल का उन्नयन 100 बिस्तर में करने के निर्देश दिए।

बांणदा तालाब का मामला हल किया जाएगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि नीमच एवं जावद के विकास के कार्यों में कोई कोर कसर बाकी नहीं रहने दी जाएगी। जावद विधानसभा को एक मॉडल एवं आदर्श रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांणदा तालाब का मामला भी हल किया जाएगा। इस तालाब से 14 गांवों के 1700 हेक्टेयर क्षेत्र में किसान पानी लिफ्ट करा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि जल जीवन मिशन में गांव-गांव पानी की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए 1400 करोड़ रुपये की योजना बनाई गई है। इस योजना में घर-घर में नल से पानी उपलब्ध कराया जाएगा। पानी की शुद्धता के लिए फिल्टर प्लांट भी लगाए जाएंगे।

कम पैसों में ज्यादा निवेश

श्री चौहान ने कहा कि सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा कम पैसों में ज्यादा निवेश के कार्य करके दिखा रहे हैं। नीमच जिले में 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना में धनिया का प्रोडक्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उद्योपतियों से सतत संवाद रखा जाएगा। श्री चौहान ने छतरपुर के उद्योगपति श्री मनीष शुक्ला से वर्चुअल चर्चा की। उन्होंने नीमच के कोरोना योद्धा तारापुर के सरपंच श्री कमल सेन एवं सुपरवाइजर अंगुरबाला अहीर से उनके अनुभव जाने।

फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की स्थापना के लिये समिति का गठन

भोपाल, मध्यप्रदेश में फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की स्थापना के संबंध में विचार करने और युक्तियुक्त निर्णय लेने के लिये सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा समिति और उप समिति का गठन किया गया है। सचिव, गृह की अध्यक्षता वाली उप समिति में 6 लोग नामांकित किये गये हैं। उप समिति के अनुशंसात्मक प्रतिवेदन पर विचार कर आवश्यक रिपोर्ट तैयार करने के लिये अपर मुख्य सचिव गृह की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति का गठन माननीय उच्च न्यायालय खण्डपीठ, ग्वालियर के आदेशानुसार किया गया है।

प्रदेश में फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की स्थापना के लिये उच्च न्यायालय खण्डपीठ, ग्वालियर के आदेशानुसार अपर मुख्य सचिव, गृह की अध्यक्षता में गठित समिति को शासन के समक्ष 5 नवम्बर, 2021 तक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना है। शासन द्वारा विचारण उपरांत उच्च न्यायालय की सुनवाई की तिथि 16 नवम्बर, 2021 को अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करना है। शासन द्वारा इस संबंध में अपर मुख्य सचिव, गृह की अध्यक्षता में समिति का गठन कर दिया गया है। समिति में पुलिस महानिदेशक एवं प्रमुख सचिव, विधि सदस्य के रूप में नामांकित किये गये हैं।

फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी, गांधी नगर (गुजरात), नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी, दिल्ली एवं इस प्रकार के अन्य ख्याति प्राप्त संस्थानों के कार्य संचालन का व्यवहारिक अध्ययन कर मध्यप्रदेश में फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की स्थापना के तौर-तरीकों के संबंध में अपर मुख्य सचिव, गृह की अध्यक्षता में गठित समिति के समक्ष उप समिति अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी।

भारत के स्वाभिमान, सम्मान और अभिमान की परिचायक है राष्ट्रीय शिक्षा नीति

उज्जैन, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन के कालिदास अकादमी के पं. सूर्यनारायण संकुल सभागृह में प्रदेश में लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की संभाग स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला में कहा कि भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत के स्वाभिमान, सम्मान और अभिमान की परिचायक है। हम शिक्षा को देश के अनुकूल बनाना चाह रहे हैं। शिक्षा प्राप्त करने के बाद व्यक्ति योग्य नागरिक बने तथा उसके सामने आजीविका का संकट खड़ा न हो, इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है। डॉ. यादव ने कहा कि आजादी के बाद दो बार हमारे देश में शिक्षा नीति लागू की गई, किन्तु दोनों ही बार इसके विपरीत परिणाम दिखाई दिये। अतः सन् 2020 में देश में गहन विचार-विमर्श करके हमारी ऋषि परम्परा को प्रकट करने वाली शिक्षा नीति लागू की गई है। डॉ. यादव ने कहा कि सन् 1835 में अंग्रेज सरकार के दौरान लॉर्ड मैकाले के नेतृत्व में हमारे देश में स्कूलों का पाठ्यक्रम तैयार किया गया था और हमारी प्राचीन शिक्षा नीति को बदलने का प्रयास किया गया, लेकिन वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पुनः हमारी संस्कृति से जुड़ी शिक्षा नीति लाने का प्रयास किया गया है। कई सुझाव और लम्बे चिन्तन के बाद नई शिक्षा नीति लागू की गई है। मध्यप्रदेश का मॉडल पूरे देश के लिये प्रेरणा बनेगा।

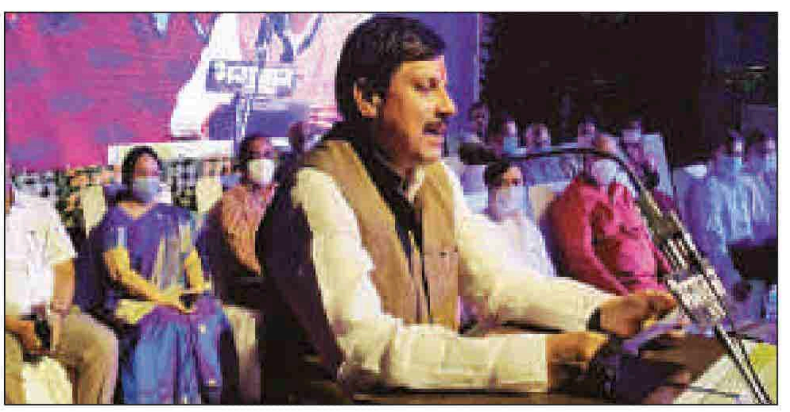

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की कार्यशाला को संबोधित करते हुये।

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. सत्यनारायण जटिया ने कहा कि शिक्षक जब शिक्षा देता है तो उनका भी प्रशिक्षण होता है। क्या, क्यों और कैसे का समाधान है शिक्षा में। वर्तमान में इनोवेटिव शिक्षा को लागू करने की आवश्यकता थी। इसी को ध्यान में रखते हुए नई शिक्षा नीति लागू की गई। सामाजिक न्याय के लिये शिक्षा बहुत जरूरी है। भारत युवाओं का देश है। बहुआयामी प्रतिभाओं का विकास करना बेहद जरूरी है। नई शिक्षा नीति निश्चित रूप से नये भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी।

सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने कहा कि मध्यप्रदेश में नई शिक्षा नीति की पहली कार्यशाला उज्जैन में हो रही है। यह नीति अत्यन्त सार्थक सिद्ध होगी। हमारे देश की प्राचीन शिक्षा पद्धति पूरे विश्व में प्रख्यात है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति लागू की गई है। निश्चित रूप से नई शिक्षा नीति एक नये भारत का निर्माण करेगी। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई इबारत लिखी जायेगी।

कमला नेहरू चिकित्सालय में 500 लीटर प्रति मिनिट का ऑक्सीजन प्लांट स्थापित

भोपाल, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज परिसर में स्थित कमला नेहरू चिकित्सालय गैस राहत भोपाल में एरोक्स मेटऑक्स 500 लीटर प्रति मिनिट (एलपीएम) पीएसए ऑक्सीजन प्लांट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले 2 साल कोरोना काल वाले विचार मंथन के थे। उस समय समझ में आया कि जिंदगी का कोई भरोसा नहीं है। इस नकारात्मक विचारों से लोग सकारात्मक हुए और उन्होंने अपनी रोज़मर्रा की जिंदगी में से समय निकालकर दूसरों के लिए सेवाभाव से काम किया।

श्री सारंग ने कहा कि इस भयावह स्थिति से निपटने के लिये सभी ने टीम भावना से काम किया। समाज का हर व्यक्ति सरकार के साथ मिलकर कदम से कदम मिलाकर चला। उन्होंने कहा कि इस दौर में ऑक्सीजन की आपूर्ति निर्बाध रखने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान निरंतर निगरानी कर व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त रखते रहे।

यह ऑक्सीजन प्लांट वातावरण से ऑक्सीजन लेकर प्रति मिनट 500 लीटर की क्षमता से मेडिकल ऑक्सीजन का उत्पादन करता है। इस ऑक्सीजन प्लांट से 100 ऑक्सीजन बेड या 25 आईसीयू बेड संबद्ध किये जा सकते हैं। यह ऑक्सीजन प्लांट वातावरण से हवा लेकर जो ऑक्सीजन तैयार कर प्रदाय करता है, वह लगभग 100 प्रतिशत शुद्ध होती है।

ऑक्सीजन प्लांट को निरंतर चलायमान स्थिति में रखने के लिए नियमित विद्युत प्रदाय व्यवस्था से संबद्ध किया गया है। नियमित विद्युत प्रदाय आपूर्ति बाधित न हो, उसके लिए एक ऑटोचेंज ओवर व्यवस्था सहित डी.जी. सेट स्थापित किया गया है, ताकि प्लांट निरंतर चलता रहे। ऑक्सीजन प्लांट को वातावरण के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रखने के लिए कार्यालयीन स्तर पर शेड एवं प्लेटफार्म निर्मित कर स्थापित किया गया है, ताकि प्लांट सदैव क्रियाशील रहे। वर्तमान में इस प्लांट से ऑक्सीजन प्रदाय होने से कमला नेहरू चिकित्सालय ऑक्सीजन के लिये आत्मनिर्भर हो गया। है। इस प्लांट की स्थापना से गैस पीड़ितों के लिए चिकित्सा सुविधा में वृद्धि हुई है।

उल्लेखनीय है कि विश्व में कोविड-19 भीषण महामारी होने के कारण सभी चिकित्सालय में ऑक्सीजन की मांग मरीजों को देखते हुये बहुत आवश्यक हो गयी थी। कमला नेहरू चिकित्सालय में ऑक्सीजन मिनीपोल्ड वर्ष 2016 में स्थापित किया गया था।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

नजला बाउडेन

ट्यूनीशिया की पहली महिला प्रधानमंत्री होंगी

नजला बाउडेन रोमधने ट्यूनीशिया की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं। उन्हें राष्ट्रपति कैस सईद ने नामित किया है। नजला विश्व बैंक में काम कर चुकी हैं। अभी एक विश्वविद्यालय में इंजीनियर हैं। वह ऐसे समय पद ग्रहण करने जा रही हैं, जब देश संकट से गुजर रहा है। सईद ने दो महीने पहले ही तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा किया था। सईद ने पिछले प्रधानमंत्री को बर्खास्त कर संसद को निलंबित कर दिया।

आईफोन-13

18 कैरेट सोने से बनाया

हाल ही में लॉन्च एपल का आईफोन-13 प्रो और आईफोन-13 प्रो मैक्स को डिजाइनर ने 18 कैरेट सोने से तैयार किया है। इसकी कीमत 31.27 लाख से 35.50 लाख रुपये तक है। इसे एक्सेसरीज फर्म कैवियर ने बनाया है और आईफोन-13 प्रो टोटल गोल्ड नाम दिया है। ऐसे सिर्फ 99 आईफोन उपलब्ध होंगे।

फ्रांस-यूनान

रक्षा क्षेत्र में करेंगे करार

फ्रांस ने यूनान के साथ एक महत्वपूर्ण रक्षा समझौता करने की घोषणा की है। इसके तहत यूनान, फ्रांस से तीन युद्धपोत खरीदेगा। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों और यूनान के प्रधानमंत्री क्यारीकोस मित्सोताकिस ने पेरिस में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में रक्षा और सुरक्षा रणनीतिक भागीदारी की घोषणा भी की है।

रिच हम्फ्रीज

छह माह के बच्चे ने वाटर स्कीईंग में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

अमेरिकी राज्य उटाह में 6 माह के बच्चे रिच हम्फ्रीज ने वाटर स्कीईंग करते हुये वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। बच्चा बोट से कनेक्टिड आइरन रॉड को कस कर पकड़े था। बच्चे ने लाइफ जैकेट पहनी थी। उसके पिता दूसरी नौका पर थे। पूरी सुरक्षा के साथ बच्चे को पानी में उतारा गया था। बच्चे के इस वीडियो को सोशल मीडिया पर लाखों व्यूज मिल चुके हैं।

शंभु कुमार

सेना के जवान ने 1.23 मिनट तक बिगुल बजाकर बनया रिकॉर्ड

भारतीय सेना में हवलदार के पद पर तैनात शंभु कुमार ने एक मिनट 23.4 सेकंड तक ब्रास बैंड बजाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है। हवलदार शंभु कुमार ने बताया कि इससे पूर्व 2006 में ब्रिटेन सेना के इंग्लैंड पैराशूट रेजीमेंट में कार्यरत हवलदार ने 1 मिनट 13 सेकंड तक ब्रास का बिगुल बजाकर रिकॉर्ड बनाया था। शंख के नाम सबसे लंबा निरंतर नोट 80 सेकंड है।

सुल्तान भैंसा

हरियाणा के 21 करोड़ के भैंसे का निधन

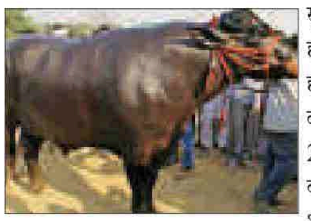

हरियाणा की शान कहे जाने वाले कैथल के मशहूर सुल्तान भैंसे की हार्ट अटैक से मौत हो गई। सुल्तान की खरीद के लिए 21 करोड़ की बोली लग चुकी थी। सुल्तान के मालिक नरेश बेनीवाल के मुताबिक वह मुर्रा नस्ल का दुनिया का सबसे लंबा और ऊंचा भैंसा था। सुल्तान का वजन 1700 किलो और उम्र करीब 12 साल थी। वह 10 किलो दाना और इतना ही दूध पी लेता था, इसके अलावा 35 किलो हरा चारा भी खा जाता था। वह तकरीबन 3 हजार रुपये रोज की खुराक लेता था।

लेफ्टिनेंट सुखबीर तूर

पहली बार सिख नौसैनिक ड्यूटी पर पहन सकेंगे पगड़ी

अमेरिका के 26 वर्षीय सिख नौसैनिक अधिकारी कुछ शर्तों के साथ पगड़ी पहनकर ड्यूटी कर सकेंगे। इस प्रतिष्ठित वल के 246 साल के इतिहास में ऐसी अनुमति पाने वाले लेफ्टिनेंट सुखबीर पहले व्यक्ति हैं। वाशिंगटन और ओहायो में पले-बढ़े भारतीय प्रवासी के बेटे तूर ने इस अधिकार को हासिल करने के लिए लंबा संघर्ष किया है। लगभग 5 साल से हर सुवह अमेरिकी नौसैनिक वर्दी धारण करते आये हैं।

चेन्नई

सेंट्रल स्टेशन सौ फीसदी सौर ऊर्जा से लैस

डॉक्टर एमजीआर चेन्नई सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन पूरी तरह सौर ऊर्जा से लैस कर दिया गया है। प्लेटफॉर्म पर टिन शेड के साथ सोलर पैनल लगाये जाने से स्टेशन अपनी बिजली की जरूरतों को खुद पूरा कर सकेगा। चेन्नई स्टेशन पर 15 मेगावॉट की क्षमता वाली सौर पैनल स्थापित किये जाने से ग्लोबल वार्मिंग कम करने में मदद मिलेगी। इस प्रयोग से रेलवे की भारी बचत होगी। इस प्रकार की सुविधा वाला यह देश का पहला रेलवे स्टेशन है।

आशीष वजीरानी

अमेरिका में रक्षा उपसचिव नामित

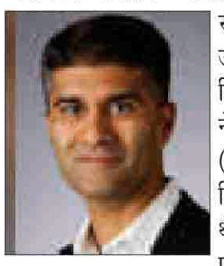

अमेरिकी-भारतीय आशीष वजीरानी को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रक्षा उपसचिव के रूप में नामित किया है। इससे पहले वह नेशनल मिलिट्री एसोसिएशन (एनएमएफए) के कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यकारी थे। उनके कार्यकाल में एनएमएफए ने चाइल्ड केयर जैसे कार्यक्रमों में उल्लेखनीय कार्य किया है। उनके पिता वियतनाम युद्ध में अमेरिकी सैनिक रहे हैं।

टेरेसा और एग्नेसा

केरल की दो बहनों ने 193 देशों के राष्ट्रगान गाये

केरल की दो बहनों 21 वर्षीय टेरेसा और 18 वर्षीय एग्नेस ने विश्व शांति दिवस पर 193 देशों के राष्ट्रगान गाकर रिकॉर्ड बनाया। ब्रिस्बोन (ऑस्ट्रेलिया) में रहने वाली बहनों ने सेन्ट जॉन्स कैथ्रेडल से राष्ट्रगान गाये और ऑस्ट्रेलियाई बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में एंट्री के अलावा यूनिवर्सल रिकॉर्ड फोरम का प्रमाण पत्र जीता है।

रतन सिंह और अनुप कुमार

दुनिया की 8वीं सबसे ऊंची चोटी पर फहराया तिरंगा

इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस के दो अधिकारियों कमांडेंट रतन सिंह सोनल और डिप्टी कमांडेंट अनुप कुमार ने दुनिया की 8वीं सबसे ऊंची मानसलू चोटी पर तिरंगा लहराया। यह चोटी समुद्र तल से 8163 मीटर (26781 फीट) है। इससे पहले भी ये दोनों अधिकारी हिमालय की कई चोटियों पर पहुंचने में सफल रहे हैं। आईटीबीपी के इन अधिकारियों ने कठिन नंदा देवी पर हुए रेस्क्यू ऑपरेशन डेयर डेविल्स का भी नेतृत्व किया था।

सीएच-6 ड्रोन

पहली बार चीन के खतरनाक ड्रोन की तस्वीरें जारी

चीन ने झुहाई इंटरनेशनल एयर शो के शुरू होने से पहले ही दुनिया को अपने डबल इंजन वाले आर्म्ड ड्रोन की पहली झलक दिखाई है। 7.8 टन वजन के साथ टेक ऑफ करने वाला यह ड्रोन 800 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से उड़ान भर सकता है। 1200 किलोमीटर की टोही मिशन रेंज से 20 घंटे तक यह लगातार उड़ान भर सकता है। इसे सीएच-6 नाम दिया गया है, इसे चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी कॉर्पोरेशन ने बनाया है।

चेरामन जामा मस्जिद

भारत की प्राचीन धरोहर को नया जीवन मिला

भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे पुरानी त्रिशुर की 'चेरामन जामा मस्जिद' मरम्मत के बाद नमाजियों और लोगों के लिए जल्द ही खोली जा रही है। राज्य संचालित मुजिरिस हेरीटेज प्रोजेक्ट (एमएचपी) के तहत 629 ईस्वी में निर्मित मस्जिद को 1.14 करोड़ रुपये में नवीन कर दिया गया है। त्रिशूर जिले के कोडुंगल्लूर में स्थित इस ढांचे को उसकी मूल शैली और संरचना के साथ वहाल किया गया है। इसकी मरम्मत का कार्य मई 2019 से शुरू किया गया था।

जॉर्ज वेबस्टर

ब्रिटेन में डाउन सिंड्रोम पीड़ित टेलीविजन प्रेजेंटर बना

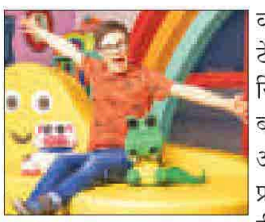

बीबीसी के अधिकारियों ने डाउन सिंड्रोम से पीड़ित 21 वर्षीय जॉर्ज वेबस्टर को टेलीविजन प्रेजेंटर की नियुक्ति देकर कीर्तिमान बना दिया। जॉर्ज ने अपने कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति भी सफलतापूर्वक दी है। जॉर्ज को ट्वीटर पर भी अपार प्रशंसा मिल रही है। पहली बार जॉर्ज चैनल में तब नजर आया था जब उसने डाउन सिंड्रोम बीमारी को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए वीडियो बनाया था। उसके इस वीडियो के बाद ही बीबीसी अधिकारियों ने जॉर्ज को नियुक्ति दे दी।

अमेरिका

न्यूक्लियर बंकर को बनाया होटल

अमेरिकी राज्य अरकंसास के पार्थेनन इलाके में बनी बोकहम क्रीक गुफाएं 260 एकड़ इलाके में फैली हैं। बिजनेसमैन जॉन हेज ने शीत युद्ध के दौरान परमाणु हमले से बचने के लिए चट्टानों को काटकर जमीन से 35 फीट नीचे 6000 वर्गफीट का आशियाना बनाया था। इसे अब होटल में बदल दिया गया है। तमाम सुख-सुविधाओं से भरपूर इस होटल में एक सिनेमा रूम और वाटरफॉल है। यहां एक रात गुजारने के लिए यात्री को 1 लाख 18 हजार रुपये चुकाने होंगे।

चिली में

न्यूरो टेक्नोलॉजी पर बना कानून

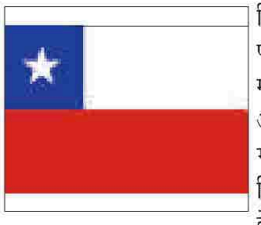

दक्षिण अमेरिकी देश चिली ने एक कानून पास किया है, जिसके तहत निजी पहचान, इच्छा और मानसिक निजता को अधिकारों का दर्जा दिया गया है। ऐसा करने वाला चिली दुनिया का पहला देश बन गया है। न्यूरो टेक्नोलॉजी के जरिये किसी व्यक्ति को नियंत्रित करके कुछ करवाना अपराध माना जायेगा। सांसद गीडो जिरार्डी ने कहा कि इसका मकसद इंसान की सोच की रक्षा करना है। विशेषज्ञों के अनुसार ये भविष्य में मानवाधिकारों की रक्षा का आधार बन सकता है।

फिलीपींस

राष्ट्रपति दुतेर्ते ने की राजनीति से संन्यास की घोषणा

फिलीपींस के राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते का कहना है कि वह अगले साल होने वाले चुनावों में उपराष्ट्रपति पद के लिए दावेदारी करने की अपनी पूर्व की घोषणा से पीछे हट रहे हैं और कार्यकाल समाप्त होने के बाद राजनीति से रिटायरमेंट ले लेंगे। माना जा रहा है कि उन्होंने यह कदम उपराष्ट्रपति पद के लिए खड़े होने के उनके फैसले को विपक्षी दलों द्वारा कानूनी चुनौती दिये जाने की चेतावनी के मद्देनजर उठाया है।

स्मृति शेष

रामायण में रावण का किरदार निभाने वाले अभिनेता अरविंद त्रिवेदी का निधन

टेलीविजन के चर्चित शो रामायण में लंकाधिपति रावण का किरदार निभा चुके अभिनेता और पूर्व सांसद अरविंद त्रिवेदी का 5 अक्टूबर को लंबी बीमारी से निधन हो गया। उनका जन्म मध्यप्रदेश के उज्जैन में हुआ था। उन्होंने गुजराती रंगमंच से अपने कॅरियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 300 से अधिक हिंदी और गुजराती फिल्मों में काम किया था।

नहीं रहे 'उल्टा चश्मा' के नट्टू काका

सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में नट्टू काका की भूमिका निभाने वाले अभिनेता घनश्याम नायक (77) का मुंबई में निधन हो गया। पिछले साल गर्दन में आठ गांठ पाये जाने के बाद उनकी सर्जरी हुई थी। कैंसर का पता चलने के बाद से वह कीमोथैरेपी ले रहे थे। घनश्याम नायक सिर्फ टीवी ही नहीं, बल्कि फिल्मों में भी अपने अभिनय से सभी को इंप्रेस कर चुके हैं। वे साल 1960 में अशोक कुमार की फिल्म मासूम में चाइल्ड एक्टर के तौर पर नजर आये थे।

प्रख्यात लेखिका कमला भसीन का निधन

प्रख्यात महिला अधिकार कार्यकर्ता, कवयित्री और लेखिका 75 वर्षीय कमला भसीन का निधन हो गया। भसीन भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में महिला आंदोलन की एक प्रमुख आवाज रही हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कोरोना को मारने के तीन हथियार, हाथ धुलायी, मास्क और वैक्सीन का वार।

कार्यालय, अध्यक्ष काउंसलिंग समिति, तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास क्रमांक-टी 2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी/इंजीनियरिंग (बी.टेक./बी.ई.) पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु

(मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी इंजीनियरिंग संस्थान)

ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र 2021-22

संशोधित समय सारणी

प्रथम चरण

जेईई मेन-2021 की मेरिट पर आधारित

सामान्य पूल एवं TFW की सीटों के लिए एक साथ संयुक्त रूप से आयोजित

गतिविधियां	पूर्व में जारी दिनांक/समय	संशोधित दिनांक/समय
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश।	03.10.2021 से 05.10.2021 सायं 5:00 बजे तक	03.10.2021 से 07.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
अपग्रेडेशन का विकल्प ऑनलाइन प्रस्तुत करना	03.10.2021 से 05.10.2021 सायं 5:00 बजे तक	03.10.2021 से 07.10.2021 सायं 5:00 बजे तक
अपग्रेडेशन आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/ आवंटित संस्था में उपस्थिति, आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश	08.10.2021 से 10.10.2021 सायं 5:00 बजे तक	10.10.2021 से 14.10.2021 सायं 5:00 बजे तक

द्वितीय चरण

जेईई मेन-2021 के आधार पर आवंटन उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये अर्हकारी परीक्षा के आधार पर आवंटन जारी किया जायेगा

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन निरस्त (12वीं के आधार पर)	30.09.2021 से 11.10.2021 सायं 5:00 बजे तक	30.09.2021 से प्रारंभ
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन निरस्त (जेईई मेन-2021 के आधार पर)	05.10.2021 से 11.10.2021 सायं 5:00 बजे तक	08.10.2021 से प्रारंभ

द्वितीय/आगामी चरण की काउंसलिंग का शेष कार्यक्रम प्रथक से जारी किया जायेगा।

- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी मार्गदर्शिका/काउंसलिंग प्रक्रिया, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।
- **संपर्क : 0755-6720205, 2660441, ईमेल : dte.helpcenter@mp.gov.in**

(कोविड-19 के कारण, सहायता केन्द्रों पर किसी भी अभ्यर्थी को जाने की आवश्यकता नहीं)

म.प्र. माध्यम/102168/46039/2021 **अध्यक्ष काउंसलिंग समिति एवं आयुक्त, तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश**

कार्यालय, अध्यक्ष काउंसलिंग समिति, तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास, क्रमांक-टी 2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

संस्थागत प्राथमिकता सीटों के अंतर्गत प्रवेश हेतु

(Institutional Preference Seats)

सत्र 2021-22

(बी.-आर्किटेक्चर/बी.-डी. फार्मेसी पाठ्यक्रमों के लिये)

बी.-आर्किटेक्चर/बी.-डी.-फार्मेसी पाठ्यक्रमों में संस्थागत प्राथमिकता सीटों **(Institutional Preference Seats)** के लिये **काउंसलिंग दिनांक 09.10.2021 से दिनांक 25.10.2021 तक** आयोजित होगी। संस्थागत प्राथमिकता सीटों के अंतर्गत एआईसीटीई द्वारा स्वीकृत प्रवेश क्षमता के 10 प्रतिशत स्थानों तक ही प्रवेश की कार्यवाही की जावेगी।

- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी मार्गदर्शिका/काउंसलिंग प्रक्रिया, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि अधिकृत वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।

संपर्क : 0755-6720205, 2660441, Email : dte.helpcenter@mp.gov.in

अध्यक्ष काउंसलिंग समिति एवं आयुक्त,

म.प्र. माध्यम/102253/46054/2021 **तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश**

कार्यालय, अध्यक्ष काउंसलिंग समिति तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास क्रमांक-टी 2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी/इंजीनियरिंग (बी.टेक./बी.ई.) पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु

(मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी इंजीनियरिंग संस्थान)

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2021-22

द्वितीय चरण

जेईई मेन-2021 के आधार पर आवंटन उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये अर्हकारी परीक्षा के आधार पर आवंटन जारी किया जायेगा

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन निरस्त (12वीं के आधार पर)	30.09.2021 से 13.10.2021 रात्रि 11:45 बजे तक
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन निरस्त (जेईई मेन-2021 के आधार पर)	08.10.2021 से 13.10.2021 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार **(Edit Registration)** **अंतिम तिथि को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाने वाले उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, जो केवल एक बार के लिये ही रहेगी अतः असुविधा से बचने के लिये रजिस्ट्रेशन अंतिम तिथि से पूर्व ही कर लें।**	14.10.2021 से 15.10.2021 दोपहर 12:00 बजे तक
इच्छित संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना **प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी।**	10.10.2021 से 15.10.2021 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता	16.10.2021 सायं 3:00 बजे तक
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश। (प्रथमतः **जेईई मेन-2021** के आधार पर आवंटन पश्चात रिक्त सीटों पर 12वीं के आधार पर आवंटन जारी किया जायेगा।)	19.10.2021 से 21.10.2021 सायं 5:00 बजे तक

आन्तरिक ब्रांच परिवर्तन

प्रवेशित संस्था के लिये प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन	21.10.2021 सायं 5:00 से 22.10.2021 प्रातः 10:00 बजे तक
ब्रांच परिवर्तन की सूची एवं पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता	23.10.2021 को रात्रि 11:00 बजे तक

संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC)

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	19.10.2021 से 25.10.2021 रात्रि 11:30 बजे तक
इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये उपस्थित होना।	24.10.2021 से 25.10.2021 अंतिम दिन रात्रि 11:45 तक।

- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी मार्गदर्शिका/काउंसलिंग प्रक्रिया, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।
- काउंसलिंग के किसी भी चरण में प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करने की अंतिम दिनांक/समय से आवंटन जारी होने तक प्रवेश निरस्तीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।
- **संपर्क : 0755-6720205, 2660441, ईमेल : dte.helpcenter@mp.gov.in**

(कोविड-19 के कारण, सहायता केन्द्रों पर किसी भी अभ्यर्थी को जाने की आवश्यकता नहीं)

अध्यक्ष काउंसलिंग समिति एवं

म.प्र. माध्यम/102254/46055/2021 **आयुक्त, तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ग्वालियर संभाग क्र. 02, मकान नं. सी-31, कुलपति निवास के सामने, गोविन्दपुरी चौराहा, सचिन तेन्दुलकर रोड़, सिटी सेंटर, ग्वालियर पिन-474011

निविदा आमंत्रण सूचना- 12/2021-22

कार्यालय मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग, ग्वालियर क्र.-2 द्वारा निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 12/2021-22 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा की कार्यवाही की गई है। जिसके ऑनलाइन निविदा क्र. MPPHC_163009_1 है। निविदा प्रपत्र दिनांक 18.10.2021 तक खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

म.प्र. माध्यम/102194/46043/2021

म.प्र. पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी., महाश्वेता नगर, इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.), E-mail : mpphcl_ujjain@yahoo.in

फोन नं. 0734-2527715 मोबा. 9406808103

क्र. 1107 /पय/मप्रपुहाइडेकालि/21/उज्जैन दिनांक : 04.10.2021

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 20/2021-22

मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत **निविदा क्रमांक 20/2021-22 दिनांक 04.10.2021** के अंतर्गत निर्माण कार्य 400 मीटर सिंथेटिक एथेलेटिक ट्रेक, नानाखेड़ा स्टेडियम, उज्जैन (टॉप लेयर्स ओव्हर सबग्रेड) कार्यों की ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2021_MPPHC_162621 आमंत्रित की गई है।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 04.10.2021, 17.00 बजे से क्रय किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal: https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/102160/46037/2021 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-02, डी-16, कचनार सिटी, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) - 482002

Email : mpphcjabalpur2@gmail.com

निविदा प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.-02 के अंतर्गत निविदा क्रमांक 17/2021-22 जबलपुर में निर्माण कार्य एस. डी. आर.ई.एफ. भवन होमगार्ड मुख्यालय परिसर, जिला-जबलपुर का कार्य (ऑनलाइन निविदा क्र. 2021_MPPHC_162709) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 19.10.2021 तक** खरीद कर सायं 18.00 बजे तक सबमिट किये जा सकते हैं जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : **https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/102177/46041/2021 **परियोजना यंत्री**

पचमढ़ी में नीमघान एडवेंचर टूर शुरू - एस. विश्वनाथन

होशंगाबाद, पर्यटकों और एडवेंचर लवर्स के लिए पर्यटन विभाग ने वन विभाग के सहयोग से पचमढ़ी में 2 अक्टूबर से नवाचार के रूप में 'नीमघान एडवेंचर टूर' की शुरुआत की है। पर्यटन विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री एस. विश्वनाथन ने बताया कि मध्यप्रदेश पर्यटन हमेशा अपने पर्यटकों के आकर्षण के लिए कुछ न कुछ नई गतिविधियां और नवाचार करता है। नीमघान एडवेंचर टूर सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व क्षेत्र में संचालित होगा। इसमें पर्यटक एडवेंचर टूर के दौरान वाइल्ड लाइफ, रॉक पेंटिंग, बटर फ्लाई पार्क, कॉफी गार्डन देखने के साथ लंच में कोदो-कुटकी, ज्वार और बाजरा से बने व्यंजनों का लुत्फ़ ले सकेंगे।

श्री विश्वनाथन ने बताया कि नीमघान एडवेंचर टूर के लिए राज्य पर्यटन विकास निगम और सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व के बीच अनुबन्ध किया गया है। नीमघान एडवेंचर टूर भ्रमण के लिए पर्यटन निगम के मुख्यालय, मार्केटिंग कार्यालयों और पचमढ़ी में स्थित इकाइयों से प्री-बुकिंग करा सकते हैं। नीमघान एडवेंचर टूर रोजाना निगम की पचमढ़ी स्थित इकाइयों होटल ग्लेन व्यू और चम्पक बंगले से सुबह 9.30 बजे से शुरू होकर शाम 6 बजे समाप्त होगा। टूर में जंगल ट्रेल के अतिरिक्त जिप्सी के द्वारा भी भ्रमण कराया जायेगा। एक जिप्सी में अधिकतम 6 व्यक्ति बैठ सकेंगे।

श्री विश्वनाथन ने बताया कि लगभग 30 किलोमीटर के दिनभर के एडवेंचर टूर में पर्यटकों को 500 मीटर की दूरी की एक जंगल ट्रेल भी कराई जायेगी। पर्यटकों के लिये निगम ने कुछ खास इंतजाम किये हैं, जिनमें दोपहर लंच में चूल्हे पर बनी रोटी, दोपहर में थोड़ी देर विश्राम करने के लिए खटिया और पेड़ों पर झूलों की व्यवस्था शामिल हैं।

ट्राइडेंट लिमिटेड बुधनी द्वारा 35 महिला प्रशिक्षणार्थियों का चयन

भोपाल, संचालक, कौशल विकास श्री जितेन्द्र सिंह राजे ने बताया कि महिलाओं के लिए आयोजित विशेष अप्रेन्टिसशिप ड्राइव में 35 महिला प्रशिक्षणार्थियों का ट्राइडेंट लिमिटेड बुधनी में चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि 30 सितंबर को शासकीय आईटीआई भोपाल के ट्राइडेंट लिमिटेड में ड्रेस मेकिंग, सीविंग टेक्नोलॉजी (कटिंग और टेलरिंग), फैशन डिजाइन एवं टेक्नोलॉजी ट्रेड से आईटीआई उत्तीर्ण 25 प्रशिक्षणार्थियों और कौशल प्रमाण-पत्र (PMKY/DDUGKY/MMKY/YSY) धारक 10 प्रशिक्षणार्थियों का चयन हुआ है। सफल प्रशिक्षणार्थी को 10 हजार 400 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड, निःशुल्क आवास, चिकित्सा एवं अन्य सुविधाएं प्राप्त होंगी।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जयंती - 15 अक्टूबर

प्रयत्न करते रहें, समस्याओं से हार नहीं मानें

डॉ. अबुल पाकिर जैनुल आब्दीन अब्दुल कलाम यानी डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम देश के 11वें राष्ट्रपति थे। इसके साथ ही वे वैज्ञानिक, शिक्षक और फिलॉसफर भी थे। भारत रत्न से सुशोभित डॉ. कलाम वैज्ञानिक सोच के साथ-साथ बौद्धिकता में काफी समृद्ध थे। रक्षा क्षेत्र में मिसाइल कार्यक्रम के जनक के रूप में उन्होंने अपनी पहचान बनाई थी। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती 15 अक्टूबर के दिन होती है। 15 अक्टूबर, 1931 को धनुषकोडी गांव, रामेश्वरम् में इस अद्भुत वैज्ञानिक का जन्म हुआ था। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार में जन्मे कलाम का बचपन अभावों के बीच भले बीता, लेकिन उनके अंदर की नैसर्गिक प्रतिभा का तेज इससे बिलकुल भी कम नहीं हुआ। बचपन से ही पढ़ने में कुशाग्र बुद्धि के कलाम ने अपनी प्रतिभा की बदौलत ही जीवन में कई ऊंचाइयां हासिल कीं और देश के सर्वोच्च पद तक पहुंचे।

बचपन में घर का खर्च चलाने के लिए अखबार बेचा, चुनौतियों को पार करते हुए बढ़े आगे

डॉ. कलाम के परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, इसलिए उन्हें कम उम्र से ही काम करना पड़ा। पिता की आर्थिक मदद के लिए कलाम स्कूल के बाद समाचार पत्र बांटने का कार्य करते थे। स्कूल के दिनों में कलाम पढ़ाई-लिखाई में सामान्य थे पर नयी चीज सीखने के लिए हमेशा तत्पर और तैयार रहते थे। डॉ. कलाम ने स्कूली शिक्षा रामनाथपुरम के स्च्वार्त्ज मैट्रिकुलेशन स्कूल से पूरी की और उसके बाद तिरूचिरापल्ली के सेंट जोसेफ्स कॉलेज में दाखिला लिया, जहां से उन्होंने 1954 में भौतिक विज्ञान में स्नातक किया। उसके बाद वर्ष 1955 में वो मद्रास चले गए जहां से उन्होंने एयरोस्पेस इंजीनियरिंग की शिक्षा ग्रहण की। वर्ष 1960 में उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग पूरी की थी। मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद कलाम रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) में वैज्ञानिक के तौर पर भर्ती हुए थे।

1969 में उन्हें ISRO भेज दिया गया, जहां उन्होंने परियोजना निदेशक के पद पर काम किया। उन्होंने पहला उपग्रह प्रक्षेपण यान SLV III और ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान यानी PSLV को बनाने में अपना अहम योगदान दिया। 1980 में भारत सरकार ने एक आधुनिक मिसाइल प्रोग्राम अब्दुल कलाम के निर्देशन से शुरू करने का विचार किया, इसलिए उन्हें दोबारा डीआरडीओ में भेजा गया। उसके बाद एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम यानी Integrated Guided Missile Development Program के मुख्य कार्यकारी के रूप में उन्होंने काम शुरू किया। डॉ. कलाम के निर्देशन में अग्नि, पृथ्वी जैसी मिसाइल का विकास हुआ। वह देश के पहले सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल के प्रोजेक्ट डायरेक्टर थे, जिसने 1980 में रोहणी उपग्रह को पृथ्वी की ऑर्बिट में स्थापित किया था। पोखरण-II परमाणु परीक्षण के दौरान वो चीफ प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर थे। 70 और 80 के दशक में अपने कार्यों और सफलताओं से डॉ. कलाम भारत में काफी प्रसिद्ध हो गए थे और देश के सबसे बड़े वैज्ञानिकों में उनका नाम लिया जाने लगा था। जुलाई 1992 से लेकर दिसम्बर 1999 तक डॉ. कलाम प्रधानमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के सचिव थे। भारत ने अपना दूसरा परमाणु परीक्षण इसी दौरान किया था, उन्होंने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वर्ष 1998 में डॉ. कलाम ने हृदय चिकित्सक सोमा राजू के साथ मिलकर कम कीमत का 'कोरोनरी स्टेंट' का विकास किया, जिसे 'कलाम-राजू स्टेंट' का नाम दिया गया था। डॉ. कलाम भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम और मिसाइल विकास कार्यक्रम के साथ भी जुड़े थे। इसी कारण उन्हें 'मिसाइल मैन' भी कहा जाता है।

अपनी आत्मकथा 'माई जर्नी' में डॉ. कलाम ने लिखा है कि जीवन के वे दिन काफी कसमसाहट भरे थे। एक तरफ विदेशों में शानदार कॅरियर था तो दूसरी तरफ देश-सेवा का आदर्श। बचपन के सपनों को सच करने के अवसर का चुनाव करना कठिन था कि आदर्शों की ओर चला जाये या धनवान होने के अवसर को गले लगाया जाये। अन्ततः मैंने तय किया कि पैसों के लिए विदेश नहीं जाऊंगा। कॅरियर की परवाह के लिए देश-सेवा का अवसर नहीं छोड़ूंगा।

संजीदा राष्ट्रपति, हमेशा दूसरों की मदद को रहे आगे, परिवार का खर्च खुद भरा

25 जुलाई, 2002 को भारत के 11वें राष्ट्रपति के रूप में डॉ. कलाम ने शपथ ग्रहण की थी। डॉ. कलाम देश के ऐसे तीसरे राष्ट्रपति थे जिन्हें राष्ट्रपति बनने से पहले ही भारत रत्न ने नवाजा जा चुका था। इससे पहले डॉ. राधाकृष्णन और डॉ. जाकिर हुसैन को राष्ट्रपति बनने से पहले 'भारत रत्न' से सम्मानित किया जा चुका था। उनके कार्यकाल के दौरान उन्हें 'जनता का राष्ट्रपति' कहा गया। मई 2006 में कलाम ने अपने परिवार के करीब 52 लोगों को दिल्ली आमंत्रित किया। ये लोग आठ दिन तक राष्ट्रपति भवन में रुके। कलाम के सचिव रहे पीएम नायर ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि कलाम ने अपने परिवार के राष्ट्रपति भवन में रुकने का किराया अपनी जेब से दिया। यहां तक कि एक प्याली चाय तक का भी हिसाब रखा गया। डॉ. कलाम का मानवीय पक्ष बहुत मजबूत था। एक बार वो ठंड के दौरान राष्ट्रपति भवन के गार्डेन में टहल रहे थे, उन्होंने देखा कि सुरक्षा गार्ड के केबिन में हीटिंग की कोई व्यवस्था नहीं है और कड़ाके की ठंड में सुरक्षा गार्ड की कंपकपी छूट रही है। उन्होंने तुरंत संबंधित अधिकारियों को बुलाया और उनसे गार्ड के केबिन में जाड़े के दौरान हीटर और गर्मी के दौरान पंखा लगवाने की व्यवस्था करवाई। एक बार मुगल गार्डेन में टहलने के दौरान उन्होंने देखा कि एक मोर अपना मुंह नहीं खोल पा रहा है, उन्होंने तुरंत राष्ट्रपति भवन के वेटरनरी डॉक्टर को बुलाकर मोर की स्वास्थ्य जांच करने के लिए कहा, जांच करने पर पता चला कि मोर के मुंह में ट्यूमर है, जिसकी वजह से वो न तो अपना मुंह खोल पा रहा और न ही बंद कर पा रहा है। वो कुछ भी खा नहीं पा रहा था और बहुत तकलीफ में था। कलाम के कहने पर डॉक्टर ने उस मोर की आपात सर्जरी की और उसका ट्यूमर निकाल दिया। उस मोर को कुछ दिनों तक आईसीयू में रखा गया और पूरी तरह ठीक हो जाने के बाद मुगल गार्डेन में छोड़ दिया गया।

शिक्षक के तौर पर कलाम कई पुस्तकों के रचनाकार

कलाम हमेशा से देश के युवाओं और उनके भविष्य को बेहतर बनाने के बारे में बातें करते थे, राष्ट्रपति पद से सेवामुक्त होने के बाद डॉ. कलाम शिक्षण, लेखन, मार्गदर्शन और शोध जैसे कार्यों में व्यस्त रहे और भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिलांग, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर जैसे संस्थानों से विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर जुड़े रहे। इसके अलावा वह भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु के फेलो, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तिरुवनन्थपुरम के चांसलर, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के प्रोफेसर भी रहे। उन्होंने आईआईआईटी हैदराबाद, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी और अन्ना यूनिवर्सिटी में सूचना प्रौद्योगिकी भी पढ़ाया था। डॉ. कलाम ने 2012 में भारतीय युवायों के लिए एक कार्यक्रम 'What Can I Give Movement' शुरू किया, जिसका उद्देश्य भारत में भ्रष्टाचार को हराना था।

डॉ. कलाम ने कई पुस्तकें भी लिखी जिनमें प्रमुख हैं 'इंडिया 2020 : अ विज़न फॉर द न्यू मिलेनियम', 'विंग्स ऑफ़ फायर', 'माय जर्नी', 'इग्नाइटेड माइंडस : अनलीशिंग द पॉवर विदिन इंडिया', 'मिशन इंडिया', 'इंडोमिटेबल स्पिरिट' आदि। इन पुस्तकों का कई भारतीय तथा विदेशी भाषाओं में अनुवाद हो चुका है।

देश और समाज के लिए किये गए उनके कार्यों के लिए डॉ. कलाम को अनेकों पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। लगभग 40 विश्वविद्यालयों ने उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि दी और भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण, पद्म विभूषण और भारत के सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से अलंकृत किया था। विज्ञान क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए इन्हें 1981 में पद्म भूषण और 1990 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था, वहीं रक्षा अनुसंधान क्षेत्र में अपने उल्लेखनीय योगदान के लिए इन्हें 1997 में देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्हें देश-दुनिया के कई पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए थे। 27 जुलाई 2015 को भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिलांग में अध्यापन कार्य के दौरान दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। डॉ. कलाम एक प्रख्यात वैज्ञानिक, प्रशासक, शिक्षाविद् और लेखक के तौर पर हमेशा याद किए जाएंगे और देश की वर्तमान एवं आने वाली कई पीढ़ियां उनके प्रेरक व्यक्तित्व एवं महान कार्यों से प्रेरणा लेती रहेंगी।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- वर्ष 2011 में प्रदर्शित हुई हिंदी फिल्म 'आई ऍम कलाम' इनके जीवन से प्रभावित है।
- डॉ. कलाम ने लिखा है, 'प्रो. सतीश धवन ने देश, विशेषकर युवकों के, सामने नेतृत्व की ऐसी मिसाल रखी जो हमें प्रबंधन की किसी पुस्तक में नहीं मिल सकती। उन्होंने अपने स्वयं के उदाहरण से हमें बहुत कुछ सिखाया। जो सबसे महत्वपूर्ण बात मैंने सीखी वह यह थी कि जब कोई मिशन प्रगति पर हो तो हमेशा कुछ न कुछ समस्याएं या असफलताएं सामने आएंगी ही, किंतु असफलताओं के कारण कार्यक्रम बाधित नहीं होना चाहिए।'
- डॉ. कलाम ने अपनी पुस्तक में डॉ. साराभाई के बारे में लिखा है, 'मुझे प्रो. विक्रम साराभाई के साथ सात वर्षों तक कार्य करने का सौभाग्य मिला हुआ है। उनके सान्निध्य में काम करते हुए मैंने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की कल्पना को सच में रूपांतरित होते देखा था। अगर प्रो. साराभाई जैसे वैज्ञानिक न होते तो भारत कभी इस क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश नहीं बन पाता।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान - खेल

1. किस खिलाड़ी के नाम फीफा वर्ल्डकप के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड है?
(अ) हैरी केन
(ब) क्रिस्टियानो रोनाल्डो
(स) मिरोस्लाव क्लोस
(द) डिएगो मैराडोना

2. इनमें से किस देश का राष्ट्रीय खेल बैडमिंटन है?
(अ) जापान (ब) इंडोनेशिया
(स) द. कोरिया (द) म्यांमार

3. इस वर्ष रॉटरडैम ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के चैम्पियन बने हैं?
(अ) आंद्रे रूबलेव
(ब) डोमिनिक थिएम
(स) डेनिल मेदवेदेव
(द) एलेक्जेंडर ज्वेरेव

4. टोक्यो ओलिंपिक में मैराथन रेस में पुरुष वर्ग का स्वर्ण पदक किसने जीता है?
(अ) इलियुड किपचोगे
(ब) अब्दी नागीयी
(स) जोशुआ चेपतेगेई
(द) इनमें से कोई नहीं

5. सुर्तीथा मुखर्जी किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करतीं हैं?
(अ) वैडमिंटन
(ब) टेबल टेनिस
(स) तलवारबाजी
(द) इनमें से कोई नहीं

6. टोक्यो ओलिंपिक में 100 मीटर दौड़ की चैम्पियन एलिन थॉम्पसन किस देश का प्रतिनिधित्व करतीं हैं?
(अ) अमेरिका (ब) ब्रिटेन
(स) इटली (द) जमैका

7. जर्मनी ने कितनी बार यूरो कप का खिताब जीता है?
(अ) एक बार (ब) दो बार
(स) तीन बार
(द) इनमें से कोई नहीं

8. इस वर्ष वॉशिंगटन ओपन में पुरुष वर्ग के चैम्पियन बने हैं?
(अ) निक किर्गियोस
(ब) जेनिक सिनर
(स) एलेक्स डि मिनोर
(द) गेल मोन्फिल्स

9. वर्ष 2018 में एएफसी वूमेन एशियन कप किस देश में आयोजित किया गया था?
(अ) जॉर्डन (ब) विएतनाम
(स) किर्गिस्तान (द) हांग कांग

10. हाल ही में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने किस क्लब के साथ करार किया है?
(अ) पेरिस सेंट जर्मेन
(ब) मैनचेस्टर यूनाइटेड
(स) बार्सिलोना
(द) बायर्न म्युनिख

11. इनमें से किस टेनिस खिलाड़ी ने टोक्यो ओलिंपिक में हिस्सा नहीं लिया था?
(अ) रोजर फेडरर
(ब) राफेल नडाल
(स) डोमिनिक थिएम
(द) उपरोक्त सभी

12. फॉर्मूला-वन रेसर डेनियल रिकियार्डो किस देश के खिलाड़ी हैं?
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) नीदरलैंड्स
(स) ब्रिटेन (द) अर्जेंटीना

13. इस वर्ष यूएफ़ा सुपर कप का खिताब किस फुटबॉल क्लब ने जीता है?
(अ) लिवरपूल (ब) बार्सिलोना
(स) जुवेंटस (द) चेल्सी

14. इंग्लैंड ने वर्ष 2019 में किसकी कप्तानी में आईसीसी वन-डे वर्ल्डकप जीता है?
(अ) बेन स्टोक्स (ब) जो रूट
(स) इयोन मॉर्गन (द) जोस बटलर

15. अमित पंघाल ने वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप-2019 में कौन-सा पदक जीता था?
(अ) स्वर्ण पदक (ब) रजत पदक
(स) कांस्य पदक
(द) इनमें से कोई नहीं

16. फवाद मिर्जा किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) निशानेबाजी (ब) तलवारबाजी
(स) घुड़सवारी (द) रोलर स्केटिंग

17. टोक्यो ओलिंपिक में फुटबॉल में महिला वर्ग का स्वर्ण पदक किस देश ने जीता है?
(अ) कनाडा (ब) अमेरिका
(स) स्वीडन (द) जापान

18. पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ ने टेस्ट क्रिकेट में कितने शतक बनाए हैं?
(अ) 24 (ब) 28
(स) 30 (द) 36

19. विम्बलडन में सबसे ज्यादा बार महिला एकल वर्ग का खिताब जीतने वाली खिलाड़ी हैं?
(अ) स्टेफी ग्राफ
(ब) मार्टिना नवरातिलोवा
(स) सेरेना विलियम्स
(द) मारिया शारापोवा

20. मैराथन धाविका ब्रिगिड कोसगेई किस देश से संबंधित हैं?
(अ) जमैका (ब) मैक्सिको
(स) केन्या (द) इथियोपिया

21. वर्ष 2015 में वर्ल्ड एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप किस शहर में आयोजित की गई थी?
(अ) दोहा (ब) बर्लिन
(स) मॉस्को (द) बीजिंग

22. इस वर्ष लेवर कप टेनिस टूर्नामेंट किसने जीता है?
(अ) टीम यूरोप
(ब) टीम अमेरिका
(स) टीम वर्ल्ड
(द) इनमें से कोई नहीं

23. इस वर्ष बार्सिलोना ओपन में पुरुष एकल वर्ग के चैम्पियन बने थे?
(अ) एलेक्जेंडर ज्वेरेव
(ब) निक किर्गियोस
(स) राफेल नडाल
(द) एंडी मरे

24. इनमें से किस पूर्व क्रिकेटर को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का मुख्य चयनकर्ता नियुक्त किया गया है?
(अ) साइमन कैटिच
(ब) जॉर्ज बैली
(स) मैथ्यू हैडन
(द) जैसन गिलेस्पी

25. इनमें से कौन-सा टूर्नामेंट टेनिस ग्रैंडस्लैम में शामिल नहीं है?
(अ) यूएस ओपन
(ब) ऑस्ट्रेलियन ओपन
(स) सिनसिनाटी ओपन
(द) फ्रेंच ओपन

उत्तर

1. (स), 2. (ब), 3. (अ), 4. (अ), 5. (ब), 6. (द), 7. (स), 8. (ब), 9. (अ), 10. (ब), 11. (द), 12. (अ), 13. (द), 14. (स), 15. (ब), 16. (स), 17. (अ), 18. (द), 19. (ब), 20. (स), 21. (द), 22. (अ), 23. (स), 24. (ब), 25. (स)।

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

मुक्त विश्वविद्यालयों की बढ़ती उपयोगिता

मुक्त विश्वविद्यालय प्रणाली के बारे में कुछ रोचक तथ्य

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा प्रणाली दुनिया भर में शिक्षा की सबसे लोकप्रिय विधा के रूप में उभरी है। हमारे देश में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जो मुक्त और दूरस्थ शिक्षा प्रणाली पर आधारित है। एक छात्र के रूप में आपको इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि हमारे देश में मुक्त विश्वविद्यालय प्रणाली में क्या हो रहा है और शिक्षा के इस विशिष्ट तरीके की विशेषताएं क्या हैं?

आज इग्नू को दुनिया के सबसे बड़े विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता प्राप्त है। इतना ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इग्नू को मुक्त और दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में भी मान्यता दी गई है। आज, यह भारत का एकमात्र विश्वविद्यालय है जो न केवल भारत में, बल्कि दुनियाभर में शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान करता है। इसके 35 लाख से अधिक छात्र हैं और भारत और दुनिया भर में इसका विशाल नेटवर्क है।

इग्नू की विशेषतायें

इग्नू में शिक्षा की कार्यप्रणाली पारंपरिक विश्वविद्यालयों से भिन्न है। मुक्त विश्वविद्यालय प्रणाली के बारे में दिलचस्प बात यह है कि इसकी शिक्षा देने की शैली अलग है। आपको हर दिन कक्षाओं में व्याख्यान में भाग लेने की आवश्यकता नहीं है। शिक्षा आवश्यकता के अनुसार दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से दी जाती है।

विश्वविद्यालय आपसे एक स्व-शिक्षार्थी होने की अपेक्षा करता है। इस प्रयोजन के लिए यह आपके आवास पर डाक द्वारा स्व-शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराता है। ओपन यूनिवर्सिटी सिस्टम शिक्षार्थी उन्मुख अधिक है और शिक्षार्थी शैक्षणिक (शिक्षण और अधिगम) प्रक्रिया में एक सक्रिय भागीदार है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपको सीखने की प्रक्रिया में किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े, इग्नू आपकी मदद करने के लिए कई तरीकों का उपयोग करता है। इस शैली को मल्टीमीडिया टीचिंग कहा जाता है, क्योंकि यह आपके साथ संवाद करने के लिए कई मीडिया का उपयोग करती है। इनमें से अधिकतर विधियां प्रौद्योगिकी आधारित हैं। इन विधियों में :-

◆ **स्व-अनुदेशात्मक मुद्रित सामग्री (Self-Instructional Material)** : इग्नू को अपनी अध्ययन सामग्री की गुणवत्ता के लिए दुनिया भर में जाना और सराहा जाता है। प्रत्येक छात्र को अध्ययन सामग्री का एक सेट दिया जाता है, जिसे उनके पाठ्यक्रम से संबंधित सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञों द्वारा विकसित किया जाता है। स्व-अनुदेशात्मक सामग्री छात्रों को शिक्षकों की सहायता के बिना अध्ययन करने में मदद करती है। हालांकि विश्वविद्यालय उन्हें उनकी समस्याओं को हल करने के लिए अकादमिक परामर्श प्रदान करता है। मुद्रित अध्ययन सामग्री (स्व-अनुदेशात्मक शैली में लिखी गई) शिक्षार्थियों को एक प्रिंट बुक और/या ई-बुक के रूप में प्रदान की जाती है, जिसमें ब्लॉक और इकाइयां शामिल हैं। एक ब्लॉक जो पुस्तिका के रूप में आता है, उसमें आमतौर पर 3 से 5 इकाइयां होती हैं। आप यह भी पाएंगे कि प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए क्रेडिट नियत किए गए हैं (प्रति क्रेडिट औसतन 1 ब्लॉक)। आपने पारंपरिक शिक्षा प्रणाली में क्रेडिट शब्द के बारे में नहीं सुना होगा। मुक्त विश्वविद्यालय प्रणाली में प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए क्रेडिट दिया जाता है ताकि आपको उस पाठ्यक्रम के कार्यभार को समझने में मदद मिल सके। एक क्रेडिट का अर्थ है 30 घंटे का अध्ययन समय। इसलिए क्रेडिट के आधार पर आपको अनुमानित समय पता चल जाएगा जो पाठ्यक्रम सामग्री को समझने के लिए आवश्यक है।

◆ **ऑडियो-विजुअल मैटेरियल एड्स (Audio Visual Materials Aids)** : लर्निंग पैकेज में ऑडियो और वीडियो प्रोग्राम शामिल हैं, जो विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षार्थियों को दिए गए पाठ्यक्रम सामग्री के बेहतर स्पष्टीकरण और समझ को बढ़ाने के लिए तैयार किए गए हैं। विषयों की पहचान विशेषज्ञ समिति द्वारा गहन चर्चा के बाद की जाती है । इस प्रकार ये ऑडियो वीडियो कार्यक्रम छात्रों के लिए बेहद उपयोगी हैं। विश्वविद्यालय ने सभी छात्रों द्वारा निःशुल्क उपयोग के लिए उन्हें वेबसाइट पर रखा है। एक वीडियो कार्यक्रम सामान्य रूप से 25-30 मिनट की अवधि का होता है। इग्नू ने अपनी वेबसाइट पर ऐसी तमाम ऑडियो और विजुअल सामग्री अपलोड की है। इस प्रकार ज्ञान संसाधनों का एक ऑनलाइन भंडार बनाया गया है। इसे ई ज्ञान कोष (E Gyan Kosh) कहा जाता है। वीडियो कार्यक्रम, ज्ञान दर्शन और स्वयंप्रभा चैनलों पर भी प्रसारित होते हैं। सभी ज्ञानवाणी स्टेशन अपने कार्यक्रम के अनुसार पाठ्यक्रम आधारित ऑडियो कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं जो पहले से अधिसूचित किए जाते हैं। इसके अलावा, आकाशवाणी के कुछ चुनिंदा स्टेशनों से भी श्रव्य कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। शिक्षार्थी अपने अध्ययन केंद्रों से कार्यक्रमों की तारीखों की पुष्टि कर सकते हैं। जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से भी प्रदान की जाती है।

◆ **परामर्श सत्र (Academic Counselling)** : आम तौर पर परामर्श सत्र अध्ययन केंद्रों के कर्मचारियों द्वारा आयोजित किए जाते हैं, जो विश्वविद्यालय के पूर्णकालिक कर्मचारी नहीं हैं। इसलिए, इस तरह के सत्र आमतौर पर सप्ताहांत पर आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा, क्योंकि ज्यादातर छात्र नियमित सप्ताह के दिनों में उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए सप्ताहांत आम तौर पर उनकी सुविधा के अनुरूप है। ये ज्यादातर मेजबान संस्थानों के नियमित कामकाजी घंटों के बाहर आयोजित किए जाते हैं जहां अध्ययन केंद्र स्थित हैं। तथापि, यदि किसी कार्यक्रम में छात्रों की संख्या कम है, तो परामर्श आयोजित नहीं किया जाता है। ऐसे मामलों में विश्वविद्यालय शिक्षार्थियों को वेब समर्थित शैक्षणिक सहायता प्रदान करता है।

◆ **टेलीकॉन्फ्रेंस (Teleconference)**: लाइव सत्र उपग्रह के माध्यम से इंटरैक्टिव ज्ञान दर्शन चैनल के साथ-साथ http://ignouonline.ac.in पर वेबकास्ट और फेसबुक लाइव सत्रों के माध्यम से आयोजित किए जाते हैं। ये सत्र सीधे इग्नू हेड क्वार्टर से आयोजित किए जाते हैं जहां विश्व-विद्यालय में उपग्रह चैनलों के इनहाउस संचालन के लिए आधुनिक सुविधाएं हैं। ऐसे सत्रों की समय सारणी इग्नू की वेब साइट पर नियमित रूप से अपलोड किया जाता है। क्षेत्रीय केंद्र सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से भी इस जानकारी का प्रचार-प्रसार करते हैं।

◆ **प्रायोगिक/परियोजना कार्य (Practical/Project)** : कुछ कार्यक्रमों में आवश्यकताओं के आधार पर व्यावहारिक/परियोजना घटक भी होते हैं। प्रायोगिक सत्र नामित संस्थानों में आयोजित किए जाते हैं, जिसके लिए अध्ययन केंद्रों द्वारा कार्यक्रम उपलब्ध कराया जाता है। प्रायोगिक सत्र में उपस्थिति अनिवार्य है। परियोजना कार्य के लिए, विस्तृत परियोजना मार्गदर्शिका, एक पुस्तिका के रूप में, शिक्षार्थी को अध्ययन सामग्री के साथ प्रदान की जाती है। इग्नू के अनुमोदित अकादमिक काउंसलर छात्रों को उनके प्रोजेक्ट वर्क के लिए गाइड करते हैं।

ई-ज्ञान कोष

इग्नू का ई-ज्ञान कोष दुनिया के सबसे बड़े शैक्षिक संसाधनों में से एक है जो शिक्षार्थियों, शिक्षकों और आम जनता के लिए मुफ्त में उपलब्ध है। यह इन दिनों बेहद उपयोगी हो गया है। इस ज्ञान भंडार के लिए लिंक इग्नू की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इग्नू के शिक्षार्थियों को अपने सीखने के लिए इन संसाधनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अगर आप इग्नू के छात्र नहीं हैं तो भी आप इन संसाधनों का लाभ उठा सकते हैं और इसका पूरा उपयोग कर सकते हैं। इस ज्ञान संसाधनों के लिए इग्नू को प्रतिष्ठित मंथन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आप इसे निम्न लिंक पर देख सकते हैं: http://egyankosh.ac.in/ई-ज्ञान कोष में वर्तमान में 2500 से अधिक पाठ्यक्रमों की स्व-शिक्षण सामग्री और इग्नू के इतने ही वीडियो कार्यक्रम हैं। ये संसाधन छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं क्योंकि उन्हें विश्वसनीय शैक्षिक संसाधनों के लिए इंटरनेट पर सिंगल विंडो मिलती है।

इग्नू-ई-कंटेंट मोबाइल एप

इग्नू-ई-कंटेंट मोबाइल एप इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू), नई दिल्ली का आधिकारिक मोबाइल एप है। यह एप शिक्षार्थियों को डिजिटल लर्निंग का अनुभव प्रदान करने और प्रौद्योगिकी संवर्धित शिक्षार्थी सहायता सेवाओं का विस्तार करने के लिए इग्नू की एक आई.सी.टी. पहल है। इस पहल का उद्देश्य डिजिटाइज्ड कोर्स सामग्री का प्रसार करना है। शिक्षार्थी इस एप के माध्यम से इग्नू की पूरी पाठ्यक्रम सामग्री तक पहुंच सकते हैं।

ई लाइब्रेरी का लाभ

इग्नू के छात्र भी विशेष रूप से उनके लिए बनाई गई ई लाइब्रेरी का लाभ ले सकते हैं। वे www.ignou.ac.in में विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विवरण देख सकते हैं।

वेब सक्षम अकादमिक सहायता (WEAS)

दूरस्थ विधा कार्यक्रमों के शिक्षार्थियों को प्रौद्योगिकी आधारित अकादमिक सहायता प्रदान करने के लिए इग्नू ने इग्नू के विभिन्न ओडीएल कार्यक्रमों के लिए वेब इनेबल्ड एकेडमिक सपोर्ट (WEAS) की योजना शुरू की है। WEAS एक एकल खिड़की मंच है, जो अध्ययन सामग्री, ऑडियो-वीडियो, प्रश्नोत्तरी, चर्चा मंच, गतिविधियों के कैलेंडर, वेब आधारित वीडियो परामर्श, सरल और आसानी से उपलब्ध आईसीटी उपकरणों का उपयोग करके विभिन्न प्रकार की अकादमिक सहायता प्रदान करता है। WEAS के माध्यम से पेश किए जा रहे कार्यक्रमों में नामांकित छात्रों को उनके कार्यक्रम विशिष्ट पोर्टल तक पहुंच प्रदान की जाती है जिसमें उन्हें डिजिटल प्रारूप, वीडियो और सीखने के संसाधनों में पाठ्यक्रम सामग्री प्रदान की जाती है। यह पोर्टल ऑनलाइन पीयर-टू-पीयर इंटरैक्शन, ऑनलाइन सीखने और विशेषज्ञों के साथ वस्तुतः बातचीत करने का अवसर भी देता है। WEAS तक पहुंचने के लिए लिंक पर क्लिक करें - **https://sites.google.com/ignou.ac.in/weas**

प्रवेश लेने की प्रक्रिया

प्रवेश लेने से पहले इग्नू के बारे में अद्यतन जानकारी के लिए आप प्रॉस्पेक्टस देख सकते हैं। इग्नू का प्रॉस्पेक्टस वेबसाइट पर निशुल्क उपलब्ध है। इसमें मान्यता के सभी पत्र, नियम-कायदे, संक्षिप्त पाठ्यक्रम की रूपरेखा और पात्रता शुल्क का विवरण आदि शामिल है। प्रवेश फॉर्म http://onlineadmission.ignou.ac.in में ऑनलाइन प्रवेश प्रणाली के माध्यम से ऑनलाइन (अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को छोड़कर) जमा किए जा सकते हैं। वर्तमान में, यह सुविधा योग्यता आधारित और प्रवेश परीक्षा आधारित कार्यक्रमों को छोड़कर सामान्य प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जाने वाले कार्यक्रमों के लिए उपलब्ध है । संभावित शिक्षार्थियों को सिस्टम में लॉग इन करने के लिए अपनी यूजर आईडी और पासवर्ड बनाना होता है और एडमिशन फॉर्म जमा करने के साथ जरूरी दस्तावेज अपलोड करने होते हैं। एडमिशन फॉर्म की प्रिंटेड कॉपी रीजनल सेंटर को भेजने की जरूरत नहीं है। कार्यक्रम शुल्क का भुगतान नेट बैंकिंग, डेबिट/क्रेडिट कार्ड या यूपीआई के माध्यम से पेमेंट गेटवे का उपयोग करके ऑनलाइन किया जा सकता है। एक बार एडमिशन फॉर्म ऑनलाइन सब्मिट होने के बाद स्टूडेंट्स अपने एडमिशन की प्रोग्रेस ट्रैक कर सकते हैं। एडमिशन कन्फर्म होने के बाद सिस्टम में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी पर मैसेज भेजा जाता है। प्रवेश फार्म में किसी प्रकार की विसंगति होने पर भावी छात्रों को एक निर्धारित समय में विसंगति दूर करने की सलाह दी जाती है। ऐसा न करने पर एडमिशन फॉर्म रद्द हो जाएगा। इस सिस्टम के माध्यम से प्रवेश फॉर्म जमा करने वाले संभावित शिक्षार्थी इग्नू की वेबसाइट http://www.ignou.ac.in से प्रॉस्पेक्टस मुफ्त डाउनलोड कर सकते हैं। तथापि, कार्यक्रम शुल्क के साथ-साथ पंजीकरण शुल्क के रूप में 200 रुपये की राशि ली जाती है। विदेशी नागरिकों को उनके लिए प्रस्ताव पर कार्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय (http://ignou.ac.in/ignou/aboutignou/division/id/introduction) के International प्रभाग के पृष्ठ पर जाने की सलाह दी जाती है; उनके लिए कार्यक्रम शुल्क और अन्य शुल्क लागू होते हैं। वे अधिक जानकारी के लिए मुख्यालय में विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय प्रभाग से भी संपर्क कर सकते हैं।

मूल्यांकन प्रणाली

विश्वविद्यालय द्वारा अपनाई जाने वाली मूल्यांकन प्रणाली भी पारंपरिक विश्वविद्यालयों से भिन्न है। इग्नू में मूल्यांकन की बहुस्तरीय प्रणाली है।

1. अध्ययन सामग्री की प्रत्येक इकाई के भीतर स्व-मूल्यांकन अभ्यास।
2. मुख्य रूप से शिक्षक-चिह्नित असाइनमेंट, व्यावहारिक असाइनमेंट और संगोष्ठी/कार्यशाला/विस्तारित संपर्क कार्यक्रम आदि के माध्यम से निरंतर मूल्यांकन।
3. सत्रांत परीक्षा (टीईई)।
4. परियोजना/सत्रांत प्रायोगिक परीक्षा।

शिक्षार्थियों का मूल्यांकन उनके द्वारा की गई विभिन्न शिक्षण गतिविधियों पर निर्भर करता है। एक शैक्षणिक कार्यक्रम को पूरा करने के लिए समय-समय पर सत्रांत परीक्षा देने से पहले एक शिक्षार्थी को सत्रीय कार्य के उत्तर लिखना अनिवार्य है। एक शिक्षार्थी को उस अध्ययन केंद्र के समन्वयक को ट्यूटर मार्क्ड असाइनमेंट (टीएमए) प्रस्तुत करना होता है, जिससे वह जुड़ा हुआ है। सत्रांत परीक्षा हर साल जून और दिसंबर में देश और विदेश में फैले विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाती है।

शिक्षार्थियों की उपलब्धि का मूल्यांकन करने के लिए इग्नू 'ग्रेडिंग' की प्रणाली का उपयोग करता है। स्नातक और परास्नातक डिग्री कार्यक्रमों के लिए, सामान्य रूप से संख्यात्मक अंकन की प्रणाली का पालन किया जाता है और असाइनमेंट, परीक्षा आदि में प्राप्त अंकों को बाद में पांच-बिंदु ग्रेडिंग स्केल के अनुसार ग्रेड में बदल दिया जाता है। हालांकि, यदि शिक्षार्थी द्वारा आवश्यक हो, तो विश्वविद्यालय संख्यात्मक अंक और विभाजन (I, II या पास) प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय जून और दिसंबर के महीनों में साल में दो बार सत्रांत परीक्षा आयोजित करता है। एक शिक्षार्थी को निम्नलिखित शर्तों के अधीन सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति है :

- पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण वैध है और समयबद्ध नहीं है।
- जहां कहीं लागू हो, नियत तारीख तक पाठ्यक्रमों में अपेक्षित संख्या में सत्रीय कार्य जमा कर दिए गए हैं।
- कार्यक्रम के प्रावधान के अनुसार इन पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए न्यूनतम समय पूरा कर लिया गया है।
- परीक्षा में शामिल होने वाले सभी पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा शुल्क का भुगतान किया गया है।

उपरोक्त किसी भी शर्त का पालन न करने की स्थिति में, ऐसे सभी पाठ्यक्रमों का परिणाम विश्वविद्यालय द्वारा रोका जा सकता है। शिक्षार्थियों को हर बार सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के लिए परीक्षा फॉर्म भरना होता है अर्थात प्रत्येक परीक्षा (जून/दिसंबर) के लिए एक शिक्षार्थी को नए सिरे से आवेदन करना होता है। परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन स्वीकार किए जाते हैं।

चयनित कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों के लिए शुल्क में छूट

इग्नू ने चयनित शैक्षणिक कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के छात्रों के लिए शुल्क में छूट की सुविधा तैयार की है। इस योजना की समीक्षा प्रवेश के हर चक्र में की जाती है और अधिसूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाती है। हालांकि छात्र बैंक ऋण की सुविधा का भी लाभ उठा सकते हैं। विद्या लक्ष्मी पोर्टल शिक्षा ऋण लेने वाले छात्रों के लिए अपनी तरह का पहला पोर्टल है। अगस्त 2015 में स्थापित, यह छात्रों के लिए जानकारी प्राप्त करने और शैक्षिक ऋण और सरकारी छात्रवृत्ति के लिए आवेदन तैयार करने के लिए एक एकल खिड़की इलेक्ट्रॉनिक मंच है। पोर्टल में ऋण आवेदन की शुरुआत से लेकर ऋण की स्वीकृति पूरी होने तक या अन्यथा छात्रों को ट्रैक करने की सुविधा है। पोर्टल को एनएसडीएल ई-गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा विकसित और बनाए रखा गया है। लगभग 40 बैंकों ने विद्या लक्ष्मी पोर्टल पर 70 से अधिक शैक्षिक ऋण योजनाओं के लिए पंजीकरण कराया है और छात्रों को ऋण प्रसंस्करण का दर्जा प्रदान करने के लिए पोर्टल के साथ अपनी प्रणाली को एकीकृत किया है।

डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डेय

(लेखक - इग्नू, भोपाल में क्षेत्रीय निदेशक, हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य हिन्दी

I. निर्देश - निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छांटकर लिखिए :

मनुष्य को सर्वश्रेष्ठ प्राणी इसलिए नहीं कहा गया कि वह खता-पीता, सोता, हंसता, चलता तथा संतान उत्पन्न करता है। यह सब कार्य तो पशु भी करते हैं। फिर मनुष्य तथा अन्य प्राणियों में क्या अन्तर है। मनुष्य के पास विवेक है। वह अच्छे और बुरे में अन्तर कर सकता है। मानव अपने बुद्धि बल से सभी जीवों पर विजय प्राप्त करता आया है। इतना ही नहीं नए-नए अनुसंधानों तथा आविष्कारों द्वारा उसने अपने जीवन को सुख एवं सुविधाओं से भर दिया है। विज्ञान की प्रगति यदि इसी प्रकार होती रही, तो वह दिन दूर नहीं जब यही पृथ्वी स्वर्ग बन जाएगी। आवश्यकता इस बात की है कि वह अपने विवेक और बुद्धि बल का प्रयोग विनाशकारी कार्यों में न करके रचनात्मक कार्यों में करे। यदि ज्ञान-विज्ञान का दुरूपयोग होता रहा, तो वह अपना आस्तित्व मिटा देगा। अतः आत्मसंयम एवं विवेक ही एक मात्र सुख और शांति का मार्ग है।

1. मनुष्य सर्वश्रेष्ठ प्राणी अपने किस गुण से है?
(A) खान-पान से
(B) आर्थिक बल से
(C) शारीरिक बल से
(D) विवेक से
उत्तर - (D) विवेक से

2. मनुष्य ने सभी जीवों पर किसके बल पर विजय प्राप्त की है?
(A) शरीर
(B) मन
(C) बुद्धि
(D) अस्त्र-शस्त्र
उत्तर - (C) बुद्धि

3. मानव जीवन सुख-सुविधाओं में किसके द्वारा सम्पन्न हुआ है?
(A) प्रकृति
(B) विज्ञान
(C) धन
(D) बल
उत्तर - (B) विज्ञान

4. ज्ञान-विज्ञान के दुरूपयोग से किसका विनाश होगा?
(A) पर्यावरण का
(B) मानवता का
(C) जीवों का
(D) सब का
उत्तर - (D) सब का

5. इस गद्यांश का उचित शीर्षक होगा?
(A) बुद्धि बल
(B) मानव की श्रेष्ठता
(C) आत्मसंयम
(D) संतुलित जीवन
उत्तर - (C) आत्मसंयम

II. निर्देश - निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छांटकर लिखिए (प्रश्न 7 से 10) :

प्रात नभ था - बहुत नीला, शंख जैसे
भोर का नाभ
राख से लीपा हुआ चौका (अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल
जरा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो,
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या
किसी की गौर, झिलमिल देह जैसे
हिल रही हो,
और
जादू टूटता है इस उषा का अब।
सूर्योदय हो रहा है।

6. 'राख से लीपा हुआ चौका' से कवि किस भाव को व्यक्त कर रहा है?
(A) गंभीरता
(B) पवित्रता
(C) शालीनता
(D) उदासीनता
उत्तर - (B) पवित्रता

7. किसका जादू टूट रहा है?
(A) नभ का
(B) सूर्य का
(C) उषा का
(D) देह का
उत्तर - (C) उषा का

8. 'केसर' क्या है?
(A) फल
(B) फूल
(C) घास
(D) सब्जी
उत्तर - (B) फूल

9. प्रातःकालीन आकाश को किस जैसा बताया है?
(A) केसर जैसा
(B) सिल जैसा
(C) शंख जैसा
(D) नीले जल जैसा
उत्तर - (C) शंख जैसा

10. इस कविता में 'चौका' क्या है?
(A) चार का अंक
(B) चौराहा
(C) रसोई
(D) चकमक
उत्तर - (C) रसोई

निम्नलिखित समास में से सही शब्द का चयन करें।

11. अव्ययीभाव?
(A) यथाविधि
(B) हस्तलिखित
(C) सुलोचना
(D) दोपहर
उत्तर - (A) यथाविधि

12. तत्पुरुष समास है?
(A) सज्जन
(B) ऋण-मुक्त
(C) नीलकमल
(D) त्रिफला
उत्तर - (B) ऋण-मुक्त

13. बहुब्रीहि समास का उदाहरण है?
(A) महाराजा
(B) वेद-पुराण
(C) त्रिनेत्र
(D) वन वास
उत्तर - (C) त्रिनेत्र

14. द्वंद समास है?
(A) चक्रधर
(B) दाल-रोटी
(C) चौमासा
(D) पुरुषोत्तम
उत्तर - (B) दाल-रोटी

15. कर्मधारय समास का उदाहरण है?
(A) लाल मिर्च
(B) अठन्नी
(C) धर्माधर्म
(D) प्रतिदिन
उत्तर - (A) लाल मिर्च

16. देश निर्वासित में कौनसा समास है?
(A) कर्मधारय
(B) तत्पुरुष
(C) आव्ययीभाव
(D) द्विगु
उत्तर - (B) तत्पुरुष

17. 'चतुर्दिक' शब्द में कौन सा समास है?
(A) कर्मधारय
(B) आव्ययीभाव
(C) द्विगु
(D) तत्पुरुष
उत्तर - (C) द्विगु

18. 'शीतोष्ण' में कौनसा समास है?
(A) द्वन्द्व समास
(B) बहुब्रीहि समास
(C) कर्मधारय समास
(D) अव्ययीभाव समास
उत्तर - (A) द्वन्द्व समास

19. 'सीता-राम' में कौनसा समास है?
(A) कर्मधारय
(B) बहुब्रीहि
(C) द्वन्द्व
(D) द्विगु
उत्तर - (C) द्वन्द्व

20. 'यज्ञाहुति' शब्द में कौनसा समास है?
(A) कर्मधारय
(B) तत्पुरुष
(C) द्वन्द्व
(D) द्विगु
उत्तर - (B) तत्पुरूष

21. 'कल्पान्त' में कौनसी संधि है?
(A) दीर्घ संधि
(B) गुण संधि
(C) वृद्धि संधि
(D) यण संधि
उत्तर - (A) दीर्घ सन्धि

22. 'चन्द्रोदय' में कौनसी संधि है?
(A) यण संधि
(B) वृद्धि संधि
(C) गुण संधि
(D) अयादि संधि
उत्तर - (C) गुण संधि

23. 'प्रत्यूष' शब्द में कौनसी संधि है?
(A) यण संधि
(B) गुण संधि
(C) वृद्धि संधि
(D) दीर्घ संधि
उत्तर - (A) यण संधि

24. 'सच्चरित्र' शब्द में संधि है?
(A) स्वर संधि
(B) अयादि संधि
(C) व्यंजन संधि
(D) विसर्ग संधि
उत्तर - (C) व्यंजन संधि

25. 'व्यर्थ' शब्द में संधि है?
(A) व्यंजन संधि
(B) वृद्धि संधि
(C) यण संधि
(D) विसर्ग संधि
उत्तर - (C) यण संधि

26. 'यशोदा' में कौनसी संधि है?
(A) स्वर संधि
(B) स्वर (वृद्धि) संधि
(C) व्यंजन संधि
(D) विसर्ग संधि
उत्तर - (D) विसर्ग संधि

27. 'निर्गुण' में संधि है?
(A) विसर्ग संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) स्वर संधि
(D) स्वर (यण) संधि
उत्तर - (A) विसर्ग संधि

28. 'नयन' शब्द में संधि है?
(A) गुण संधि
(B) अयादि संधि
(C) वृद्धि संधि
(D) यण संधि
उत्तर - (B) अयादि संधि

29. 'अतीत' शब्द में संधि है?
(A) गुण संधि
(B) यण संधि
(C) दीर्घ स्वर संधि
(D) व्यंजन संधि
उत्तर - (C) दीर्घ स्वर संधि

III निर्देश - निम्नलिखित वाक्यों में अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का चयन कीजिए :

30. जो कुछ नहीं जानता हो?
(A) अचर
(B) अज्ञानी
(C) अज्ञेय
(D) अद्वितीय
उत्तर - (B) अज्ञानी

31. जो प्रमाण से सिद्ध न हो सके?
(A) अप्रमेय
(B) अबोध
(C) अपरिमेय
(D) अनाहूत
उत्तर - (A) अप्रमेय

32. आशा से अधिक?
(A) आशावादी
(B) आर्ष
(C) आशातीत
(D) आलोच्य
उत्तर - (C) आशातीत

33. सारी पृथ्वी का राजा?
(A) चक्रवर्ती
(B) चक्रपाणि
(C) चम्पू
(D) चिरन्तन
उत्तर - (A) चक्रवर्ती

34. करुणा का विलोम है?
(A) दुःख
(B) सुख
(C) क्रोध
(D) मदद
उत्तर - (C) क्रोध

35. मुहावरा अपना वास्तविक अर्थ?
(A) निरंतर बदलता है
(B) कभी नहीं बदलता है
(C) यदा-कदा बदलता है
(D) निरर्थक होता है
उत्तर - (C) यदा-कदा बदलता है

36. लाकोक्ति का अर्थ?
(A) अप्रचलित उक्ति
(B) लोक में प्रचलित उक्ति
(C) व्यग्यार्थ
(D) गूढ़ार्थ
उत्तर - (B) लोक में प्रचलित उक्ति

37. लाकोक्ति क्या होती है?
(A) एक व्यर्थ उक्ति
(B) एक वाक्यांश
(C) लघु कथा
(D) एक सम्पूर्ण वाक्य
उत्तर - (D) एक सम्पूर्ण वाक्य

38. "हाथ फैलाना" एक?
(A) कवितांश है
(B) क्रिया विशेषण है
(C) मुहावरा है
(D) लोकोक्ति है
उत्तर - (C) मुहावरा है

39. घर का भेदी लंका ढाये एक?
(A) जयचन्द्र का घर है
(B) दक्षिण का भाग है
(C) शब्द कोश है
(D) लोकोक्ति है
उत्तर -(D) लोकोक्ति है

40. घाव पर नमक छिड़कना का तात्पर्य है?
(A) चोट लगना
(B) नमक का लेप लगाना
(C) दुःखी को और दुःखी करना
(D) मरहम-पट्टी करना।
उत्तर -(C) दुःखी को और दुःखी करना

41. 'अंधे की लकड़ी होना' का अर्थ है?
(A) अंधे को लकड़ी के सहारे चलना
(B) अंधे को पार कराना
(C) अंधे के हाथ में लकड़ी
(D) बुढ़ापे में एक मात्र सहारा
उत्तर -(D) बुढ़ापे में एक मात्र सहारा

42. 'कीचड़ की होली' का आशय है?
(A) दंगे फैलाना
(B) भद्दी बातें करना
(C) एक-दूसरे पर कीचड़ फेंकना
(D) होली पर कीचड़ से खेलना
उत्तर -(B) भद्दी बातें करना

43. 'गढ़े मुर्दे का काला खून' का आशय है?
(A) हत्या की वारदातें
(B) सड़ी-गली बातें
(C) पुरानी बातों की सड़ांध
(D) रहस्यमयी बातें
उत्तर -(C) पुरानी बातों की सड़ांध

44. सुबरन को ढूंढत फिरत कवि, व्याभिचारी चोर?
(A) उपमा
(B) श्लेष
(C) अनुप्रास
(D) मानवीकरण
उत्तर -(B) श्लेष

45. जहां उपमेय और उपमान की समानता के कारण उपमेय में उपमान की संभावना या कल्पना की जाए वहां कौनसा अलंकार होता है?
(A) रूपक अलंकार
(B) अनुप्रास अलंकार
(C) उत्प्रेक्षा अलंकार
(D) उपमा अलंकार
उत्तर -(C) उत्प्रेक्षा अलंकार

46. दिवसावसान का समय मेघमय आसमान से उतर रही संध्या सुन्दरी परी-सी धीरे-धीरे, पक्ति में कौन सा अलंकार विद्यमान है?
(A) उत्प्रेक्षा अलंकार
(B) अनुप्रास अलंकार
(C) रूपक अलंकार
(D) मानवीकरण अलंकार
उत्तर -(D) मानवीकरण अलंकार

47. जहां एक शब्द बार-बार आए किन्तु उसका अर्थ बदल जाए वहाँ कौन सा अलंकार होता है?
(A) अनुप्रास अलंकार
(B) यमक अलंकार
(C) उत्प्रेक्षा अलंकार
(D) रूपक अलंकार
उत्तर -(B) यमक अलंकार

48. तीन बेर खाती थीं, वे तीन बेर खाती हैं, में अलंकार है?
(A) श्लेष अलंकार
(B) उपमा अलंकार
(C) यमक अलंकार
(D) अनुप्रास अलंकार
उत्तर -(C) यमक अलंकार

49. नभ पर चम-चम चपला चमकी, में अलंकार है?
(A) अनुप्रास अलंकार
(B) यमक अलंकार
(C) श्लेष अलंकार
(D) उत्प्रेक्षा अलंकार
उत्तर -(A) अनुप्रास अलंकार

50. कायर कूर कपूत कुचाली यों ही मर जाते हैं?
(A) उत्प्रेक्षा अलंकार
(B) यमक अलंकार
(C) मानवीकरण अलंकार
(D) अनुप्रास अलंकार
उत्तर -(D) अनुप्रास अलंकार

डॉ. राममनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं)

कड़ी मेहनत और लक्ष्य पर निगाहें हों तो हर कामयाबी हासिल की जा सकती है

सिविल सर्विस परीक्षा 2020 में देश में द्वितीय और महिलाओं में जागृति ने अव्वल स्थान हासिल किया

जब आपके पास दूसरा कोई रास्ता न बचा हो तो आप हजार मुश्किलों के बावजूद कठिन सफर पार कर ही जाते हैं। यह मानना है जागृति अवस्थी का। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सर्विसेज परीक्षा 2020 के घोषित हुए नतीजों में जागृति ने पूरे देश में दूसरा और महिला वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। कोरोना वायरस के संक्रमण के दौरान जब लॉकडाउन लगा था और कोचिंग संस्थान भी बंद हो गए तो उन्होंने पढ़ाई को ही मोटिवेशन का फैक्टर बना लिया। लेकिन इस सबके साथ एक बड़ी बात थी तो वह यह कि इसके पहले महारत्न कंपनी में 1 लाख रुपये महीने की अपने ही शहर में क्लास वन अफसर की नौकरी कर रही थीं, उसे छोड़कर उन्होंने अपने लिए सारे दरवाजे बंद कर लिए और फिर अपने बचपन के देखे कलेक्टर बनने के ख्वाब को हासिल करने के लिए पूरी शिद्दत से जुट गईं और इस ख्वाब को हकीकत में बदलने में परिवार ने भी हर कदम पर जागृति का साथ दिया। आज जब वह ख्वाब हकीकत में तब्दील हो गया है तो न सिर्फ जागृति, बल्कि उनके परिवार में जश्न का माहौल है। उन्होंने अपनी कामयाबी, रणनीति और भविष्य की योजना को लेकर हाल ही में 'रोज़गार और निर्माण' से बातचीत की।

प्रश्न - इंजीनियरिंग स्टूडेंट होते हुए आपने परीक्षा में समाज शास्त्र विषय को क्यों चुना?

उत्तर - मैंने इंजीनियरिंग स्टूडेंट होते हुए समाजशास्त्र विषय को इसलिए चुना क्योंकि इंजीनियरिंग खत्म किए हुए दो साल हो चुके थे। ऐसे में कॉन्सेप्ट वगैरह काफी कुछ भूल चुकी थी। साथ ही कम्युनिकेशन का एक पेपर होता है, ऐसे में समाजशास्त्र एक ऐसा विषय है, जो मुझे कम्युनिकेशन और समाज दोनों को समझने में मेरी मदद करता है।

प्रश्न - परीक्षा की तैयारी के लिए आपका स्टडी मटेरियल कौन-सा था? उसे आपने कहां से चुना?

उत्तर - मैंने कोचिंग के नोट्स, किताबों में हिस्ट्री के लिए स्पेक्ट्रम, बेसिक स्टडी के लिए एनसीईआरटी की बुक्स, मृणाल सर के नोट्स, सोशलॉजी के लिए क्लासेस के नोट्स, सांगवान सर के नोट्स आदि का सहयोग लिया। मैग्जीन, ऑनलाइन लैक्चर, वेबसाइट आदि के माध्यम से अपने स्टडी का चुनाव किया।

प्रश्न - आपकी पारिवारिक पृष्ठभूमि क्या है?

उत्तर - मैं एक मध्यम वर्गीय परिवार से हूं। मेरे पिता श्री सुरेशचंद्र अवस्थी शासकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में कैशियर के पद पर कार्यरत हैं, जबकि मां मधु अवस्थी एक स्कूल टीचर रही हैं, लेकिन मेरी पढ़ाई में मदद करने के लिए उन्होंने अपनी जॉब छोड़ दी थी। भाई सुयश अवस्थी इन दिनों एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है।

प्रश्न - इस परीक्षा में बैठने का विचार कहां से आया? इसके लिए प्रेरणा आपको कहां से मिली तथा सहयोग कहां से प्राप्त हुआ?

उत्तर - सिविल सेवा ने मुझे हमेशा से ही प्रभावित किया है। मैं बचपन से ही कलेक्टर बनने का ख्वाब देखती रही हूं। 2016 में बीटेक की डिग्री पूरी करने के बाद गेट की परीक्षा क्वालीफाई करने के बाद मुझे बीएचईएल भोपाल में क्लास वन टेक्निकल ऑफिसर की जॉब मिल गई थी। भले ही मैं आर्थिक रूप से मजबूत हो गई थी, लेकिन कहीं न कहीं वह ख्वाब अंदर जीवित था। इसलिए एक रात मैंने पिता से जॉब छोड़कर तैयारी करने के लिए कहा तो उन्होंने मुझे कुछ वक्त अपने फैसले पर विचार करने के लिए कहा। उनकी सहमति मिलने और सोचने-समझने के बाद मैंने नौकरी छोड़कर तैयारी शुरू की। मुझे सबसे ज्यादा सहयोग मेरे घर-परिवार से मिला। घर में किसी भी तरह के कामकाज का कभी भी कोई दबाव नहीं रहा या बेटी होने का भेद मैंने नहीं देखा। इसलिए मेरी सिविल सर्विस की तैयारी में मुझे परिवार ने हर कदम पर सहयोग किया।

प्रश्न - परीक्षा की रणनीति कैसे तैयार की?

उत्तर - मैंने जनवरी 2019 से जून 2019 तक पढ़ाई करके तैयारी की, लेकिन 2019 में जब प्रीलिम्स क्लीयर नहीं हुआ तो मुझे समझ में आ गया था कि यह परीक्षा पढ़ाई और समर्पण मांगती है। फिर मैंने जॉब छोड़कर तैयारी करने का निर्णय लिया। मैं पिछले दो साल से 8 से 10 घंटे नियमित पढ़ाई कर रही थी। परीक्षा नजदीक आती तो यह बढ़कर 10-12 घंटे और 12 से 14 घंटे भी हो जाते थे। इस दौरान मैंने कमियों पर ध्यान दिया और उन्हें दूर करने की दिशा में काम किया। परीक्षा की डिमांड और सिलेबस को समझा और उसके हिसाब से किताबों का चुनाव किया। बहुत प्रेक्टिस की। जो पहली बार में कमी रह गई थी, उसे दूर किया। मैंने चूंकि अपनी स्थिर और अपने ही शहर में स्थित जॉब को छोड़ा था, जो कि एक बड़ा त्याग था इसलिए तय कर लिया कि अब पीछे मुड़कर नहीं देखना है। इसलिए सोशल मीडिया से भी दूरी बना ली और सिर्फ अपनी पढ़ाई पर फोकस किया।

प्रश्न - परीक्षा का शेड्यूल बहुत लंबा होता है, ऐसे में यदि कभी निराशा हुई तो खुद का आत्मविश्वास कैसे बढ़ाया?

उत्तर - खुद को मोटीवेट करने के लिए बस यही सोचती थी कि मैंने अच्छी नौकरी छोड़ी है और माता-पिता ने भी बहुत त्याग किया है तो मुझे इसे सार्थक करना ही होगा।

प्रश्न - रणनीति के तहत पढ़ाई के लिए हर दिन कैसे समय तय किया? दिनचर्या क्या थी?

उत्तर - मैंने घर पर ही नियमित 8 से 10 घंटे की पढ़ाई की तथा घर का बना ही सादा खाना खाया। नियमित सुबह शाम 30 मिनट वॉक करने जाती थी। ऐसे समय में खुद के मूड को फ्रेश करने के लिए बैडमिंटन खेलती थी और भाई सुयश के साथ डिस्कशन करती थी।

प्रश्न - इस परीक्षा का शेड्यूल बहुत लंबा होता है ऐसे में आपको इस दौरान किन-किन चीजों को छोड़ना पड़ा?

उत्तर - मैंने इस दौरान, टीवी, सोशल मीडिया, फेसबुक, वॉट्सएप, ट्वीटर आदि से दूरी बनाई, कोविड का समय था तो इंटरनेट का सिर्फ और सिर्फ अपनी स्टडी के लिए इस्तेमाल किया।

प्रश्न - कठिन और मुश्किल विषयों को याद रखने के लिए क्या प्रक्रिया अपनायी?

उत्तर - कठिन और मुश्किल विषयों को याद करने के लिए मैंने लिख-लिखकर प्रेक्टिस की।

प्रश्न - परीक्षा के तीनों चरणों प्रीलिम्स, मेन्स और इंटरव्यू के लिए आपकी क्या स्ट्रेटजी थी?

उत्तर - प्रीलिम्स के लिए तीन महीने मॉक टेस्ट सॉल्व करे। मुख्य परीक्षा के लिए लिख-लिखकर प्रेक्टिस की और मॉक इंटरव्यू के माध्यम से तैयारी की। कोविड काल में यह परीक्षा दी है, तो डिजिटल न्यूज, यूट्यूब, ऑनलाइन रिसोर्स, ऑनलाइन

कोचिंग का काफी सहयोग रहा। ऑनलाइन टेस्ट, ऑनलाइन मॉक इंटरव्यू दिए। डिजिटल कॉन्ट्रीब्यूशन काफी बढ़ गया है। लिखकर पढ़ने से दिमाग में काफी लंबे समय तक याद बना रहता है। यूपीएससी में काफी बड़ा सिलेबस रहता है, बार-बार याद करना और रिवाइज करना होता है। ऐसे में लिखकर याद करना ज्यादा बेहतर है। अपनी गलती को सुधारिए और आगे देखकर बढ़िए और समय का सदुपयोग करना चाहिए।

प्रश्न - साक्षात्कार के दौरान आपसे क्या-क्या सवाल पूछे गए? आपने उनके क्या-क्या जवाब दिए?

उत्तर - मेरा इंटरव्यू 10 सितंबर को हुआ था। एयर मार्शल अजीत शंकर राव भोंसले सर के बोर्ड ने साक्षात्कार में कई सवाल पूछे थे। इनमें से कुछ सवाल ऐसे थे, जिनके बारे में सालों पहले पढ़ा था, कुछ सवाल मध्यप्रदेश पर्यटन से संबंधित थे और कुछ संस्कृत विषय, सिनेमा आदि से संबंधित थे। सीख ये है कि पुराना पढ़ा कभी न भूलें। न जानें कब जरूरत पड़ जाए। 30 मिनट के इंटरव्यू में मध्यप्रदेश, परिवार, करेंट अफेयर्स से जुड़े कई सवाल पूछे गए। जागृति ने ये भी बताया कि काम करते समय किसी भी दबाव से कैसे बचा जा सकता है?

इनमें से कुछ प्रमुख हैं

प्रश्न 1 - महिला किरदारों पर केन्द्रित फिल्में मैरी कॉम, साइना और शकुंतला देवी मूवी में एक्ट्रेस कौन थीं?

उत्तर - मैंने महिलाओं पर केन्द्रित इन फिल्मों के नाम सुने थे, इसलिए आंसर दे सकी। मैरी कॉम में प्रियंका चोपड़ा, साइना में परिणिति चोपड़ा और शकुंतला देवी का किरदार विद्या बालन ने निभाया था।

प्रश्न 2 - आरक्षण के बारे में अपने विचार साझा कीजिए?

उत्तर - आरक्षण कभी भी अंतिम हल नहीं हो सकता। बल्कि हाशिये के समाज से आने वाले लोगों के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि अभी के लिए आरक्षण जरूरी है, लेकिन आखिर में तो विकास ही असली मुद्दा है।

प्रश्न 3 - जातीय जनगणना के बारे में अपने विचार व्यक्त कीजिए?

उत्तर - जातीय जनगणना पर उन्होंने कहा कि इस तरह की जनगणना इस बात पर निर्भर करती है कि इसको कराने के पीछे का उद्देश्य क्या है। जातीय जनगणना के जरिए रिजर्वेशन सिस्टम को और अधिक प्रभावशाली बनाना है या फिर अपनी राजनीति चमकानी है। उन्होंने कहा कि वो ऐसी सिविल ऑफिसर बनना चाहती हैं जो नेताओं के प्रति नहीं, बल्कि लोगों के प्रति जवाबदेह हों।

प्रश्न 4 - गायत्री मंत्र के रचयिता कौने थे?

उत्तर - गायत्री मंत्र के रचयिता ऋषि विश्वामित्र थे।

प्रश्न 5 - कालीदास की प्रमुख रचनाएं कौन-सी हैं?

उत्तर - अभिज्ञान शाकुन्तलम, कुमारसंभवम्, रघुवंशम, मालविकाग्निमित्रम् कालीदास के द्वारा लिखी गई प्रमुख रचनाएं हैं।

परिचय

नाम	:	**जागृति अवस्थी**
उम्र	:	24 वर्ष
पिता	:	सुरेशचंद्र अवस्थी
माता	:	मधु अवस्थी
पता	:	बीएचईएल, भोपाल
आभार	:	ईश्वर, अपनी मां मधु अवस्थी, पिता सुरेशचंद्र अवस्थी और भाई सुयश अवस्थी के प्रति आभार व्यक्त करती हूं। जिन्होंने मेरे जॉब छोड़ने से लेकर परीक्षा की तैयारी करने में हर कदम पर मेरा साथ दिया।
शिक्षा	:	हायर सेकंडरी- मैथ्स विषय के साथ महर्षि विद्या मंदिर भोपाल।
स्नातक	:	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में मैनिट से बीटेक किया।
रुचि	:	इवेंट्स ऑर्गनाइज करना, म्यूजिक सुनना और कुकिंग करना पसंद है।
अन्य	:	2017 में गेट की परीक्षा में पूरे देश में 51वीं रैंक हासिल की।
उपलब्धियां	:	आईओसीएल, गेल, ओएनजीसी और बीएचईएल में चयनित।

प्रश्न - इंटरव्यू की तैयारी कैसे की? इसके लिए क्या योजना बनायी विस्तार से बताइए?

उत्तर - कोरोना काल होने की वजह से बाहर जाने का तो समय नहीं मिला, इसलिए ऑनलाइन मॉक इंटरव्यू के माध्यम से घर में ही तैयारी की।

प्रश्न - आपने ज्यादातर सेल्फ स्टडी की है, आपको क्या लगता है कोचिंग कितनी महत्वपूर्ण भूमिका चयन में निभाती है?

उत्तर - 2019 में मैंने दिल्ली के एक कोचिंग संस्थान में एडमिशन ले लिया था मगर कोरोना वायरस के संक्रमण के दौरान जब लॉकडाउन लगा था और कोचिंग संस्थान भी बंद हो गए तो पढ़ाई को ही मोटीवेशन का फैक्टर बनाया। ऑनलाइन क्लासेज अटैंड करना शुरू किया। यूट्यूब, वीडियो लैक्चर, गूगल आदि की भी मदद ली। कोचिंग मार्गदर्शन करने में सहयोग देती है, जबकि मेहनत आपको खुद ही करनी होती है। मैंने प्रीलिम्स, मेन्स और इंटरव्यू तीनों की तैयारी घर पर ही रहकर की है।

प्रश्न - आपने पूरे देश में महिलाओं में प्रथम रैंक हासिल की है, लेकिन आज भी देश में बालिका शिक्षा एक बड़ी चुनौती है। सामाजिक बदलाव हो रहा है, लेकिन उतना नहीं हो रहा है। इसे आप कैसे दूर करेंगी?

उत्तर - बदलाव की शुरुआत सरकार, समाज या प्रशासन नहीं कर सकता है। मुझे मेरे घर में हमेशा लैंगिक समानता का माहौल मिला और मुझे लगता है हम सभी को पहले अपने घर से ही बदलाव लाना होगा। अगर अभिभावक बेटे-बेटियों में फर्क दूर करें और अपनी बेटियों को सपोर्ट करें तो समाज में निश्चित ही बदलाव होगा।

प्रश्न - जो सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे हैं? उन्हें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

उत्तर - यूपीएससी की परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं से यही कहना चाहूंगी कि जो लोग इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, वो अपने सोर्स सीमित रखें। सिलेबस सलेक्ट करें और रिवीजन पर खास ध्यान रखें। लिख-लिखकर कर प्रेक्टिस कीजिए, क्योंकि लिखकर याद करने से ज्यादा बेहतर ढंग से याद किया जा सकता है। लक्ष्य बनाकर खुद को निरंतर मोटीवेट करते हुए लगन के साथ प्रेक्टिस करने से कामयाबी अवश्य मिलती है। कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता है। इस परीक्षा में दो साल का समय चाहिए, एक वर्ष तैयारी के लिए और एक पूरा साल एग्जाम में चलता है।

प्रश्न - जिस पद के लिए आपका चयन हुआ है? उस पद की जिम्मेदारी निभाने के लिए आपके क्या विचार हैं, इस पद को लेकर आपका क्या दृष्टिकोण है?

उत्तर - मेरा चयन कलेक्टर के पद पर हुआ है। मैं महिलाओं, जनजातीय विकास और समाज की बेहतरी के लिए काम करना चाहती हूं। मैं एक संवेदनशील प्रशासनिक अधिकारी के रूप में काम करना चाहती हूं। अपने काम के प्रति ईमानदारी के माध्यम से समाज में बदलाव करना चाहती हूं।

प्रश्न - 'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों को आप क्या संदेश देना चाहेंगी?

उत्तर - 'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों को मैं यही संदेश देना चाहूंगी कि यदि आपने कोई लक्ष्य तय किया है तो आप उसे हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास पूरी योजना बनाकर बिना किसी डर के साथ कीजिए। सफलता अवश्य मिलेगी। जैसे कि मैंने एक उद्देश्य को पूरा करने के लिए दो साल की नौकरी के बाद त्यागपत्र दिया और अपने उद्देश्य को पूरा किया।

- सर्जना चतुर्वेदी

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

कृषि विभाग में मुख्यमंत्री कोविड-19 योजना में 22 सदस्यों को मिली अनुकम्पा नियुक्ति

भोपाल, किसान-कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा 22 परिवारों के पात्र सदस्यों को 7 अक्टूबर को जिला मुख्यालयों पर जन प्रतिनिधियों द्वारा नियुक्ति-पत्र सौंपे गये। उक्त नियुक्तियां मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना अंतर्गत की गई हैं।

कलेक्टर कार्यालय इंदौर, राजगढ़, उज्जैन, रीवा, सिवनी, झाबुआ, शिवपुरी, अशोकनगर, रतलाम इत्यादि जिला मुख्यालयों पर जन प्रतिनिधियों द्वारा शासन के नियमों एवं प्रावधानों के अनुसार अनुकम्पा नियुक्ति-पत्र प्रदान किये। सागर संभाग में 5, जबलपुर में 4, उज्जैन में 3, भोपाल, इंदौर एवं ग्वालियर में 2-2 और शहडोल संभाग में एक अभ्यर्थी को अनुकम्पा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार कोविड संकट काल में कर्तव्य निर्वहन के दौरान 22 विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों के आकस्मिक निधन से उनके एक-एक परिजन को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार सभी 22 अभ्यर्थियों को सहायक ग्रेड-3 के पद पर अनुकम्पा नियुक्ति दी गई है। इनमें सामान्य वर्ग के 11, अन्य पिछड़ा वर्ग के 7 और अनुसूचित-जाति एवं जनजाति वर्ग के 2-2 अभ्यर्थियों को अनुकम्पा नियुक्ति दी गई। नौ आवेदकों को नियमित पदों के विरुद्ध, जबकि 13 आवेदकों को वित्त एवं सामान्य प्रशासन विभाग की अनुमति अनुसार सांख्येत्तर पदों के विरुद्ध अनुकम्पा नियुक्ति दी गई है।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

प्राचीन इतिहास

(1) 'कल्पसूत्र' का संबंध किस धर्म से है?
(अ) जैन
(ब) बौद्ध
(स) शैव
(द) यहूदी
उत्तर - (अ) जैन

(2) 'अष्टाध्यायी' के रचयिता कौन हैं?
(अ) मेरू तुंग
(ब) बाणभट्ट
(स) जयसिंह
(द) पाणिनी
उत्तर - (द) पाणिनी

(3) 'मेगस्थनीज' किस भारतीय शासक के दरबार में राजदूत था?
(अ) घनानंद
(ब) चंद्रगुप्त मौर्य
(स) अशोक
(द) चंद्रगुप्त द्वितीय
उत्तर - (ब) चंद्रगुप्त मौर्य

(4) 'सुत्तपिटक' का संबंध किस धर्म से है?
(अ) शैव
(ब) बौद्ध
(स) जैन
(द) वैष्णव
उत्तर - (ब) बौद्ध

(5) 16 महाजनपदों में से कौन-सा महाजनपद दक्षिण में स्थित है?
(अ) मल्ल
(ब) अंग
(स) अश्मक
(द) शूरसेन
उत्तर -(स) अश्मक

(6) चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन कहां किया गया था?
(अ) राजगृह
(ब) वैशाली
(स) पाटलिपुत्र
(द) कुण्डलवन (कश्मीर)
उत्तर -(द) कुण्डलवन (कश्मीर)

(7) द्वितीय जैन संगीति का आयोजन कहां किया गया था?
(अ) पाटलिपुत्र
(ब) वल्लभी
(स) कुशीनारा
(द) राजगृह
उत्तर -(ब) वल्लभी

(8) महात्मा बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति किस नदी के किनारे हुई थी?
(अ) गंगा
(ब) नर्मदा
(स) फल्गु
(द) ऋजुपालिका
उत्तर -(स) फल्गु

(9) निम्नलिखित में से किस ग्रंथ में बौद्ध संघ के नियमों की व्याख्या की गई है?
(अ) अंगुप्तर निकाय
(ब) सुत्त पिटक
(स) विनय पिटक
(द) आभिधम्म पिटक
उत्तर -(स) विनय पिटक

(10) आजीवक संप्रदाय के संस्थापक कौन हैं?
(अ) अजित केशकंवलिन
(ब) संयज वेट्ठलिपुत्त
(स) पकुध-कच्चायन
(द) मक्खलि गोशाल
उत्तर -(द) मक्खलि गोशाल

(11) निम्न में से किस उपनिषद् में सर्वप्रथम भगवान श्री कृष्ण का उल्लेख मिलता है?
(अ) श्वेताश्वर
(ब) छान्दोग्य
(स) कठ
(द) बृहदारण्यक
उत्तर -(ब) छान्दोग्य

(12) आर्यों की भाषा कौन सी थी?
(अ) संस्कृत
(ब) पाली
(स) फारसी
(द) प्राकृत
उत्तर -(अ) संस्कृत

(13) राष्ट्रकूट वंश की स्थापना किसने की थी?
(अ) वासुदेव
(ब) विंध्यशक्ति
(स) कृष्णराज
(द) दंतिदुर्ग
उत्तर -(द) दंतिदुर्ग

(14) निम्न में से किस शासक को भारत के नेपोलियन की उपाधि दी गई है?
(अ) चंद्रगुप्त मौर्य
(ब) चंद्रगुप्त द्वितीय
(स) समुद्रगुप्त
(द) अशोक
उत्तर -(स) समुद्रगुप्त

(15) गांधार कला किन शासकों के शासनकाल में विकसित हुई थी?
(अ) शक
(ब) कुषाण
(स) गुप्त
(द) मौर्य
उत्तर -(ब) कुषाण

(16) प्रसिद्ध चिकित्सक 'चरक' किसके शासनकाल में थे?
(अ) कनिष्क
(ब) चंद्रगुप्त मौर्य
(स) अशोक
(द) समुद्रगुप्त
उत्तर -(अ) कनिष्क

(17) किस शासक ने हर्षवर्धन की दक्षिण विजय पर रोक लगाई थी?
(अ) चंद्रगुप्त
(ब) समुद्रगुप्त
(स) बुद्धगुप्त
(द) पुलकेशिन द्वितीय
उत्तर -(द) पुलकेशिन द्वितीय

(18) भारत में सर्वप्रथम आने वाला विदेशी कौन था?
(अ) फाह्यान
(ब) कॉलमॉस
(स) व्हेनसांग
(द) मेगस्थनीज
उत्तर -(द) मेगस्थनीज

(19) शक संवत् को प्रारंभ किसने किया था?
(अ) कनिष्क
(ब) हर्षवर्धन
(स) चंद्रगुप्त द्वितीय
(द) पृथ्वीराज चौहान
उत्तर -(अ) कनिष्क (78 ई.)

(20) 'प्रियदर्शिका' एवं 'नागानंद' नामक नाटक के रचनाकार कौन हैं?
(अ) हर्षवर्धन
(ब) बाणभट्ट
(स) कालिदास
(द) दाण्डी
उत्तर -(अ) हर्षवर्धन

(21) अशोक के किस शिलालेख में जनता को धार्मिक जीवन बिताने हेतु प्रेरित किया गया है?
(अ) पहला
(ब) सातवां
(स) ग्यारहवां
(द) चौदहवां
उत्तर -(द) चौदहवां

(22) एलोरा के शिव मंदिर का निर्माण किस शासक ने करवाया था?
(अ) हरिसेन
(ब) हर्षवर्धन
(स) कृष्ण प्रथम
(द) राजेन्द्र प्रथम
उत्तर -(स) कृष्ण प्रथम

(23) बौद्ध धर्म का 'हीनयान' एवं 'महायान' में विभाजन किस बौद्ध संगीति में हुआ था?
(अ) प्रथम
(ब) द्वितीय
(स) तृतीय
(द) चतुर्थ
उत्तर -(द) चतुर्थ

(24) निम्न में से कौन-सा प्रतीक गौतम बुद्ध के गृहत्याग से संबंधित है?
(अ) घोड़ा
(ब) कमल
(स) स्तूप
(द) हाथी
उत्तर -(अ) घोड़ा

(25) अशोक के शिलालेखों को सर्वप्रथम पढ़ने में किसने सफलता प्राप्त की थी?
(अ) कनिंघम
(ब) जेम्स प्रिंसेप
(स) दयाराम साहनी
(द) वी.एस. वाकणकर
उत्तर -(ब) जेम्स प्रिंसेप

(26) सिंधु घाटी सभ्यता के किस स्थल से अग्निवेदिकाओं के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं?
(अ) लोथल
(ब) कोल्डीहवा
(स) बुर्जहीम
(द) कालीबंगा
उत्तर -(द) कालीबंगा

(27) अजंता की गुफाओं में क्या निरूपित किया गया है?
(अ) धार्मिक कथाएं
(ब) जातक कथाएं
(स) शौर्य गाथाएं
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर -(ब) जातक कथाएं

(28) किस वेद को भारतीय संगीत का जनक कहा जाता है?
(अ) ऋग्वेद
(ब) सामवेद
(स) यजुर्वेद
(द) अथर्ववेद
उत्तर -(ब) सामवेद

(29) यजुर्वेद के पाठकर्ता को क्या कहा जाता है?
(अ) अध्वर्यु
(ब) होतृ
(स) उदातृ
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर -(अ) अध्वर्यु

(30) पुराणों में सर्वाधिक प्राचीन पुराण कौन-सा है?
(अ) विष्णु
(ब) वायु
(स) ब्राह्म
(द) मत्स्य
उत्तर -(द) मत्स्य

(31) एहोल अभिलेख का संबंध किससे है?
(अ) रुद्रदामन
(ब) समुद्रगुप्त
(स) पुलकेशिन द्वितीय
(द) सकंदगुप्त
उत्तर -(स) पुलकेशिन द्वितीय

(32) किताब-उल-हिंद (तहकीक-ए-हिंद) के रचयिता कौन थे?
(अ) इब्नबतूता
(ब) अलबरूनी
(स) फिरदौसी
(द) अमीर खुसरो
उत्तर -(ब) अलबरूनी

(33) लिंगराज मंदिर कहां स्थित है?
(अ) मदुरै
(ब) तिरुपति
(स) भुवनेश्वर
(द) खजुराहो
उत्तर -(स) भुवनेश्वर

(34) व्यास नदी का प्राचीन नाम क्या है?
(अ) गोमल
(ब) विपाशा
(स) वितस्ता
(द) शतुद्रि
उत्तर -(ब) विपाशा

(35) पूर्व मीमांशा दर्शन के प्रवर्तक कौन थे?
(अ) चार्वाक
(ब) बादरायण
(स) जैमिनी
(द) कणाद
उत्तर -(स) जैमिनी

(36) 16 महाजनपदों में से एक 'कोशल' महाजनपद की राजधानी क्या थी?
(अ) इंद्रप्रस्थ
(ब) विजयनगर
(स) तक्षशिला
(द) श्रावस्ती
उत्तर -(द) श्रावस्ती

(37) महावीर स्वामी का प्रतीक चिन्ह कौन सा था?
(अ) सांड
(ब) हाथी
(स) घोड़ा
(द) सिंह
उत्तर -(द) सिंह

(38) 'कल्पसूत्र' के रचिता कौन हैं?
(अ) कौण्डिन्य
(ब) स्थूलभद्र
(स) भद्रबाहु
(द) वसुमित्र
उत्तर -(स) भद्रबाहु

(39) 'मध्यम मार्ग' किस धर्म का प्रमुख सिद्धांत है?
(अ) जैन
(ब) बौद्ध
(स) शैव
(द) वैष्णव
उत्तर -(ब) बौद्ध

(40) सिकंदर ने हाइडेस्पीज का युद्ध (झेलम का युद्ध) किसके साथ किया था?
(अ) पोरस
(ब) चंद्रगुप्त मौर्य
(स) अशोक
(द) घनानंद
उत्तर -(अ) पोरस

(41) पंचतंत्र के रचयिता कौन हैं?
(अ) विष्णु गुप्त
(ब) शूद्रक
(स) विष्णु शर्मा
(द) भद्रबाहु
उत्तर -(स) विष्णु शर्मा

(42) मौर्य वंश का अंतिम शासक कौन था?
(अ) बुद्ध गुप्त
(ब) बिंदुसार
(स) वृहद्रथ
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर -(स) वृहद्रथ

(43) 'रूद्रदामन' किस वंश का प्रमुख शासक था?
(अ) कुषाण
(ब) पल्लव
(स) सातवाहन
(द) शक
उत्तर -(द) शक

(44) 'इलाहाबाद प्रशास्ति लेख की रचना किसके द्वारा की गई थी?
(अ) रविकीर्ति
(ब) बाणभट्ट
(स) कौटिल्य
(द) हरिषेण
उत्तर -(द) हरिषेण

(45) 'किरातर्जुनियम' के रचयिता कौन है?
(अ) भारवि
(ब) हाला
(स) दण्डिन
(द) शूद्रक
उत्तर -(अ) भारवि

(46) काँची के कैलाशनाथ मंदिर का निर्माण किस वंश के शासक ने करवाया था?
(अ) सातवाहन
(ब) पल्लव
(स) चेर
(द) चोल
उत्तर -(ब) पल्लव

(47) उत्तरमेरूर अभिलेख का संबंध किससे है?
(अ) चोल
(ब) चालुक्य
(स) पल्लव
(द) सातवाहन
उत्तर -(अ) चोल

(48) चित्तौड़ में त्रिभुवन नारायण मंदिर का निर्माण किसने करवाया था?
(अ) भोज
(ब) यशोवर्मन
(स) राणा सांगा
(द) छत्रसाल
उत्तर -(अ) भोज

(49) 'नेषधेय चरितम्' के लेखक कौन हैं?
(अ) मेरूतुंग
(ब) चंदबरदाई
(स) श्रीहर्ष
(द) पदम् गुप्त
उत्तर -(स) श्रीहर्ष

- आशीष कुमार श्रीवास
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं)

कोरोना को मारने के तीन हथियार, हाथ धुलायी, मास्क और वैक्सीन का वार।

खेल चर्चा

अंशु मलिक ने विश्व चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

ओस्लो, भारत की युवा पहलवान अंशु मलिक ने नॉर्वे में आयोजित विश्व कुश्ती

चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुये रजत पदक जीता है। अंशु विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गई हैं। अंशु ने महिलाओं की 57 किलोग्राम भारवर्ग स्पर्धा में यह पदक जीता। स्पर्धा के फाइनल में अंशु को अमेरिका की हेलेन मारौलिस के हाथों 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। चैंपियनशिप में भारत की दिग्गज पहलवान सरिता मोर ने कांस्य पदक जीता है। सरिता ने 59 किलोग्राम भारवर्ग में स्वीडन की सारा लिंडबोर्ग को 8-2 से हराकर कांस्य पदक हासिल किया।

एफसी गोवा ने जीता डूरंड कप का खिताब

कोलकाता, इंडियन सुपर लीग की फ्रैंचाइजी एफसी गोवा ने भारत के प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप का खिताब अपने नाम किया है। एफसी गोवा ने टूर्नामेंट के फाइनल में कोलकाता के मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब को 1-0 से हराया। मैच के एक मात्र गोल एफसी गोवा के कप्तान एडुयार्डो बेडिया ने किया। मैच के निर्धारित समय तक दोनों टीमों ने गोल करने के कई प्रयास किये, लेकिन दोनों हाफ गोल रहित रहे। इसके बाद मैच में अतिरिक्त समय जोड़ा गया। मैच के 105वें मिनट में बेडिया ने गोल कर एफसी गोवा को खिताब दिलाया।

ट्वेंटी-20 विश्वकप में मनोवैज्ञानिक रखेगा आईसीसी

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ट्वेंटी-20 विश्वकप में बायो बबल के दौरान खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों से निपटने के लिये मनोवैज्ञानिक की सेवाएं लेगा। आईसीसी की इंटीग्रिटी यूनिट के प्रमुख और बायो बबल के प्रभारी एलेक्स मार्शन ने कहा कि ट्वेंटी-20 विश्वकप के दौरान बायो बबल उल्लंघन के मामले टीम प्रबंधन देखेगा। बायो बबल से खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ा है।

रूपिंदर, वीरेंद्र और सुनील ने लिया हॉकी से संन्यास

नई दिल्ली, भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह, वीरेंद्र लाकड़ा और एस.वी. सुनील ने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी से संन्यास लेने की घोषणा की। रूपिंदर और वीरेंद्र इस वर्ष टोक्यो ओलिंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य थे। रूपिंदर की पहचान विश्व के शानदार ड्रैग फ्लिकरों में होती है। रूपिंदर ने वर्ष 2010 से लेकर 2021 तक भारत के लिये 223 मैचों में 119 गोल किये हैं। वहीं बेहतरीन रक्षात्मक स्किल्स के लिये पहचाने जाने वाले वीरेंद्र ने भारत के लिये 201 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। एस.वी. सुनील भारतीय टीम के अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी रहे हैं। सुनील ने 264 मैचों में 72 गोल किये हैं।

एफआईएच हॉकी स्टार्स अवॉर्ड्स

भारतीय खिलाड़ियों ने सभी वर्गों में जीते पुरस्कार

लुसाने, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) द्वारा आयोजित वार्षिक पुरस्कारों में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला है। भारतीय खिलाड़ियों ने टोक्यो ओलिंपिक में शानदार प्रदर्शन के बाद हॉकी स्टार अवॉर्ड्स 2020-21 में भारत का झंडा लहराया। आठ अलग-अलग वर्गों में भारतीय खिलाड़ियों और कोच ने ही बाजी मारी।

विवेक बने सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी

गुरजीत कौर (महिला) और हरमनप्रीत सिंह (पुरुष) ने अपने वर्गों में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (प्लेयर ऑफ द ईयर) का पुरस्कार हासिल किया। सविता पूनिया (सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर, महिला), पी.आर. श्रीजेश (सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर, पुरुष), शर्मिला देवी (सर्वश्रेष्ठ उदीयमान स्टार, महिला) और विवेक सागर प्रसाद (सर्वश्रेष्ठ उदीयमान स्टार, पुरुष) के साथ-साथ भारत की महिला टीम के कोच सोर्ड मारिन और पुरुष टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड भी सर्वाधिक मत पाकर शीर्ष पर रहे।

रीड अब भी टीम के साथ बने हुये हैं, जबकि मारिन का कार्यकाल टोक्यो खेलों के साथ ही समाप्त हो गया था। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत और गुरजीत ने अपनी टीमों की तरफ से ओलिंपिक खेलों में सर्वाधिक गोल किये थे।

बेल्जियम ने सिस्टम पर उठाये सवाल

हॉकी बेल्जियम ने विजेताओं की घोषणा होने के बाद इस पर कड़ी प्रतिक्रिया की

विवेक सागर प्रसाद | गुरजीत कौर | हरमनप्रीत सिंह

और पुरस्कारों की प्रक्रिया पर सवाल उठाये क्योंकि टोक्यो खेलों के चैंपियन को एक भी पुरस्कार नहीं मिला। उसने ट्वीट किया कि हॉकी बेल्जियम एफआईएच हॉकी स्टार अवॉर्ड के परिणामों से बेहद निराश है। एक स्वर्ण पदक विजेता टीम जिसके सभी वर्गों में कई नामांकन थे, उसे एक भी पुरस्कार नहीं मिला, जिससे मत प्रणाली की विफलता का पता चलता है। हम भविष्य में एक निष्पक्ष प्रणाली सुनिश्चित करने के लिये एफआईएच के साथ काम करेंगे।

तीन लाख प्रशंसकों ने किया मतदान

एफआईएच के बयान में बताया गया है कि कुल 79 राष्ट्रीय संघों ने मतदान में हिस्सा लिया। इनमें अफ्रीका के 25 सदस्यों में से 11, एशिया के 33 में से 29, यूरोप के 42 में से 19, ओसेनिया के आठ में से तीन तथा पैन अमेरिका के 30 में से 17 सदस्य शामिल हैं। इसमें कहा गया है, रिकॉर्ड तीन लाख प्रशंसकों ने मतदान किया। एफआईएच हॉकी स्टार्स पुरस्कारों में प्रशंसकों की भागीदारी बेजोड़ रही।

राष्ट्रीय संघों के मतों को कुल परिणाम का 50 प्रतिशत माना गया। राष्ट्रीय संघों का प्रतिनिधित्व उनके संबंधित राष्ट्रीय कप्तानों और कोच ने किया। इसके अलावा प्रशंसकों और खिलाड़ियों (25 प्रतिशत) तथा मीडिया (25 प्रतिशत) के मतों के आधार पर अंतिम फैसला किया गया।

एफआईएच हॉकी स्टार्स पुरस्कार कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में आयोजित नहीं किये गये थे। एफआईएच ने कहा कि इस बार के पुरस्कारों में जनवरी 2020 से लेकर टोक्यो ओलिंपिक तक के प्रदर्शन को शामिल किया गया। मतदान प्रक्रिया 23 अगस्त को शुरू हुई और 15 सितम्बर तक चली।

उल्लेखनीय है कि भारत की दोनों हॉकी टीमों (पुरुष और महिला) ने टोक्यो ओलिंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था। पुरुष हॉकी टीम कांस्य पदक जीतने में सफल रही, जबकि महिला टीम चौथे स्थान पर रही थी। टोक्यो ओलिंपिक में पुरुष वर्ग का स्वर्ण पदक बेल्जियम ने जीता था।

लवलीना को विश्व चैंपियनशिप टीम में मिली जगह

नई दिल्ली, भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने ओलिंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिये भारतीय टीम में डायरेक्ट एंट्री दी है। बीएफआई ने कहा कि टीम की बाकी सदस्य आगामी राष्ट्रीय चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता होंगी। बीएफआई ने कहा कि राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रत्येक भारवर्ग की स्वर्ण पदक विजेता विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। लेकिन 69 किलोग्राम भारवर्ग में ऐसा नहीं होगा, क्योंकि इस भारवर्ग में लवलीना भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। बीएफआई ने बताया कि राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप का आयोजन हिसार में 21 अक्टूबर से किया जायेगा।

राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा नहीं लेंगी भारतीय हॉकी टीमें

नई दिल्ली, हॉकी इंडिया ने अगले साल बर्मिंघम में आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय हॉकी टीमों (पुरुष और महिला) के हटने की घोषणा की है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोबाम ने महासंघ के फैसले से भारतीय ओलिंपिक संघ के अध्यक्ष नरेन्द्र बत्रा को अवगत करा दिया है। हॉकी इंडिया ने कहा कि बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 28 जुलाई से 8 अगस्त 2022 तक आयोजित होंगे, वहीं एशियाई खेल 10 से 25 सितम्बर 2022 तक आयोजित होंगे। दोनों टूर्नामेंट के बीच सिर्फ 32 दिन का अंतर है, ऐसे में कोरोना महामारी के दौर में खिलाड़ियों को ब्रिटेन भेजकर जोखिम नहीं उठा सकते। हॉकी इंडिया ने कहा कि महासंघ की प्राथमिकता एशियाई खेल के जरिये पेरिस ओलिंपिक में क्वालिफाई करना है। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन में सख्त अंतर्राष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों और क्वारेंटाइन नियम लागू हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पिंक बॉल टेस्ट हुआ ड्रॉ

कैनबरा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शानदार प्रदर्शन जारी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कैनबरा में खेला गया पिंक बॉल टेस्ट (डे-नाइट) खराब मौसम की वजह से ड्रॉ हो गया। मैच में अधिकतम समय भारतीय क्रिकेट टीम का दबदबा रहा।

मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने शेफाली वर्मा के साथ पहले विकेट के लिये 93 रनों की साझेदारी की। शेफाली ने 31 तथा मंधाना ने 127 रन बनाये। ऑस्ट्रेलियाई धरती पर यह किसी भी भारतीय महिला क्रिकेटर का पहला शतक है। भारत ने पहली पारी में 8 विकेट खोकर 377 रन बनाये और पारी घोषित की। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 241 रन बनाकर पारी घोषित की।

दूसरी पारी में भारतीय बल्लेबाजों ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन बरकरार रखा। शेफाली वर्मा ने 52 रनों की पारी खेली, वहीं समृति मंधाना ने 31 रन बनाये। इनके अलावा पूनम राउत ने 41 रनों का योगदान दिया। भारत ने 135 रन पर 3 विकेट खोकर पारी घोषित की।

जीत के लिये मिले 272 रनों के जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम एक बार फिर लड़खड़ा गई। ऑस्ट्रेलियाई टीम 2 विकेट खोकर 36 रन बना सकी। इसके साथ ही मैच ड्रॉ हो गया। मैच का लगभग आधा समय बारिश के कारण बर्बाद हो गया। मैच में शतकीय पारी खेलने के लिये स्मृति मंधाना को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

- **स्मृति मंधाना डे-नाइट टेस्ट मैच में अर्धशतक और शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर हैं।**
- **मंधाना का एशिया के बाहर तीनों फॉर्मेट में चौथा शतक है।**

चीन ने बारहवीं बार जीता सुदीरमन कप

फिनलैंड, चीन ने सुदीरमन कप में अपनी बादशाहत बरकरार रखते हुये बारहवीं बार खिताब अपने नाम किया है। चीन ने टूर्नामेंट के फाइनल में जापान को 3-1 से हराया। चीन ने वर्ष 2019 में भी सुदीरमन कप के फाइनल में जापान को हराया था। फाइनल में पुरुष युगल मुकाबले में चीन के हेजी टिंग और झाऊ हाओ डोंग की जोड़ी ने ताकुसे होकी और युगो कोबायाशी की जापानी जोड़ी को 21-17, 14-21, 21-16 से हराया। वहीं पुरुष एकल वर्ग में चीन के शी यूकी ने जापानी स्टार शटलर केंटो मोमोटा को 21-13, 8-21, 21-12 से हराकर चीन की बढ़त 2-0 कर दी। जापान की अकाने यामागुची ने ओलिंपिक चैंपियन चेन यूफेई को 21-19, 21-16 से हराकर जापान को पहली जीत दिलाई। इसके बाद चेन किंग चेन और जिया यिफान की जोड़ी ने महिला युगल वर्ग के फाइनल में मायु मात्सुमोतो और मिसाकी मात्सुमोतो

की जापानी जोड़ी को 21-17, 21-16 से हराकर चीन के नाम 3-1 से जीत दर्ज करा दी।

उल्लेखनीय है कि सुदीरमन कप एक प्रतिष्ठित बैडमिंटन टूर्नामेंट है, जो टीम फॉर्मेट में खेला जाता है। भारत इस वर्ष टूर्नामेंट में ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सका और बारहवें स्थान पर रहा। टूर्नामेंट में 16 देशों ने हिस्सा लिया था।

- **चीन ने सर्वाधिक 12 बार जीता है सुदीरमन कप का खिताब।**
- **दक्षिण कोरिया चार बार तथा इंडोनेशिया ने एक बार जीता है यह टूर्नामेंट।**

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप

भारत ने हासिल किया पहला स्थान

लीमा, भारत के नवोदित निशानेबाजों ने पेरू में आयोजित आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया है। भारत ने चैंपियनशिप में 10 स्वर्ण, 9 रजत और 4 कांस्य सहित कुल 23 पदक जीतकर पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया है।

मनु भाकर ने जीते चार स्वर्ण

चैंपियनशिप में भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुये सर्वाधिक चार स्वर्ण पदक जीते। मनु ने टोक्यो ओलिंपिक की असफलता को पीछे छोड़ते हुये 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद मनु ने 10 मीटर एयर पिस्टल टीम, 25 मीटर पिस्टल टीम और 10 मीटर एयर पिस्टल

मिश्रित टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीते।

ऐश्वर्य ने विश्व रिकॉर्ड बनाया

चैंपियनशिप में भारत के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने जूनियर स्तर पर विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। ऐश्वर्य ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन इवेंट में 463.4 अंक अर्जित कर स्वर्ण पदक जीता। ये इस स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड है। इस स्पर्धा का रजत पदक फ्रांस के लुकास बर्नार्ड तथा कांस्य पदक अमेरिका के गेविन रेमंड ने जीता।

नाम्या ने बनाया रिकॉर्ड

चैंपियनशिप में 14 वर्षीय नाम्या कपूर ने दो स्वर्ण पदक जीते। नाम्या ने 25 मीटर पिस्टल इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। इस इवेंट में मनु भाकर ने कांस्य पदक हासिल किया। इसके बाद नाम्या कपूर, मनु भाकर और रिदम सांगवान की तिकड़ी ने 25 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। नाम्या जूनियर विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली सबसे युवा भारतीय बन गई हैं।

कैस्पर रूड ने जीता सैन डिएगो ओपन

सैन डिएगो, नॉर्वे के युवा टेनिस खिलाड़ी कैस्पर रूड ने सैन डिएगो ओपन का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में रूड ने ब्रिटेन के कैमरन नॉरी को सीधे सेटों में 6-0, 6-2 से हराया। यह रूड के टेनिस कॅरियर का छठवां एटीपी खिताब है। रूड इस वर्ष पांच एटीपी खिताब जीत चुके हैं। रूड ने इस वर्ष सैन डिएगो ओपन में पहले जिनेवा ओपन, स्वीडिश ओपन, स्विस ओपन और ऑस्ट्रियन ओपन भी जीते हैं। इस वर्ष कैस्पर रूड के बाद जोकोविच, मेदवेदेव और ज्वेरेव ने 4-4 एटीपी खिताब जीते हैं। पुरुष युगल वर्ग का खिताब ब्रिटेन के जोए सेलिसबेरी और नील स्कुप्स्की की जोड़ी ने जीता है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : यूगल से साभार)

सामयिकी

॥ रूस ने ॥

पहली बार पनडुब्बी से दागी हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल

रूस की नौसेना ने परमाणु पनडुब्बी की मदद से जिरकॉन हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह परीक्षण बैरंट सागर में किया गया है। इस मिसाइल ने परीक्षण के दौरान अपने लक्ष्य को निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि रूसी नौसेना ने जिरकॉन किलर मिसाइल का किसी परमाणु पनडुब्बी की मदद से यह पहला परीक्षण किया है।

परमाणु पनडुब्बी सेवेरोडविन्स्क से दागी गई इस हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल ने बैरंट सी में एक लक्ष्य को निशाना बनाया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले दिनों नई पीढ़ी की जिरकॉन मिसाइल की जमकर प्रशंसा की थी।

अमृत 2.0 और स्वच्छ भारत मिशन-शहरी

बाबासाहेब के सपनों को पूरा करने की दिशा में कारगर सिद्ध होंगे यह मिशन - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 और अटल कायाकल्प एवं शहरी परिवर्तन मिशन 2.0 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में देशवासियों ने भारत को खुले में शौच मुक्त - ओडीएफ बनाने का संकल्प लिया था और उन्होंने 10 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण के साथ इस संकल्प को पूरा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब 'स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0' का लक्ष्य शहरों को कचरा मुक्त यानी कचरे से पूरी तरह से मुक्त बनाना है। प्रधानमंत्री ने मिशन अमृत के अगले चरण में देश के लक्ष्य को रेखांकित करते हुए कहा, 'सीवेज और सेप्टिक प्रबंधन में सुधार, हमारे शहरों को जल-सुरक्षित शहर बनाना और यह सुनिश्चित करना कि कहीं भी कोई सीवेज का गंदा नाला हमारी नदियों में आकर न गिरे।

प्रधानमंत्री ने शहरी उत्थान और स्वच्छता से जुड़ी बदलाव की सफलताओं को महात्मा गांधी को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह सारे मिशन महात्मा गांधी की प्रेरणा का परिणाम हैं और उनके आदर्शों से ही साकार हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब शहरी विकास को असमानता दूर करने का बहुत बड़ा माध्यम मानते थे। बेहतर जीवन की आकांक्षा में गांवों से बहुत से लोग शहरों की तरफ आते हैं। हम जानते हैं कि उन्हें रोज़गार तो मिल जाता है, लेकिन उनका जीवन स्तर गांवों से भी मुश्किल स्थिति में रहता है। उन्होंने कहा कि इस हालात को बदलने पर, इस असमानता को दूर करने पर बाबा साहेब का बड़ा जोर था। स्वच्छ भारत मिशन और मिशन अमृत का अगला चरण, बाबा साहेब के सपनों को पूरा करने की दिशा में भी एक अहम कदम है।

उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के साथ सबका प्रयास स्वच्छता अभियान के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, स्वच्छता के संबंध में जनभागीदारी के स्तर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें इस बात से बहुत खुशी होती है कि स्वच्छता अभियान को मजबूती देने का बीड़ा देश की आज की पीढ़ी ने उठाया हुआ है। उन्होंने कहा कि टॉफी के रैपर अब जमीन पर नहीं फेंके जाते, बल्कि पॉकेट में रखे जाते हैं। छोटे-छोटे बच्चे, अब बड़ों को टोकते हैं कि गंदगी मत करिए। प्रधानमंत्री ने कहा, हमें ये याद रखना है कि ऐसा नहीं कि स्वच्छता, एक दिन का, एक पखवाड़े का, एक साल का या कुछ लोगों का ही काम है। स्वच्छता हर किसी का, हर दिन, हर पखवाड़े, हर साल, पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाला महाअभियान है। स्वच्छता जीवनशैली है, स्वच्छता जीवन मंत्र है।

उन्होंने कहा, "2014 में जब देश ने अभियान शुरू किया था तब देश में हर दिन पैदा होने वाले वेस्ट का 20 प्रतिशत से भी कम प्रोसेस होता था। आज हम लगभग 70 प्रतिशत डेली वेस्ट प्रोसेस कर रहे हैं। अब हमें इसे 100 प्रतिशत तक लेकर जाना है।"

॥ म्यांमार में ॥

तबाही रोकने एकीकृत कार्रवाई हो : गुटेरेस

- **दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के 10 सदस्यीय संघ द्वारा अपनाई पांच सूत्री योजना का समर्थन किया।**

संयुक्त राष्ट्र ने म्यांमार संकट को बड़े पैमाने पर संघर्ष तथा दक्षिणपूर्व एशिया के केंद्र में बहुआयामी 'तबाही' में बदलने से रोकने के लिए एकीकृत क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई का आग्रह किया है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने महासभा में पेश की गयी एक रिपोर्ट में आगाह किया कि यह अत्यधिक आवश्यक है कि क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय देश म्यांमार को लोकतांत्रिक सुधार के रास्ते पर वापस लाने में मदद करें। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त माइकल बैचलेट और अधिकार समूहों ने बताया कि म्यांमार सेना ने जब एक फरवरी को आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार को सत्ता से बेदखल किया था, तब उसने दावा किया था कि उनकी पार्टी ने पिछले नवंबर में जो आम चुनाव जीता था उसमें धोखाधड़ी की गई थी। सेना के तख्तापलट के तुरंत बाद व्यापक पैमाने पद प्रदर्शन शुरू हो गए थे जिसे सुरक्षाबलों ने कुचलने की कोशिश की जिसमें 1,100 से अधिक लोग मारे गए।

आसियान ने अगस्त में ब्रूनेई के दूसरे विदेश मंत्री एरिवान यूसुफ को अपना विशेष दूत नियुक्त किया था। गुटेरेस ने रिपोर्ट में यूसुफ की नियुक्ति का स्वागत करते हुए 'शांतिपूर्ण समाधान के लिए पांच सूत्री आम सहमति के समय पर और व्यापक क्रियान्वयन' का आह्वान किया था। उन्होंने कहा, 'बड़े पैमाने पर सशस्त्र संघर्ष के खतरे को दक्षिणपूर्व एशिया के केंद्र में या उससे आगे बहुआयामी तबाही को रोकने के लिए सामूहिक रुख अपनाने की आवश्यकता है। तेजी से बिगड़ती खाद्य सुरक्षा, बड़े पैमाने पर बढ़ता विस्थापन और कोविड-19 के कारण कमजोर होती सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली समेत गंभीर मानवीय प्रभाव से निपटने के लिए समन्वित रुख अपनाने की आवश्यकता है।'

ताइवान पर मंडराया चीनी हमले का खतरा, अमेरिका-ब्रिटेन ने तैनात किए 3 एयरक्राफ्ट कैरियर

दक्षिण चीन सागर में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका-ब्रिटेन ने अपने तीन एयरक्राफ्ट कैरियर तैनात कर दिए हैं। ताइवान के पास 149 लड़ाकू विमान भेजने वाले चीन के खिलाफ अमेरिका-ब्रिटेन ने कमर कस ली है।

महाविनाशक क्षमता से लैस ये एयरक्राफ्ट कैरियर दुनियाभर में अमेरिकी ताकत का प्रतीक माने जाते हैं। ताइवान के एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन में 4 दिन के अंदर 149 लड़ाकू विमान भेजकर दहशत पैदा करने वाली चीनी सेना के खिलाफ अमेरिका और ब्रिटेन ने कमर कस ली है।

अमेरिका-ब्रिटेन ने साउथ चाइना सी में फिलीपीन्स के पास अपने तीन एयरक्राफ्ट कैरियर तैनात किए हैं। महाविनाशक क्षमता से लैस ये एयरक्राफ्ट कैरियर दुनियाभर में अमेरिकी ताकत का प्रतीक माने जाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका, अफगानिस्तान की तरह ताइवान को नहीं खो सकता है। इसी वजह से यह योजना कारगर की गई है।

क्वाड में चीन की आक्रामकता रही चर्चा का विषय

अमेरिका के रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन ने कहा कि संसाधन बहुल हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता और बलप्रयोग की प्रकृति क्वाड देशों के बीच अक्सर चर्चा का विषय रही है।

सामरिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य मौजूदगी के बीच महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखने के लिहाज से एक नयी रणनीति विकसित करने के लिए नवंबर 2017 में भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने लंबे समय से लंबित क्वाड की स्थापना के प्रस्ताव को आकार दिया था। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, "क्वाड के बहुत सारे परिणाम हैं और सभी का चीन से कोई नाता नहीं है। ऐसा नहीं है कि क्वाड का अस्तित्व केवल चीन या उसके प्रभाव का मुकाबला करने के लिए है। उन्होंने कहा "जाहिर है हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन क्या कर रहा है, जिस आक्रामकता, बलप्रयोग के जरिए वह अपने दावों को पेश करने की कोशिश करता है, निश्चित रूप से यह क्वाड में हमारे सभी सहयोगियों तथा भागीदारों के साथ लगातार चर्चा का एक विषय रहा है।"

इस वर्ष के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा

चिकित्सा के लिये नोबेल
त्वचा के रहस्य खोलने वाले डेविड और एर्डम को मिला

साल 2021 के लिये नोबेल पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। इसमें चिकित्सा के लिये विजेताओं की घोषणा करते हुए नोबेल कमेटी के सेक्रेटरी जनरल थामस पर्लमैन ने त्वचा के रहस्य खोलने वाले डेविड और एर्डम के नाम की घोषणा की उन्होंने कहा, "इस खोज ने प्रकृति का रहस्य खोला है। यह ऐसी जानकारी है, जिससे हमारा अस्तित्व जुड़ा है। इसीलिए यह बहुत अहम खोज है।" पिछले साल इन दोनों विज्ञानियों को संयुक्त रूप से न्यूरोसाइंस के क्षेत्र में प्रतिष्ठित कावली अवॉर्ड दिया गया था।

फिजिक्स के लिये नोबेल
ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिये मिला

भौतिकी के लिये इस साल यह प्रतिष्ठित सम्मान तीन वैज्ञानिकों को दिया गया है। इसे पाने वाले स्यूकूरो मनावे, क्लाउस हैसलमैन, जॉर्जियो पारिसी ने जटिल फिजिकल सिस्टम को समझने के लिए जरूरी खोजें की थीं। पिछले साल भी यह सम्मान तीन वैज्ञानिकों को मिला था। स्यूकूरो मनाबे और क्लाउस ने धरती की जलवायु का फिजिकल मॉडल तैयार किया जिससे इसमें होने वाले दबाव पर सटीकता से नजर रखी जा सकती है और ग्लोबल वॉर्मिंग का अनुमान लगाया जा सकता है।

केमिस्ट्री के लिये नोबेल
जैविक उत्प्रेरकों का उपयोग

इस साल के रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार के लिये जर्मनी के बेंजामिन लिस्ट और अमेरिका के डेविड मैकमिलन को चयनित किया गया है। पुरस्कार को लेकर रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। बयान में कहा गया कि जैविक उत्प्रेरकों का उपयोग कई रासायनिक प्रतिक्रियाओं को चलाने के लिए किया जा सकता है। इन प्रतिक्रियाओं का उपयोग कर शोधकर्ता अब नए फार्मास्यूटिकल्स से लेकर अणुओं तक कुछ भी अधिक कुशलता से बना सकते हैं, जो सौर कोशिकाओं में प्रकाश को पकड़ सकते हैं।

साहित्य के लिये नोबेल
शरणार्थियों के लेखन के लिये

इस साल साहित्य का नोबेल पुरस्कार तंजानिया के उपन्यासकार अब्दुल रजाक गुरनाह को दिया गया है। स्वीडिश एकेडमी ने घोषणा में कहा, गुरनाह ने उपनिवेशवाद के प्रभावों, संस्कृतियों को लेकर काफी कुछ लिखा है। उन्होंने शरणार्थियों के भाग्य का निर्धारण करने के लिए अडिग और करुणामय लेखनी से दुनिया के दिलों में प्रेम पैदा किया। गुरनाह के दस उपन्यास और कई लघु कथाएं प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके उपन्यासों में शरणार्थियों का मार्मिक वर्णन मिलता है। उन्होंने 21 साल की उम्र से स्वाहिली भाषा में लिखना शुरू किया।

शांति के लिये नोबेल
अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिये

फिलीपींस की मारिया रेसा और रूस के दिमित्री मुरातोव को इस साल का शांति का नोबेल पुरस्कार मिला है। मारिया और दिमित्री दोनों पेशे से पत्रकार हैं। नोबेल कमेटी की अध्यक्ष बेरिट रीस-एंडरसन ने पुरस्कारों का ऐलान करते हुये कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतंत्र और स्थायी शांति के लिए किए गए प्रयासों को देखते हुए इन्हें सम्मानित किया गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि बोलने की आजादी ही लोकतंत्र और स्थायी शांति की पहली शर्त है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।